जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

उदयपुर
Rashtradoot

फोनः- 2418945 फैक्सः- 0294-2410146 | वर्षः 33 | संख्याः 215 | प्रभात | उदयपुर, सोमवार 8 जून, 2026 | आर.जे. 7202 | पृष्ठ 6 | मूल्य 2.50 रु.

इज़रायल के हमले में लेबनान का सर्वोच्च कमांडर हैकल मारा गया

अमेरिका की सशर्त युद्धविराम की घोषणा के बाद भी इज़रायल के हवाई हमलों पर रोक नहीं लगी

■ लेबनान की सेना के अनुसार, सशस्त्र बलों के कमांडर इन चीफ ब्रिगेडियर जनरल रुडॉल्फ हैकल, फील्ड मार्शल आसिम मुनीर से बातचीत के लिए पाकिस्तान जा रहे थे, जब इज़रायल के हवाई हमले ने उनके सैन्य वाहन को नष्ट कर दिया।

बेरूत (लेबनान), 07 जून। अमेरिका की मध्यस्थता से इज़रायल और लेबनान के बीच वाशिंगटन में घोषित सशर्त सैन्य विराम (युद्ध विराम, सीजफायर) दिखावा साबित हुआ। इज़रायल के ताजा हमले में 12 लोगों की मौत हो गई। मृतकों में लेबनान के सैन्य प्रमुख भी शामिल हैं। अधिकारियों ने पुष्टि की कि सैन्य प्रमुख , एक कैप्टन और एक सैनिक की मौत हो गई। इनकी मौत खारदली-नबातीह रोड पर यात्रा के दौरान हुई। सैन्य प्रमुख को पाकिस्तान पहुंचना था। पाकिस्तान पहुंचने से पहले ही उनकी जान ले ली गई। लेबनान के राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री ने देश के सैन्य प्रमुख (सशस्त्र बलों के कमांडर-इन-चीफ) ब्रिगेडियर जनरल रुडोल्फ हैकल को निशाना बनाने को देश की संप्रभुता पर हमला करार दिया है। इस हमले की कई देशों ने भी कठोर निंदा की है।

अल जजीरा की रिपोर्ट के अनुसार, इज़रायल ने छह जून को लेबनान पर कहर बरपाया।

लेबनान की सेना ने पुष्टि की है कि इज़रायल के हवाई हमले में खारदली-नबातिह रोड पर अभेद्य माना जाने वाला सैन्य वाहन नष्ट हो गया। इसमें सवार सेना के सर्वोच्च कमांडर , कैप्टन और एक सैनिक मारे गए। इज़रायली डिफेंस फोर्सेज (आईडीएफ) ने कहा कि यह हमला सक्रिय युद्ध क्षेत्र में हुआ। इस क्षेत्र में आवाजाही के लिए इज़रायली सेना के साथ तालमेल जरूरी है। आईडीएफ ने कहा इस घटना की जांच की जा रही है।

लेबनान की सेना ने बताया कि उसके सर्वोच्च कमांडर रुडोल्फ हैकल अपने पाकिस्तानी समकक्ष फील्ड मार्शल आसिम मुनीर के साथ बातचीत के लिए पाकिस्तान जा रहे थे। लेबनान में सक्रिय ईरान समर्थक सशस्त्र आतंकवादी समूह हिजबुल्लाह ने हमले को ''घिनौना अपराध'' बताया। साथ ही लेबनान सरकार पर आरोप लगाया कि उसने ''वाशिंगटन में दुश्मन की मांगों के सामने पूरी तरह घुटने टेककर'' देश को खूनखराबे के बीच धकेल दिया है।

इज़रायल की सेना ने कहा कि उसने पिछले दो दिन में दक्षिणी लेबनान में हिजबुल्लाह के लगभग 150 ठिकानों पर हमला किया है। इनमें शस्त्र भंडारण गृह, कमांड सेंटर, रॉकेट लॉन्चर और इंफ्रास्ट्रक्चर साइट्स शामिल हैं। इज़रायली सेना ने शनिवार देर रात कहा कि उसके दो सैनिक दक्षिणी लेबनान में मारे गए हैं। उधर, हिजबुल्लाह ने बिंट जेबिल इलाके में इज़रायल की चौकी को ड्रोन हमले में उड़ाने का दावा किया है।

महत्वपूर्ण यह है कि संघर्ष विराम का सिलसिला 17 अप्रैल से चल रहा है। अब तक इसका कभी पूरी तरह से पालन नहीं किया गया। हिजबुल्लाह और इज़रायल ने अकसर एक-दूसरे पर उल्लंघन के आरोप लगाए हैं। दो-चार दिन पहले वाशिंगटन में लेबनान और इजरायली दूतों ने एक सशर्त सैन्य विराम की घोषणा की थी। हिजबुल्लाह के नेता नईम कासिम ने कहा था कि वह इस सैन्य विराम को नहीं मानेंगे। दक्षिणी लेबनान से इज़रायल की वापसी पर ही कोई समझौता मान्य हो सकता है।

आज दिल्ली में होगी इंडिया गठबंधन की बैठक

नई दिल्ली, 07 जून। कांग्रेस महासचिव (संचार) जयराम रमेश ने कहा कि विपक्षी इंडी गठबंधन की 8 जून को नई दिल्ली में होने वाली बैठक में 23 राजनीतिक दलों ने भाग लेने की पुष्टि की है। यह बैठक दोपहर 12 बजे कॉन्स्टीट्यूशन क्लब में आयोजित की जाएगी।

जयराम रमेश ने रविवार को सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर कहा कि इंडी गठबंधन (इंडिया जनबंधन) के कुछ दल अलग-अलग कारणों से इस विशेष बैठक में शामिल होने में

■ जयराम रमेश के अनुसार, 23 राजनीकि दलों ने भाग लेने की पुष्टि की है।

असमर्थता जता चुके हैं। हालांकि, उन्होंने भी केंद्र सरकार की उन नीतियों और कार्रवाइयों का विरोध किया है, जो लाखों भारतीयों के मताधिकार को प्रभावित कर रही हैं, संविधान पर हमला कर रही हैं और जांच एजेंसियों के माध्यम से विपक्षी नेताओं को निशाना बना रही हैं।

उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार की नीतियों से करोड़ों लोगों की रोजी-रोटी प्रभावित हो रही है। लगातार बढ़ ती महंगाई घरेलू बजट पर असर डाल रही है। साथ ही युवाओं की उम्मीदों

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

मालवीय नगर में आज धार्मिक स्थल हटेंगे, 3000 पुलिसकर्मी तैनात

नंदपुरी अंडरपास से रेलवे लाइन के समानांतर बनी 1 मस्जिद, 2 मंदिर, 1 सत्संग भवन व 1 मज़ार हटेंगे

■ जेडीए की मांग पर डीजी लॉ एंड ऑर्डर के निर्देश पर पुलिस कमिश्नरेट को आरएसी की 12 कंपनियां दी गई हैं।

■ जयपुर जिले में धारा 163 लागू करने के साथ ही इंटरनेट, वॉट्सऐप तथा सोशल मीडिया एप्स बंद रहेंगे।

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर 7 जून । राजधानी जयपुर के मालवीय नगर इलाके में नंदपुरी अंडरपास से रेलवे लाइन के समानांतर बनी डेढ़ कि.मी. लंबी सड़क की सीमा में आ रहे पांच धार्मिक स्थलों को जेडीए प्रशासन सोमवार को हटाएगा। इनमें एक मस्जिद, दो मंदिर, एक सत्संग भवन और एक मजार शामिल हैं। कार्रवाई के दौरान कानून-व्यवस्था न बिगड़े, इसके लिए शहर में 3000 से ज्यादा पुलिसकर्मी अलग-अलग स्थानों पर तैनात रहेंगे। जेडीए की मांग पर डीजी लॉ एंड ऑर्डर के निर्देश पर पुलिस कमिश्नरेट को आरएसी की 12 कंपनियां दी गई हैं। इसके अलावा, जयपुर, कोटा और भरतपुर रेंज से भी अतिरिक्त जाब्ता बुलाया गया है। शहर में धारा 163 लागू करने के साथ ही इंटरनेट भी बंद रखा गया है। साथ ही बल्क एसएमएस, एमएमएस, व्हाट्सएप, फेसबुक, एक्स (ट्विटर) सहित, अन्य सोशल मीडिया सेवाएं निलंबित रहेंगी।

बताया जा रहा है कि कमिश्नरेट की करीब 1000 जवानों की अतिरिक्त पुलिस फोर्स भी तैनात रहेगी। परकोटे सहित शहर के संवेदनशील इलाकों में पुलिस और आरएसी की मौजूदगी रहेगी, ताकि किसी भी स्थिति में तुरंत नियंत्रण किया जा सके। ज्ञात रहे कि नंदपुरी अंडरपास के पास से रेलवे लाइन के समानांतर यह सड़क 6 कॉलोनियों के बीच से निकलती है। अभी इसकी चौड़ाई 25 से 30 फीट है, जबकि सरकारी रिकॉर्ड में 80 फीट है। सड़क 80 फीट चौड़ी होने से नंदपुरी से जगतपुरा तक सीधा रूट मिलेगा। करीब 50 कॉलोनियों को मालवीय नगर, प्रधान मार्ग और अपेक्स सर्किल की ओर बेहतर कनेक्टिविटी मिलेगी।

उप महानिरीक्षक पुलिस आनंद शर्मा ने बताया कि सड़क चौड़ी होने से हरे-कृष्ण मार्ग पर वाहनों का लोड कम होगा। जेडीए ने गत 22 मई को 134 अतिक्रमण हटाए थे। इस दौरान धार्मिक स्थलों को स्वयं हटाने के निर्देश दिए थे, परंतु किसी ने अवैध कब्जे नहीं हटाए। नंदपुरी रोड पर सोमवार को अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की जाएगी।

वहीं, दूसरी ओर जेडीए की इस कार्रवाई के विरोध की आशंका देखते हुए जयपुर पुलिस प्रशासन ने सख्त कदम उठाए हैं। विभिन्न संगठनों की ओर से संभावित विरोध-प्रदर्शन तथा सोशल मीडिया के माध्यम से सांप्रदायिक सौहार्द बिगाड़ने की आशंका को देखते हुए जयपुर पुलिस आयुक्तालय क्षेत्र में भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) 2023 की धारा 163 के तहत निषेधाज्ञा लागू कर दी गई है। यह आदेश कार्यपालक मजिस्ट्रेट एवं अतिरिक्त पुलिस आयुक्त (कानून एवं व्यवस्था) डॉ. राजीव पचार द्वारा जारी

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

धर्मेन्द्र प्रधान 7 दिन में नहीं हटे तो देशव्यापी आंदोलन- सीजेपी

सीजेपी संस्थापक दिपके ने जंतर-मंतर के प्रदर्शन को ऐतिहासिक बताया

■ दिपके ने कहा कि प्रदर्शन की खास बात यह थी कि इसमें शामिल होने वाले अधिकांश लोग पहली बार किसी आंदोलन का हिस्सा बने थे।

नई दिल्ली, 07 जून। रविवार को कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के संस्थापक अभिजीत दिपके ने केन्द्र सरकार को दो टूक चेतावनी दे दी। उन्होंने साफ कहा कि जंतर-मंतर पर हुआ प्रदर्शन तो महज एक ट्रेलर था। अगर केन्द्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान ने अगले सात दिनों में इस्तीफा नहीं दिया या उन्हें पद से नहीं हटाया गया, तो यह आंदोलन देशव्यापी रूप अख्तियार कर लेगा।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखे अपने पोस्ट में दिपके ने शनिवार के प्रदर्शन को ऐतिहासिक करार दिया। उन्होंने कहा कि यह भारी भीड़ देश की शिक्षा व्यवस्था के खिलाफ युवाओं और छात्रों के गुस्से का प्रतीक है। दिपके ने लिखा, कल हजारों लोगों ने मिलकर एक नया इतिहास रचा। जंतर-मंतर पर हमारे शांतिपूर्ण प्रदर्शन ने सरकार को यह दिखा दिया कि जब आम जनता एकजुट होती है, तो उसमें कितनी ताकत होती है।

इस प्रदर्शन की सबसे खास बात यह रही कि इसमें शामिल होने वाले अधिकांश लोग पहली बार किसी आंदोलन का हिस्सा बने थे। भीषण गर्मी और तपती धूप के बावजूद, छात्र, नौजवान और बच्चे बड़ी संख्या में अपनी आवाज उठाने पहुंचे थे।

दिपके ने शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान पर पूरी एक पीढ़ी का भविष्य बर्बाद करने का गंभीर आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि यह लड़ाई यहीं खत्म होने वाली नहीं है। उन्होंने कहा कि अगर सात दिन के भीतर शिक्षा मंत्री अपने पद से नहीं हटते हैं, तो हम जमीन पर उतरकर बड़े पैमाने पर आंदोलन जारी रखने के लिए मजबूर होंगे। आंदोलन के तरीकों पर बात करते हुए उन्होंने साफ किया कि उनका अभियान पूरी तरह शांतिपूर्ण और अहिंसक रहेगा, क्योंकि एकजुट और शांतिपूर्ण आंदोलन को सरकार कभी दबा नहीं सकती।

मानसून 11 राज्यों में पहुँचा

नई दिल्ली, 07 जून। देश में दक्षिण-पश्चिम मॉनसून ने तेज रफ्तार पकड़ ली है। 4 जून को केरल के तट से टकराने के 72 घंटे के भीतर मॉनसून 11 राज्यों तक पहुंच गया है। मौसम विभाग ने अगले 7 दिन केरल, कर्नाटक, तमिलनाडु और उत्तर-पूर्वी भारत में भारी बारिश की चेतावनी दी है।

दक्षिण- पश्चिम मॉनसून ने रविवार को उत्तरपूर्वी भारत में पूरे नागालैंड,

■ केरल, कर्नाटक, तमिलनाडु व उत्तर-पूर्वी भारत में भारी बारिश की चेतावनी।

मणिपुर और मिजोरम को कवर कर लिया। साथ ही, असम, त्रिपुरा और अरुणाचल प्रदेश में कई जगहों पर मॉनसून की बारिश शुरू हो गयी है।

भारत मौसम विभाग की ताज़ा रिपोर्ट के मुताबिक, मॉनसून पिछले 72 घंटे में 11 राज्यों में पहुंच चुका है -- केरल, तमिलनाडु, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश, महाराष्ट्र, नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम, त्रिपुरा, असम और

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

डीके शिवकुमार ने संकट सुलझाने का दावा किया

डीके शिवकुमार और बागी रामलिंगा रेड्डी की दो घंटे लंबी अहम् बैठक हुई

■ डीके शिवकुमार ने पुष्टि की कि मंत्री रामलिंगा रेड्डी ने उन्हें वॉट्सऐप पर इस्तीफा भेजा था, पर शिवकुमार ने कहा, अब सब ठीक है।

■ इसी बीच महिलाओं को सरकार में प्रतिनिधित्व नहीं मिलने पर कांग्रेस की वरिष्ठ नेता मार्गरेट अल्वा ने आपत्ति जताई। डीके शिवकुमार ने कहा, अभी कई पद रिक्त हैं, शीघ्र ही मंत्रिमंडल विस्तार होगा, जिसमें महिलाओं को स्थान मिलेगा।

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 7 जून। अपनी चार दिन पुरानी सरकार के भीतर उभर रहे असंतोष का सामना कर रहे कर्नाटक के मुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने शनिवार को दावा किया कि वरिष्ठ नेता रामलिंगा रेड्डी से जुड़े सभी मुद्दे "सुलझा लिए गए हैं।"

नई सरकार के लिए बड़ी परेशानी का कारण बने घटनाक्रम में, वरिष्ठ नेता रामलिंगा रेड्डी ने शुक्रवार को अपने विभाग को लेकर नाराजगी जताते हुए, डी.के. शिवकुमार मंत्रिमंडल से मंत्री पद से इस्तीफा दे दिया था। रेड्डी का कहना था कि उन्हें मुख्यमंत्री द्वारा बेंगलुरु विकास मंत्रालय देने का आश्वासन दिया गया था, लेकिन शपथ ग्रहण के बाद उन्हें सिंचाई मंत्रालय आवंटित कर दिया गया।

इस्तीफे पर प्रतिक्रिया देते हुए शिवकुमार ने रेड्डी को अपना "सबसे करीबी मित्र" बताया था और कहा था कि वे इस मुद्दे का समाधान कर लेंगे।

शनिवार को मुख्यमंत्री ने इस बात की पुष्टि की कि रेड्डी ने उन्हें "वॉट्सऐप पर" इस्तीफा भेजा था, लेकिन उन्होंने कहा कि अब सब कुछ सामान्य है।

उन्होंने कहा, "वे मेरे मित्र हैं, सभी समस्याओं का समाधान हो जाएगा। अनावश्यक कहानियां मत गढ़िए, वे सब बेकार साबित होंगी। हां, उन्होंने वॉट्सऐप पर इस्तीफा भेजा था, लेकिन अब मामला सुलझ गया है।"

शुक्रवार रात शिवकुमार ने रेड्डी के इस्तीफे के बाद, उनके साथ करीब दो घंटे तक बैठक की, जो रात 1:30 बजे तक चली। इस देर रात हुई चर्चा को उभरते राजनीतिक मतभेदों को नेतृत्व द्वारा दूर करने की कोशिश के रूप में देखा गया।

रामलिंगा रेड्डी के इस्तीफे ने नई सरकार के भीतर हलचल मचा दी है और अन्य मंत्रियों ने भी अपने विभागों को लेकर असंतोष जताना शुरू कर दिया है।

इसके बाद सरकार के दूसरे मंत्री के.एच. मुनियप्पा ने भी अपने विभाग को लेकर नाराजगी व्यक्त की। खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग मिलने पर उन्होंने कहा कि कैबिनेट के "सबसे वरिष्ठ" नेताओं में से एक होने के नाते उन्हें अधिक महत्वपूर्ण विभाग मिलना चाहिए था।

मुनियप्पा ने एनडीटीवी को बताया, "मैंने नेतृत्व को बता दिया है कि कैबिनेट के वरिष्ठतम सदस्य के रूप में मुझे कोई महत्वपूर्ण विभाग मिलना चाहिए।"

उन्होंने यह भी कहा कि उन्होंने अपनी अपेक्षाओं के बारे में राहुल गांधी

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

ओडिशा में सहायक अभियंता के पास अथाह संपत्ति मिली

भुवनेश्वर, 07 जून। ओडिशा में भ्रष्टाचार के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत विजिलेंस विभाग ने बड़ी कार्रवाई करते हुए कंधमाल जिले के बालीगुड़ा स्थित एकीकृत जनजातीय

■ विजिलैंस विभाग के छापे में 2 करोड़ रूपए नकद, 552 ग्राम स्वर्ण आभूषण व करोड़ों की अचल सम्पत्ति मिली।

विकास एजेंसी (आईटीडीए) के सहायक कार्यपालक अभियंता (एईई) बैकुंठनाथ बेहरा को आय से अधिक संपत्ति (डीए) मामले में गिरफ्तार कर लिया है। जांच में उनके पास ज्ञात आय के स्रोतों की तुलना में 798 प्रतिशत अधिक संपत्ति मिलने का खुलासा हुआ है।

विजिलेंस अधिकारियों के अनुसार, बैकुंठनाथ बेहरा और उनके परिवार के नाम पर करोड़ों रुपये की चल-अचल संपत्तियां मिली हैं।

इनमें भुवनेश्वर में कई आलीशान बहुमंजिला भवन, करोड़ों रुपये के प्लॉट, दो करोड़ रुपये से अधिक नकदी, सोने के आभूषण, बैंक जमा और लग्जरी वाहन शामिल हैं।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

दादाभाई नौरोजी, ऋषि सुनक की श्रृंखला में एक युवा राजस्थानी ने भी अपना नाम दर्ज कराया

रणजीत सिंह राठौड़ अब इंगलैण्ड की हिलिंगडन सीट से काउंसलर (सांसद) निर्वाचित हुए हैं

■ ''मैं 2014 में लंदन की ब्रुनेल युनिवर्सिटी में ''लॉ'' पढ़ने आया था। युनिवर्सिटी में दो बार स्टूडैन्ट यूनियन का अध्यक्ष चुना गया। मैं अपने परिवार का पहला व्यक्ति था, जो विदेश गया था, पढ़ाई करने।''

■ ''मेरी राजनीति में रूचि स्टूडैन्ट यूनियन का अध्यक्ष बनने के बाद से जागृत हुई। कंज़रवेटिव पार्टी ने मुझे राजनीतिक प्रचार अभियान में भाग लेने का मौका दिया तथा बोरिस जॉनसन व ऋषि सुनक के चुनाव में मैंने काम किया तथा पार्टी ने मुझे काउंसलर पद के लिए उम्मीदवार बनाया।''

■ राठौड़ की राजनीतिक उड़ान में इस बात से भी मदद मिली कि भारतीय मूल के ब्रिटिश नागरिकों की भारी साख बनी है इंगलैण्ड में। 42 प्रतिशत भारतीय मूल के ब्रिटेन निवासी इंगलैण्ड की हाई-इनकम श्रेणी में आ गए हैं। उदाहरण के लिए, 2022 के एक सर्वे के अनुसार, आज इंगलैण्ड में भारतीय मूल के नागरिकों के पास ज्यादा सम्पत्ति है, अंग्रेज निवासियों की तुलना में, और भारतीय मूल के इंगलैण्ड निवासियों के योगदान की काफी कदर है।

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 7 जून। "ग्रैंड ओल्ड मैन ऑफ़ इंडिया दादाभाई नौरोजी पहले एशियाई और भारतीय थे, जिन्हें 1892 में ब्रिटेन के हाउस ऑफ कॉमन्स में संसद सदस्य के रूप में चुना गया था। उन्होंने लंदन की सेंट्रल फिन्सबरी सीट का प्रतिनिधित्व किया और ब्रिटेन व उसके उपनिवेशों, विशेषकर भारत, में अल्पसंख्यकों की समस्याओं को उठाया। सन् 2022 में, ऋषि सुनक ऐसे पहले ब्रिटिश एशियाई (भारतीय मूल) बने, जिन्होंने कंज़रवेटिव पार्टी से 10, डाउनिंग स्ट्रीट में प्रवेश किया।

अब राजस्थान के रणजीत सिंह राठौड़ भी उन भारतीयों की सूची में शामिल हो गए हैं, जिन्होंने ब्रिटिश राजनीति में महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है।

रणजीत राठौड़ को वैस्ट लंदन के हिलिंगडन बरो के शांत, उच्च दर्जे वाले आवासीय क्षेत्र, नॉर्थ हिलिंगडन से काउंसलर चुना गया है। उन्होंने कंज़रवेटिव पार्टी से जोनाथन बिएंको के साथ चुनाव लड़ा। जोनाथन 40 वर्षों से ऑफिस में हैं। अब नॉर्थ हिलिंगडन की सीट का प्रतिनिधित्व करेंगे- एक युवा भारतीय नेता और एक अनुभवी ब्रिटिश काउंसलर।

रणजीत ने कहा, "मैं 2014 में ब्रुनेल युनिवर्सिटी, लंदन में कानून की पढ़ाई के लिए यूके आया। मेरा यहाँ आना अविश्वसनीय रूप से लाभप्रद एवं कायापलट कर देने वाला रहा। विश्वविद्यालय में मैं दो साल लगातार स्टूडेंट्स यूनियन का अध्यक्ष चुना गया तथा मुझे विविध पृष्ठभूमियों वाले 15,000 से अधिक विद्यार्थियों का प्रतिनिधित्व करने का सुअवसर मिला। इस अनुभव ने मेरे नेतृत्व कौशल को निखारा और पब्लिक सर्विस की मेरी समझ को मजबूत किया तथा मुझे समुदाय से जुड़ने की एक मजबूत भावना दी, ये वैल्यूज़ आज भी मेरा मार्गदर्शन कर रही हैं।"

उन्होंने एक प्रश्न के उत्तर में कहा, "हां, मैं विदेश में पढ़ाई करने वाला अपने परिवार का पहला व्यक्ति हूँ। यह व्यक्तिगत और प्रोफेशनल, दोनों रूप से बड़ा कदम था। कम उम्र में एक नए देश में जाने से मैंने बहुत जल्दी आज़ादी, लचीलान और एडजस्ट करने की क्षमता सीखी।"

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

अमेरिका में भारतीय युवक की गोली मार कर हत्या

हैदराबाद, 07 जून। अमेरिका के फिलाडेल्फिया में हैदराबाद के रहने वाले 28 साल के एक युवक की बेरहमी से हत्या कर दी गई। यह घटना पांच और छह जून की दरमियानी रात को हुई। मृतक की पहचान अंशुल कुंचा के रूप

■ अंशुल कुंचा एक एमएनसी में काम करता था। वह शनिवार और रविवार को पीत्ज़ा डिलीवरी का काम भी करता था।

में हुई है। अंशुल का परिवार हैदराबाद के पास गुंडलापोचमपल्ली में रहता है। न्यूयॉर्क में भारत के महावाणिज्य दूतावास ने इस दुखद घटना की पुष्टि की है। दूतावास ने सोशल मीडिया पर जानकारी दी कि वे अंशुल के परिवार के

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विचार बिन्दु

खुद के लिये जीने वाले की ओर कोई ध्यान नहीं देता पर जब आप दूसरों के लिये जीना सीख लेते हैं तो वे आपके लिये जीते हैं। –श्री परमहंस योगानंद

डिजिटल भारत या डिजिटल विभाजन की नई दीवार?

हमारे सामने एक नया भारत उभर रहा है। बहुत कुछ बदल रहा है। कुछ बदलाव हम महसूस करते हैं, कुछ बदलाव हमें बताए और महसूस कराए जाते हैं। यह अस्वाभाविक भी नहीं है। जब कोई काम किया जाता है तो करने वाला उसका प्रचार भी करता है, उसके लिए श्रेय भी लेता है। यह मानव स्वभाव है। इधर हमें जो बड़े बदलाव बताए जाते हैं, और जिन्हें हम ख़ुद महसूस भी करते हैं उनमें एक बड़ा बदलाव यह है कि अपना देश अब 'डिजिटल' हो गया है। 'डिजिटल इंडिया' की खूब चर्चा होती है, और हमारे सामने उपलब्धियों की एक लंबी सूची उभर आती है। हम ख़ुद देखते हैं और अगर न भी देखें तो हमें दिखाया जाता है कि अब चाय वाले से लेकर चाट वाले तक, यहां तक कि भिखारी भी, क्यूआर कोड से भुगतान ले रहे हैं; बैंक जेब में समा गया है; रेलवे टिकट, बिजली का बिल, टैक्स भुगतान, अस्पताल का पंजीकरण–सब कुछ मोबाइल की स्क्रीन पर बस एक क्लिक की दूरी पर उपलब्ध है। यह सब यथार्थ है और निस्संदेह उल्लेखनीय और सराहनीय भी है। ख़ुद मैं महसूस करता हूं कि डिजिटलीकरण ने मेरा जीवन बहुत आसान कर दिया है। निस्संदेह यह आज के भारत की सफलता की एक चमकीली कथा है। लेकिन हर सफलता की कहानी का एक ऐसा अध्याय भी होता है जो उत्सवधर्मिता के शोर में दब जाता है। डिजिटल भारत की कहानी में वह अध्याय बुजुर्ग नागरिकों का है।

तकनीक का उद्देश्य मनुष्य का जीवन आसान बनाना था। जो उसे बरतने में सक्षम थे, उनका जीवन उसने सुगम बनाया भी है। लेकिन अति उत्साह में हमारे यहाँ धीरे–धीरे सुविधा और अनिवार्यता का अंतर मिटता जा रहा है। आप बैंक जाइए तो कर्मचारी मुस्कुराकर सलाह देता है–"सर, यह काम ऐप से हो जाएगा।" रेलवे की खिड़की पर जाइए तो बताया जाता है कि ऑनलाइन टिकट लेना अधिक सुविधाजनक है। किसी अस्पताल में अपॉइंटमेंट चाहिए तो वेबसाइट या ऐप का रास्ता दिखा दिया जाता है। मानो यह मान लिया गया है कि देश का हर नागरिक स्मार्टफोन, इंटरनेट और डिजिटल प्रक्रियाओं का उतना ही अभ्यस्त है जितना उसे बनाने और सहजता से बरतने वाली पीढ़ी है।

यहीं से समस्या शुरू होती है।

भारत में करोड़ों ऐसे वरिष्ठ नागरिक हैं जिन्होंने अपने जीवन का अधिकांश हिस्सा उस दुनिया में बिताया है जहाँ दस्तख़त पहचान का प्रमाण थे, पासबुक बैंकिंग का आधार थी और किसी भी काम के लिए एक जीवित मनुष्य से बात करना संभव था। अब उन्हें एक ऐसी दुनिया में प्रवेश करने के लिए बाध्य किया जा रहा हैं जहाँ पहचान ओटीपी से होती है, भरोसा पासवर्ड पर टिका है और सहायता का पहला स्त्रोत कोई व्यक्ति नहीं, बल्कि एक चैटबॉट होता है। सारा कारोबार एक दबाओ, दो दबाओ से आगे बढ़ता है।

वृद्धावस्था स्वयं में कोई समस्या नहीं है। यह तो एक स्वाभाविक परिणति है। जो जन्म लेता है वह वृद्ध भी होता ही है। समस्या तब पैदा होती है जब समाज अपनी व्यवस्थाएँ इस तरह निर्मित करने लगता है कि उम्र एक प्रकार की अक्षमता में बदल जाती है। आज अनेक बुजुर्गों के लिए मोबाइल फोन केवल एक उपकरण नहीं, बल्कि परीक्षा काएक डराने वाला प्रश्न–पत्र बन गया है। हर कुछ दिनों में नया अपडेट, नया इंटरफेस, नई सुरक्षा प्रक्रिया और नया सत्यापन। जिस व्यक्ति ने जीवन भर कठिन प्रशासनिक और सामाजिक जिम्मेदारियाँ निभाई हों, वह भी एक छोटे–से संदेश–पासवर्ड इनकरेक्ट' के सामने असहाय महसूस कर सकता है। और दुख की बात यह कि उसकी इस व्यथा को कोई समझना भी नहीं चाहता।

> **डिजिटल क्रांति ने एक और विडंबना पैदा की है। पहले नागरिक सरकारी दफ्तरों की कतारों में परेशान होते थे। अब कतारें कम हो गई हैं, लेकिन उनकी जगह ओटीपी, कैप्चा, यूज़र आईडी और पासवर्ड ने ले ली है। तकनीक को धड़ल्ले से बरतने वाला मैं भी बहुत दफा कैप्चा के आगे पराजित हो जाता हूं। पहले खिड़की के उस पार बैठा बाबू कभी-कभी झुँझला कर कुछ कह देता था; अब उसकी जगह एक निर्जीव स्क्रीन ने ले ली है, जो गलती होने पर केवल इतना कहती है-'एरर, ट्राय अगेन।'।**

तकनीक विशेषज्ञ अक्सर यह मान लेते हैं कि जो चीज़ उन्हें सहज लगती है, वह सभी को सहज लगेगी। लेकिन तकनीक का सबसे बड़ा भ्रम यही है। एक युवा के लिए जो प्रक्रिया तीस सेकंड में पूरी हो जाती है, वही किसी बुजुर्ग के लिए तनाव, भय, असुरक्षा, आतंक, असहायता, दयनीयता और निर्भरता का कारण बन सकती है। समस्या केवल तकनीकी नहीं है; भाषा की भी है। सोच कर देखें कि 'ऑथेन्टिकेट', वेरीफाई', 'रीसेट', 'अपडेट', 'प्रोसीड' और 'सबमिट' जैसे शब्द उन लोगों के लिए कितने आत्मीय हैं जिनकी शिक्षा और जीवनानुभव किसी दूसरी भाषायी दुनिया में विकसित हुए हैं? भारत में तकनीक सामान्यत: अंग्रेज़ी केंद्रित है और जिस पीढ़ी की मैं चिंता कर रहा हूं, उसका एक बड़ा हिस्सा अपनी पूरी ज़िंदगी अंग्रेज़ी से इतर किसी भाषा में अपना काम करता रहा है। अब उम्र के इस मुकाम पर आकर उनके लिए एक नई भाषा सीखना, और उसमें तकनीक को बरतना कितना मुश्क़िल होगा, इसकी सहज ही कल्पना की जा सकती है। इस पूरी प्रक्रिया का सबसे दुखद पक्ष आत्मसम्मान से जुड़ा हुआ है। एक समय था जब परिवार के निर्णयों का केंद्र घर के बुजुर्ग हुआ करते थे। आज कई बार उन्हें अपने ही बैंक खाते का विवरण देखने, बिजली का बिल भरने या रेल टिकट बुक करने के लिए बेटे, बेटी, पोते–पोती या पड़ोसी की सहायता लेनी पड़ती है। सहायता माँगना बुरा नहीं है; लेकिन हर छोटे–बड़े काम के लिए दूसरों पर निर्भर हो जाना मनुष्य के आत्मविश्वास का धीरे–धीरे क्षरण करता है।

डिजिटल क्रांति ने एक और विडंबना पैदा की है। पहले नागरिक सरकारी दफ्तरों की कतारों में परेशान होते थे। अब कतारें कम हो गई हैं, लेकिन उनकी जगह ओटीपी, कैप्चा, यूज़र आईडी और पासवर्ड ने ले ली है। तकनीक को धड़ल्ले से बरतने वाला मैं भी बहुत दफा कैप्चा के आगे पराजित हो जाता हूं। पहले खिड़की के उस पार बैठा बाबू कभी–कभी झुँझला कर कुछ कह देता था; अब उसकी जगह एक निर्जीव स्क्रीन ने ले ली है, जो गलती होने पर केवल इतना कहती है–'एरर, ट्राय अगेन।'। यहां संवाद की और मदद मांगने की सारी संभावनाएं ही ख़त्म हैं! और यह तो केवल असुविधा का पक्ष है। उससे भी गंभीर पक्ष सुरक्षा का है। साइबर अपराधियों ने शीघ्र ही समझ लिया है कि डिजिटल दुनिया में सबसे आसान शिकार कौन है। केवाईसी अपडेट कराने के नाम पर फोन, बैंक अधिकारी बनकर की जाने वाली ठगी, नकली लिंक, फर्जी ऐप और ओटीपी धोखाधड़ी–इन सबका सबसे बड़ा निशाना वरिष्ठ नागरिक ही बनते हैं। एक तरफ व्यवस्था उन्हें डिजिटल बनने के लिए प्रेरित करती है, दूसरी तरफ वही डिजिटल संसार उन्हें अनेक नए प्रकार के जोखिमों के सामने खड़ा कर देता है।

विडंबना यह है कि जिस देश में 'सबका साथ, सबका विकास' और 'समावेशी विकास' की बातें होती हैं, वहीं डिजिटल समावेशन पर अपेक्षित गंभीरता से चर्चा ही नहीं होती है। किसी सेवा को ऑनलाइन उपलब्ध करा देना और उसे सबके लिए सुलभ बना देना दो अलग–अलग बातें हैं। यदि किसी नागरिक को किसी आवश्यक सेवा का लाभ उठाने के लिए स्मार्टफोन, इंटरनेट, अंग्रेज़ी की समझ और तकनीकी दक्षता अनिवार्य रूप से चाहिए, और इसका कोई विकल्प उपलब्ध न हो, तो हमें यह पूछना चाहिए कि क्या वह व्यवस्था वास्तव में समावेशी है? लेकिन इससे यह निष्कर्ष नहीं निकाल जाना चाहिए कि मैं तकनीक का विरोधी हूं। मैं स्पष्ट कहता हूं कि रेलगाड़ी से उतरकर बैलगाड़ी पर लौट जाने का कोई औचित्य नहीं है। प्रश्न तकनीक के उपयोग का नहीं, उसकी मानवीयता का है। क्या बैंक शाखाओं में वरिष्ठ नागरिक सहायता डेस्क नहीं हो सकती? क्या आवश्यक सेवाओं के लिए ऑफलाइन विकल्प सुरक्षित नहीं रखे जा सकते? क्या ऐप और वेबसाइटों को अधिक सरल, अधिक सहज भारतीय भाषाओं में और अधिक वरिष्ठ–अनुकूल नहीं बनाया जा सकता? क्या डिजिटल साक्षरता अभियान बुजुर्गों के लिए भी नहीं चलाए जाने चाहिए?

किसी भी समाज की प्रगति का मूल्यांकन केवल इस आधार पर नहीं किया जाता कि वह कितना तेज़ दौड़ रहा है। उससे अधिक महत्वपूर्ण यह है कि वह उन लोगों के साथ कैसा व्यवहार कर रहा है जो किसी कारणवश उतनी तेज़ी से नहीं दौड़ सकते हैं। डिजिटल भारत का स्वप्न निश्चय ही स्वागत योग्य है। किंतु यदि उस स्वप्न के रास्ते में हमारे वरिष्ठ नागरिक स्वयं को असहाय, उपेक्षित और अप्रासंगिक महसूस करने लगें, तो यह गम्भीर आत्ममंथन का विषय है। तकनीक तब तक सभ्यता की सहयोगी है जब तक वह मनुष्य को सशक्त बनाती है। जिस दिन वह मनुष्य को उसकी ही व्यवस्था में पराया महसूस कराने लगे, उस दिन हमें रुककर यह पूछना चाहिए कि हम डिजिटल भारत बना रहे हैं या अनजाने में डिजिटल विभाजन की एक नई दीवार खड़ी कर रहे हैं!

–अतिथि संपादक,
डॉ. दुर्गाप्रसाद अग्रवाल
(शिक्षाविद और साहित्यकार)

बढ़ती उम्र और घटती संवेदनात्मक प्रतिवर्ती क्रियाएं

वीर बहादुर सिंह

यह लेख मूलत: शरीर विज्ञान एवं मनोविज्ञान की परिधि में आता है। लेखक ने यह विवरण एक वरिष्ठ जनों की यू 3 ए की उदयपुर सभा में अंग्रेजी में शीर्षक "डिमिनिशिंग रेफ्लेक्सेस विद एडवांसिंग एज" से दिया था। अतिरिक्त इसके, कुछ समय पूर्व जैन संतशिरोमणि आचार्य महाप्रज्ञ जी को भी उनके उदयपुर प्रवास के अवसर पर एक अन्य लेख के साथ इसे दिया था। उन दो लेखों में से आचार्य जी ने एक उस समय प्रकाशित एक स्मारिका में अंग्रेजी में छपवा दिया था। लेखक ने आचार्य जी से पांच बार भेंट कर कई शरीर सम्बन्धी आयामों पर वैज्ञानिक सार्थक चर्चा की थी जिनके बारे में उन्होंने अपने कतिपय तब भिन्न भिन्न प्रवचनों में मेरा नाम लेकर उल्लेख भी किया था। पाठकों को यहाँ बता दूँ कि आचार्य महाप्रज्ञ जी उच्च कोटि के संत तो निसंदेह थे ही, उनकी शरीर विज्ञान और नलिकाविहीन अंत:स्त्रावी ग्रंथिओं और उनसे स्त्रावित होर्मोन्स की जानकारी पर अच्छी पकड़ थी। उनकी शैक्षणिक योग्यता जानने की तो लेखक की कभी हिम्मत नहीं हुई। बहराल यह लेख चूँकि अंग्रेजी भाषा में लिखा गया था, सोचा क्यों न अब इसे हिंदी भाषा में परिवर्तित कर अधिक लोगों की जानकारी के लिए अखवार में छपवा दूँ।

संवेदनात्मक प्रतिवर्ती कियाएं क्या होती हैं पाठक यह जान लें। आपके पैर में काँटा लगा अथवा कोई कंकड़, काँटा या अन्य कुछ चलते समय चुभा तो बिना क्षण गवाए आपका पैर तुरंत ही संज्ञान लेकर कुछ उपाय करता है, टांग में मक्छर आदि के काटने पर आपका हाथ तुरंत ही उस स्थान पर हल्का सा थप्पड़ मार देता है इसी प्रकार कहीं सुई, ऑलपिन या कोई अन्य नुकीली वस्तु चुभने पर आपकी प्रतिक्रिया त्वरित होती है। आँख में कुछ गिरने पर पलक स्वत: आँख बंद कर देते हैं और आप मलनें लगते हैं। इन क्रियाओं के फलस्वरूप शरीर जो प्रतिक्रिया तुरंत देता है वही सब रिफ्लेक्स एक्शन या प्रतिवर्ती क्रियाऐं कहलाती हैं ।

शरीर जब प्रतिवर्ती क्रिया देने में विलम्ब करने लगे तो आदमी समझने लगता है कि अब बुढ़ापा आने लगा है और ऐसी ही भिन्न भिन्न दशाओं के प्रकट होते आदमी बुढ़ापे और उसके दंश से डरने लगता है। क्योंकि बाल्या वस्था और जवानी में तो ऐसा कुछ होता नहीं था। इस तरह का भाव यदि किसी में घर कर जाय और उसका समुचित निदान न किया जाय तो परिणीति असक्षमता, नर्वस डिसऑर्डर, काम करने की लगन में कमी और फिर सकारात्मक मनोवृति में ह्रास के साथ जटिल डेमेंश्या, डिप्रेशन और अल्ज़्हीमर रोग बन जाते हैं। इन सबसे बचने के लिए उचित व्यवस्था और समुचित उपाय करना वांछनीय है।

इस तरह का बदलाव चूँकि बहुत धीमी गति से होता है। फिर भी पोषण में कमी, किसी अन्य वेस्टिंग बीमारी (मांस पेशिओं में क्षरण) का होना और मानसिक दवाब ऐसी दशाओं को और गति दे देती हैं। वैसे तो बुढ़ाना शरीर की एक सामान्य क्रिया है फिर भी चूँकि इसका अंत मृत्यु पर होता है जो अवश्यम्भावी है मनुष्य डरता है। जन्म के समय ही मृत्यु की घडी भी चल पड़ती है। जन्म और मृत्यु की अवधि काल में व्यक्ति अधिक से अधिक सकारात्मक सोच के साथ अच्छे व् सकारात्मक कार्यों में व्यस्त रहे तो उसे शारीरिक व्याधियां कम व्याप्ति हैं और बुढ़ाना भी धीमी गति से घटित होता है। साथ ही प्रतिवर्ती क्रियाओं के बढ़ने की गति बहुत धीमी या नगण्य ही रहती है।

बुढ़ानें की समस्या के चार पहलू हैं:–1. दैहिकी आधारित या जैविक 2. मनोवृति परक 3. सामाजिकमूलक और 4. सांस्कृतिक।

वैज्ञानिक बुढ़ाने को केवल एक शुद्ध दैहिकी क्रिया मानते हैं क्योंकि उनके अनुसार अनेक मानसिक, मनोवृत्तिमूलक क्रियाएं धीमी पड़ जाती हैं। लेकिन साथ ही कुछ अंतस्त्रावी ग्रंथिओं के स्त्राव–होर्मोनस, किण्वक और न्यूरॉन्स की कम सघनता और सक्रियता से मस्कुलो नर्वस क्रियाएं मंद पड़ जाती हैं। यहाँ यह बताना आवश्यक है कि बुढ़ानें की प्रवर्ति में पूर्वाग्रह और अनभिग्यता दोनों ही मिथक वैज्ञानिक ज्ञान की प्रधानता को साधारणत: अशक्त कर देते हैं। अब संक्षेप में वे कारक जो बुढ़ापे में कठिनाइयां बढ़ाते हैं और प्रतिवर्ती क्रियाओं में ह्रास करते हैं, वे हैं – अकेलापन और सामजिक पृथक्करण, गरीबी के साथ–साथ अन्य किसी वित्तीय स्त्रोत का भी न होना, शारीरिक अक्षमता, हाइजीन और सफाई की कमी, कार्य संलग्नता में कमी और सबसे मुख्य मानसिक तनाव मुख्य कारक हैं। इसलिए वरिष्ठजनों को समय रहते स्वयं किसी परोपकारी कार्य से जुड़जाना चाहिए।

धार्मिक आयोजनों में सक्रीय भाग लेने से भी सकारात्मकता बढ़ती है और तनाव में कमी आती है। अकेले होने पर पेड़–पौधे लगाने में रूचि रखने से भी तनाव तो कम होता ही है कुछ शारीरिक श्रम होने से सक्रियता भी बनी रहती है। आखिर में लेख को विराम देते हुए यह मन में बिठा लीजिये कि प्रतिवर्ती क्रियाएं मष्तिष्क में उपजती हैं इसलिए उनका प्रतिकारक वहीं पर पैदा होना जरुरी है। इसके लिए दोनों शारीरिक कार्य और मष्तिष्क कार्य सम्पादित करते रहना आवश्यक है।

ध्यान, प्रेक्षा ध्यान और ऑटो सजैशन कि मैं ठीक हूँ या मेरी व्याधि कम हो रही है शारीरिक व्यधिओं को शीघ्र ही भर देते हैं। क्योंकि ऐसी क्रियाओं से पिटुइटरी, पीनियल, थाइरोइड पारा थाइरोइड की सक्रियता में संतुलन बना रहता है जिससे सभी चयापचय क्रियाएं और प्रतिरोधी क्रियाओं का लाभ शरीर को मिलता रहता है। अपने से कम आयु और तरुण युवा लोगों की संगत से भी मन एकाग्र होता है। ऊतकों की मरम्मत के लिए पौष्टिक आहार लेते रहना जरुरी होता है जिसमें हरे साग–सब्जी और रंगीन फलों का भी यदा कदा भक्षण बहुत लाभ करता है। अंत में वे सभी उपाय करने चाहिए जिनसे व्यस्तता और स्वास्थ्य ठीक बना रहे और तनाव कम से कम रहे अथवा बिलकुल नहीं रहे। उन सभी कार्यों में संलग्नता हो जिनसे मन और मस्तिष्क दोनों ही संतुष्टि की सीमा में रहें और शरीर की सभी मुख्य ग्रंथियां सक्रीय रहकर अपने स्त्रावों से शरीर को लाभ पहुंचाती रहें।

–प्रो. वीर बहादुर सिंह,
पूर्व कुलपति एवं खाद्य विज्ञ,
महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विवि., उदयपुर।

सनातन धर्म पर हेट स्पीच का इतिहास

सूर्य प्रताप सिंह राजावत

भारत में सनातन धर्म पर हमला एक आम बात बन गई है। यह दुनिया का एकमात्र ऐसा देश है जहाँ बहुसंख्यक धर्म की आलोचना इस हद तक की जाती है कि बोले गए शब्द हेट स्पीच (घृणास्पद भाषण) के मूल तत्वों को पूरा करते हैं। हेट स्पीच में ऐसा भाषण शामिल होता है जिससे किसी विशेष समुदाय की आस्थाओं, रीति–रिवाजों, पूजा–पद्धतियों आदि का अनादर, शत्रुता या अपमान होता है। इस विषय के लिए देश के उन कानूनों को समझना ज़रूरी है जो भारत में हेट स्पीच से निपटते हैं। यह CrPC की धारा 153(ए), 153(बी), 295(ए), 298, 505(1) का संदर्भ देता है; और अब भारतीय न्याय संहिता के तहत धारा 196, 197, 299, 302, 353 के अंतर्गत आता है। ये धाराएँ उन स्थितियों या आचरण से निपटती हैं जिनमें भारत में कानून–व्यवस्था को बिगाड़ने और हिंसा भड़काने की क्षमता होती है। यदि इसी तरह के शब्द गैर–बहुसंख्यक समुदायों के खिलाफ बोले जाते, तो उसका परिणाम क्या होता, यह सभी को भली–भांति पता है।

चिंता का विषय यह है कि तमिलनाडु के मंत्री उदायानिधि स्टालिन का हेट स्पीच के मामले में दुराचरण का एक इतिहास रहा है; यहाँ तक कि मद्रास उच्च न्यायालय को भी इस मंत्री के वर्ष 2023 के हेट स्पीच के मामले से निपटना पड़ा था। उदयनिधि स्टालिन ने 2023 में एक बैठक को संबोधित करते हुए कहा था, "कुछ चीज़ों का विरोध नहीं किया जा सकता, उन्हें पूरी तरह से मिटा देना चाहिए। हम डेंगू, मच्छरों, मलेरिया या कोरोना का विरोध नहीं कर सकते, हमें उन्हें पूरी तरह से खत्म करना होता है। ठीक इसी तरह, हमें सनातन (सनातन धर्म) का विरोध करने के बजाय, उसे पूरी तरह से मिटा देना चाहिए।"

हेट स्पीच (द्वेषपूर्ण भाषण) शब्द की बारीकियों को समझने के लिए यह फ़ैसला पढ़ना बहुत ज़रूरी है। हाई कोर्ट ने अश्विनी उपाध्याय मामले में सुप्रीम कोर्ट द्वारा दिए गए निर्देशों का ज़िक्र किया, जिसमें राज्य के अधिकारियों पर यह ज़िम्मेदारी डाली गई है कि वे हेट स्पीच फैलाने वाले लोगों के ख़िलाफ़ अपनी मर्ज़ी से (suo motu) आपराधिक कार्रवाई शुरू करें। हाई कोर्ट ने अपनी सख़्त टिप्पणियों को इन निर्देशों के साथ समाप्त किया कि जो लोग हेट स्पीच के लिए ज़िम्मेदार हैं, वे आज़ादी से घूम रहे हैं, जबकि जो लोग इसका जवाब दे रहे हैं, उन्हें आपराधिक कार्रवाई के ज़रिए परेशान किया जा रहा है। यह तमिलनाडु राज्य में क़ानून लागू करने वाली एजेंसियों द्वारा अपने फ़र्ज़ से मुँह मोड़ने का मामला है।

सनातन धर्म के ख़िलाफ़ हेट स्पीच का एक लंबा इतिहास रहा है, जो विलियम आर्चर को दिए गए एक करारे जवाब की याद दिलाता है; आर्चर ने इंडिया एंड फ़्यूचर नाम की एक किताब लिखी थी। सनातन धर्म पर हुए इस हमले का जवाब देते हुए, श्रीअरविन्द ने द फ़ाउंडेशन ऑफ़ इंडियन कल्चर शीर्षक के तहत कई निबंध लिखे। ये निबंध मूल रूप से आर्य नाम की मासिक पत्रिका में प्रकाशित(1918–19) हुए थे, जिनमें भारत का पुनर्जागरण, क्या भारत सभ्य है? , भारतीय संस्कृति और बाहरी प्रभाव तथा भारतीय संस्कृति का बचाव जैसे विभिन्न शीर्षक शामिल थे। कहा जाता है कि हर उस भारतीय को ये निबंध ज़रूर पढ़ने चाहिए, जो भारतीय संस्कृति के सही और सच्चे दृष्टिकोण को समझना चाहता है। श्रीअरविंद किसी भी संस्कृति की महानता को परखने के लिए तीन मापदंड निर्धारित करते हैं:–पहला, उस संस्कृति की मूल भावना को समझना; साथ ही उसकी सर्वोच्च उपलब्धियों और बेहतरीन कामयाबियों को जानना। और अंत में, उस संस्कृति में जीवित रहने, टिके रहने, आत्मसात करने, समन्वय बिठाने, एकजुट होने और किसी भी समाज या जाति की स्थायी ज़रूरतों के नए दौर के अनुसार खुद को ढाल लेने की शक्ति का होना।यह बात स्वामी विवेकानंद के उस भाषण (फरवरी 27, 1895) की याद दिलाती है, जिसमें उन्होंने भारत की विभिन्न उपलब्धियों और आध्यात्मिकता, विज्ञान, साहित्य, कला, संस्कृति, गणित आदि के क्षेत्रों में भारत द्वारा दुनिया को दिए गए अमूल्य योगदान का ज़िक्र किया था।

सनातन धर्म के बारे में एक आम गलतफहमी यह है कि इसके आलोचक कहते हैं कि जिसका जन्म होता है, उसकी मृत्यु भी निश्चित है; इसलिए कोई अवतार नहीं हो सकता। उनके अनुसार, अवतार कोई दिव्य सत्ता नहीं होती । लेकिन, इस तर्क में एक बुनियादी कमी है। श्रीअरविन्द अपने ग्रंथ एसेज़ ऑन गीता में लिखते हैं कि ब्रह्मांड की वह अवधारणा, जिसके अनुसार यह जगत समय और स्थान के दायरे में, विकास की प्रक्रिया से गुज़रते हुए, उस परम सत्ता की ही एक अभिव्यक्ति मात्र है–इस संदर्भ में, भविष्य की दिशा तय करने में अवतार की भूमिका ही सबसे तार्किक निष्कर्ष प्रतीत होती है। अत:, सनातन धर्म जिस तरह से दिव्य सत्ता को–परम सत्ता, वैश्विक चेतना और व्यक्तिगत चेतना–इन तीनों आयामों में देखता है, उस दृष्टिकोण को आलोचक समझ नहीं पाते; और इसकी मुख्य वजह है भारतीय दर्शन और आध्यात्मिकता की उनकी अधूरी समझ।

जहाँ तक अस्पृश्यता (छुआछूत) की कुप्रथा का प्रश्न है, सभी समाज सुधारकों ने इस बात को स्वीकार किया है कि–ठीक वैसे ही जैसे कानून में कुछ मूल सिद्धांत होते हैं और कुछ नियम होते हैं–उसी तरह, अस्पृश्यता की यह कुप्रथा भी केवल नियमों में पाई जाती है, न कि धर्म के मूल सिद्धांतों में। सभी समाज सुधारकों ने, बिना किसी अपवाद के, अस्पृश्यता की इस कुप्रथा की कड़ी निंदा की है; क्योंकि यह समाज में असमानता को बढ़ावा देती है।

वर्ण व्यवस्था और जाति व्यवस्था के बीच के अंतर को समझना अत्यंत आवश्यक है। वर्ण व्यवस्था तो व्यक्ति के कर्म और स्वभाव के आधार पर कार्यों का वर्गीकरण करती है; जबकि जाति व्यवस्था का आधार केवल जन्म होता है–और जाती व्यवस्था सनातन धर्म की मूल भावना के बिल्कुल विपरीत है। यह रेखांकित करना भी प्रासंगिक है कि हेट स्पीच (द्वेषपूर्ण भाषण) की अवधारणा, भाईचारे और सामाजिक लोकतंत्र के सिद्धांतों के बिल्कुल विरुद्ध है। डॉ. अंबेडकर ने 25 नवंबर 1949 को संविधान सभा में दिए गए अपने ऐतिहासिक भाषण में सामाजिक लोकतंत्र के महत्व पर विशेष ज़ोर दिया था।

देश का कानून भारत के संविधान में निहित है। संविधान द्वारा प्रदत्त वाक एवं अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का मौलिक अधिकार निरपेक्ष नहीं है; बल्कि इस पर कुछ उचित प्रतिबंध लगाए जा सकते हैं। हर प्रकार की चर्चा, किसी विचार का समर्थन, अथवा आलोचना को हेट स्पीच की श्रेणी में नहीं रखा जा सकता। सर्वोच्च न्यायालय ने अपने विभिन्न निर्णयों में, तथा विधि आयोग ने अपनी रिपोर्टों में, हेट स्पीच की परिभाषा के दायरे को स्पष्ट करने पर विशेष बल दिया है। इस परिभाषा के अंतर्गत–अन्य पहलुओं के साथ–साथ–दुराशय तत्कालीन परिस्थितियाँ, और हिंसा के लिए उकसाने जैसे तत्वों पर विचार किया जाता है; और इसमें सबसे महत्वपूर्ण पहलू यह होता है कि किसी आपत्तिजनक भाषण के प्रति एक विवेकशील व्यक्ति की क्या प्रतिक्रिया होगी? अत: यह कहा जा सकता है कि ऐसे विवेकशील व्यक्ति से यह अपेक्षा की जाती है कि वह भारतीय संस्कृति की नींव से परिचित हो–वह संस्कृति जो वसुधैव कुटुंबकम के सिद्धांत में विश्वास रखती है, जहाँ प्रत्येक व्यक्ति में पूर्णता को प्राप्त करने की समान क्षमता निहित है। आधुनिक काल में, रामकृष्ण परमहंस, स्वामी विवेकानंद और श्रीअरविन्द के कार्यों को समझे और सराहे बिना, भारतीय संस्कृति की कोई भी सराहना अधूरी और विकृत मानी जाएगी; साथ ही, यह सनातन धर्म के साथ भी न्याय नहीं कर पाएगी।

संविधानिक न्यायालय ने स्टालिन को हेट स्पीच (नफ़रत फैलाने वाले भाषण) का दोषी पाया था। अब 13 मई 2026 को, वह तमिलनाडु की विधानसभा से फिर से हेट स्पीच दी हैं। ख़बरों के अनुसार, विपक्ष के नेता के तौर पर उन्होंने कहा है कि सनातन धर्म को समाप्त किया जाना ज़रूरी है। उनका असली चेहरा सामने आ गया है। वह एक कायर व्यक्ति हैं। उनमें अपने शब्दों पर कायम रहने का साहस नहीं है। संविधान के इतिहास में यह एक काला दिन था, जब हेट स्पीच फैलाने वाला व्यक्ति फिर से वही शरारत दोहरा रहा था, और तमिलनाडु के मुख्यमंत्री विजय ने स्टालिन के इस अत्यंत अस्वीकार्य आचरण पर कोई आपत्ति नहीं जताई। ठीक वैसे ही, जैसे अरविंद केजरीवाल ने विधानसभा में बोलने और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के लिए, विधायकों को प्राप्त विशेषाधिकारों की आड़ ली थी। स्टालिन भी अब अरविंद केजरीवाल और ममता बनर्जी के ही नक्शेकदम पर चल रहे हैं। इसमें कोई हैरानी की बात नहीं होगी कि भविष्य में स्टालिन का हश्र भी वैसा ही होगा।

–सूर्य प्रताप सिंह राजावत,
अधिवक्ता राजस्थान उच्च न्यायालय जयपुर

नो पार्किंग के नाम पर आमजन का उत्पीड़न कब तक?

रोहित कुमार जैन

जयपुर शहर में नो पार्किंग में खड़े वाहनों को क्रेन के माध्यम से उठाकर ले जाने की व्यवस्था कोई नई नहीं है। यह व्यवस्था पूर्व की सरकारों के समय से ही चली आ रही है। लेकिन समय के साथ इस व्यवस्था को लेकर आमजन की परेशानियाँ और शिकायतें लगातार बढ़ती जा रही हैं। अब यह केवल यातायात व्यवस्था सुधारने का माध्यम न होकर आम नागरिकों के आर्थिक शोषण और मानसिक उत्पीड़न का कारण बनती दिखाई दे रही है। सबसे महत्वपूर्ण तथ्य यह है कि नो पार्किंग का सरकारी चालान मात्र 200 है। इसका स्पष्ट अर्थ है कि स्वयं सरकार भी इसे कोई बहुत बड़ा अपराध नहीं मानती। इसके बावजूद वाहन मालिकों से क्रेन शुल्क के नाम पर 600 या उससे अधिक राशि वसूली जाती है। यानी वास्तविक चालान राशि से तीन गुना अधिक पैसा निजी क्रेन एजेंसियों को प्राप्त होता है।

आमजन के बीच यह धारणा मजबूत होती जा रही है कि ट्रैफिक पुलिस और निजी क्रेन ठेकेदारों की मिलीभगत के कारण वाहनों को जल्दबाजी में उठाया जाता है, ताकि अधिक से अधिक आर्थिक लाभ कमाया जा सके। कई बार वाहन चालक थोड़ी दूरी पर ही मौजूद होता है, फिर भी बिना किसी चेतावनी के वाहन उठा लिया जाता है। इससे नागरिकों को भारी असुविधा, समय की बर्बादी और अनावश्यक आर्थिक नुकसान झेलना पड़ता है।

नियमों के अनुसार वाहन उठाने से पहले वाहन स्वामी को लाउडस्पीकर अथवा अन्य माध्यम से सूचना देकर उचित समय देना चाहिए, ताकि वह स्वयं वाहन हटा सके। लेकिन व्यवहार में अधिकांश मामलों में इस प्रक्रिया का पालन नहीं किया जाता। सीधे वाहन उठाकर ले जाना ही प्राथमिक कार्रवाई बन चुकी है।

विशेषज्ञों का मानना है कि यदि मौके पर ही ऑन–द–स्पॉट चालान किए जाएँ तो अधिक प्रभावी तरीके से यातायात नियमों की पालना सुनिश्चित की जा सकती है। इससे लोगों को अनावश्यक परेशानी भी नहीं होगी और ट्रैफिक व्यवस्था भी बेहतर बनी रहेगी। इसके विपरीत वाहन को क्रेन से उठाकर ले जाने की प्रक्रिया में अधिक समय लगता है तथा इसका सबसे अधिक लाभ निजी एजेंसियों को मिलता है।

यह विषय किसी एक सरकार या राजनीतिक दल से जुड़ा नहीं है, बल्कि वर्षों से चली आ रही एक ऐसी व्यवस्था का हिस्सा है जिसकी अब निष्पक्ष समीक्षा होना आवश्यक है। जनहित में सरकार को चाहिए कि वाहन केवल उन्हीं परिस्थितियों में उठाए जाएँ, जब वे वास्तव में यातायात बाधित कर रहे हों। साथ ही क्रेन शुल्क की समीक्षा कर आमजन को राहत दी जाए तथा निजी एजेंसियों की कार्यप्रणाली में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित की जाए।

यातायात व्यवस्था बनाए रखना आवश्यक है, लेकिन उसके नाम पर आम नागरिकों का आर्थिक और मानसिक उत्पीड़न किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था में उचित नहीं माना जा सकता।

–रोहित कुमार जैन, सीए

राशिफल

पंडित अनिल शर्मा

सोमवार 8 जून, 2026

द्वितीय ज्येष्ठ मास (अधिक), कृष्ण पक्ष, अष्टमी तिथि, सोमवार, विक्रम संवत 2083, शतभिषा नक्षत्र प्रात: 9:10 तक, विष्कुम्भ योग प्रात: 9:28 तक, बालव करण दिन 3:24 तक, चन्द्रमा रात्रि 3:37 से मीन राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य–वृष, चन्द्रमा–कुम्भ, मंगल–मेष, बुध–मिथुन, गुरू–मिथुन, शुक्र–मिथुन, शनि–मीन, राहु–कुम्भ, केतु–सिंह

आज कालाष्टमी, पंचक है। आज शुक्र कर्क में सायं 5:43 पर प्रवेश करेगा।

श्रेष्ठ चौघड़िया: अमृत सूर्योदय से 7:19 तक, शुभ 9:01 से 10:43 तक, चर 2:08 से 3:50 तक, लाभ अमृत 3:50 से सूर्यास्त तक।

राहूकाल: 7:30 से 9:00 तक। सूर्योदय 5:36, सूर्यास्त 7:15

मेष
आज आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक यात्रा संभव है।

वृष
व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। अटके हुए कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। नवीन कार्यों उचित सफलता मिलेगी। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी।

मिथुन
नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक कार्यों के लिए भागदौड़ रहेगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कर्क
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। व्यक्तिगत परेशानियां अभी यथावत बनी रहेगी। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। बनते कार्य बिगड़ सकते हैं। यात्रा टालना ठीक रहेगा।

सिंह
परिवार में आपसी सहयोग–समन्वय बना रहेगा। परिवार में आपसी सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। आज परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा।

कन्या
व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। चलते कार्यों में प्रगति होगी। व्यावसायिक सुविधाएं बढ़ेगी। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा।

तुला
व्यावसायिक कार्यों के संबंध में उचित सोच–विचार हो सकता है। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। घर–परिवार में चल रहे आपसी मतभेद दूर होने लगेंगे।

वृश्चिक
घर–परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। परिवार में धार्मिक–सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे। धार्मिक कार्यों में भाग ले सकते हैं।

धनु
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। आज मित्रों/रिश्तेदारों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे।

मकर
विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। अस्त–व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। व्यावसायिक परेशानियां दूर होने लगेगी।

कुंभ
मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मनोबल–आत्मविश्वास बढ़ेगा। परिवार में रचनात्मक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी।

मीन
घर–गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। मन में असंतोष बना रहेगा। आज अनर्गल कार्यों में समय खराब हो सकता है।

संक्षिप्त

सुंदर सिंह भंडारी मंडल की बैठक

उदयपुर, (कासं)। भारतीय जनता पार्टी शहर जिला उदयपुर के अंतर्गत सुंदर सिंह भंडारी मंडल की मासिक बैठक आज सरदारपुरा सामुदायिक भवन में भाजपा शहर जिलाध्यक्ष श्री गजपाल सिंह राठौड़ की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में आगामी संगठनात्मक कार्यक्रमों, केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष में आयोजित होने वाले विभिन्न अभियानों, विकसित भारत संकल्प कार्यक्रम, बूथ सशक्तिकरण एवं नगर निगम तथा पंचायत चुनावों की तैयारियों को लेकर विस्तृत चर्चा की गई।बैठक को संबोधित करते हुए शहर जिलाध्यक्ष गजपाल सिंह राठौड़ ने कहा कि संगठन की शक्ति बूथ स्तर के कार्यकर्ताओं से निर्मित होती है। आगामी चुनावों को दृष्टिगत रखते हुए प्रत्येक कार्यकर्ता को सक्रिय भूमिका निभानी होगी तथा केंद्र एवं राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने का कार्य करना होगा। सहकारिता विभाग के प्रदेश मंत्री प्रमोद सामर ने कार्यकर्ताओं का आव्ह ान करते हुए कहा कि भाजपा का संगठन निरंतर सेवा, सुशासन और विकास के संकल्प के साथ कार्य कर रहा है। जिला महामंत्री पारस सिंघवी,देवीलाल सालवी एवं पंकज बोराणा ने संगठनात्मक विषयों पर मार्गदर्शन देते हुए आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा प्रस्तुत की। पूर्व महापौर रजनी डांगी ने भी अपने उद्बोधन में महिला सहभागिता एवं जनसंपर्क को मजबूत करने पर बल दिया। जिला मंत्री सिद्धार्थ शर्मा ने संगठन की योजनाओं एवं आगामी गतिविधियों पर संक्षिप्त जानकारी दी।

प्रसव के दौरान महिला की मौत

उदयपुर, (कासं)। प्रसव पीडा होने पर नीम हकीम द्वारा उपचार करने से नवाजात व नव प्रसूता की मौत हो गई। इस मामले में पुलिस ने नीम हकीम के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया। जानकारी केअनुसार पीडिता सीतादेवी पत्नी देवीलाल खराड़ी नाल फला बलिचा थाना पाटिया ने नीम हकीम बीरबल पुत्र धर्मवीर खराड़ी निवासी नाल फला बलिचा पाटिया के खिलाफ प्रकरण दर्ज करवाया। जिसमें पीडिता ने बताया कि शनिवार सवेरे मेरी पुत्री रेणुका को प्रसव पीड़ा होने पर उपचार कराने के लिए बीरबल को घर बुलाया था। इस दौरान उपचार करने पर पुत्री ने मृत हालत में नवजात को जन्म दिया। जिसके कुछ ही समय बाद मेरी पुत्री रेणुका की भी मौत हो गई।

क्रिकेट प्रतियोगिता का समापन

उदयपुर, (कासं)। दाऊदी बोहरा जमात उदयपुर का 30 मई से 6 जून तक खेल सप्ताह श्पिचए पेस एंड प्लेट फेस्ट 2026का आयोजन क्रिकेट प्रतियोगिता के सम्पन्न हुआ। किंगडम ऑफ़ स्पोर्ट्स अकेडमी में जहाँ पुरुषो की क्रिकेट में युवाओ का उत्साह चरम पर रहा वहीँ पहली बार आयोजित महिला क्रिकेट प्रतियोगिता आकर्षण का केंद्र रही। पिचए पेस एंड प्लेट फेस्ट 2026 के फ़ाइनल नतीजों में जहाँ महिलाओ की रेज़िन रॉयल्स ने कांटे के टक्कर वाले मैच में स्टार वारियर्स पर आखिरी दो 1 गेंद शेष रहते ख़िताब पर कब्ज़ा जमाया।

उदयपुर में धर्म परिवर्तन मामले में तीन पादरी सहित 11 गिरफ्तार

- 20 गांवों के आदिवासियों का करवा रहे थे धर्म परिवर्तन
- आदिवासियों को लालच-झांसा देने का आरोप
- आरोपियों के बैंक खातों की जांच कर रही पुलिस

उदयपुरके 20 गांवों में धर्म परिवर्तन मामले में 3 पादरी सहित 11 जनों को गिरफ्तार किया।

उदयपुर, (कासं)। उदयपुर में 20 गांवों के आदिवासी परिवारों को लालच देकर धर्म परिवर्तन करने के मामले में पुलिस ने 11 आरोपियों को रविवार को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार आरोपियों को अदालत में पेश किया जहाँ से उन्हें एक दिन के पुलिस रिमाण्ड पर भेज दिया गया है।इनमें छत्तीसगढ़-झारखंड के 3 पादरी भी शामिल हैं। मामला ऋषभदेव थाना इलाके के कानूवाड़ा बिलखाई गांव में शनिवार का है।

थानाधिकारी हेमंत अहारीअहारी के अनुसार शिकायतकर्ता नानालाल ने पुलिस को बताया. गरीब आदिवासियों को टारगेट कर पिछले कई दिनों से यहां धर्म परिवर्तन का माहौल बनाया जा रहा है। मुझे भी शुक्रवार को इस सभा में बुलाया गया था, मुझे पूरे परिवार समेत धर्म बदलने का लालच दिया गया।शिकायतकर्ता ने बताया. सभा में मौजूद पादरियों ने कहा. हिंदू धर्म छोड़ दो तुम्हारी सारी बीमारियां दूर हो जाएंगी और हर तरीके से आर्थिक लाभ भी मिलेगा।आदिवासियों को झांसे में लेने के लिए उनके खेतों में कुआं और ट्यूबवेल खुदवाने तक का लालच दिया गया था ताकि गरीब लोग अपनी आर्थिक मजबूरी के कारण ईसाई धर्म अपना लें।

नानालाल ने बताया. जब मैंने हिंदू धर्म छोड़ने से साफ मना कर दिया तो आरोपियों ने मुझे जान से मारने की धमकी दी। शनिवार सुबह भी ईसाई धर्म स्वीकार नहीं करने पर स्थानीय आयोजकों ने मुझे डराया.धमकाया। इसके बाद मैंने हिम्मत दिखाई और सीधे थाने पहुंचकर आरोपियों के खिलाफ लिखित शिकायत दी।आयोजक इन 2 दिनों में करीब 200 स्थानीय परिवारों को पैसों का लालच देकर धर्म परिवर्तन करवाने की तैयारी में थे। लेकिन पुलिस ने ऐन वक्त पर पहुंचकर उनकी इस साजिश को नाकाम कर दिया। इस कार्यक्रम में कुछ ऐसे परिवार भी शामिल हुए थे,जिन्होंने कुछ समय पहले ही हिंदू धर्म छोड़ दिया था।

ऋषभदेव डीएसपी राजीव राहर ने बताया. पीडि़तों से शिकायत मिली थी कि ईसाई धर्म परिवर्तन के लिए उन्हें प्रलोभन और धमकियां दी जा रही हैं। आरोपियों के मोबाइल और बैंक खाते खंगालते हुए जांच की जा रही है।

थानाधिकारी हेमंत अहारी ने बताया कि कानूवाड़ा बिलखाई गांव में पिछले 2 दिनों से गांव के बाबूलाल के नेतृत्व में प्रार्थना सभा चल रही थी जहाँ शनिवारसुबह 11 बजेआसपास के 20 से ज्यादा गांवों के लोगों को बुलाया गया था। ग्रामीण नानालाल की सूचना पर पुलिस पहुंची तो वहां 200 से ज्यादा लोग मौजूद थे। इन लोगों को हिंदू धर्म छोड़कर ईसाई धर्म अपनाने के लिए प्रेरित किया जा रहा था। शिकायतकर्ता नानालाल ने पुलिस को बताया था कि गरीब आदिवासियों को टारगेट कर कई दिनों से धर्म परिवर्तन का माहौल बनाया जा रहा है। मुझे भी सभा में बुलाया गया था। मुझे पूरे परिवार समेत धर्म बदलने का लालच दिया गया। ऋषभदेव के बाद ऐसी ही एक बड़ी प्रार्थना सभा आने वाले दिनों में फलासिया में भी होने वाली थी।

गिरफ्तार आरोपियों में हरिश पिता शंकरलाल मीणा (30)वर्ष निवासी आमझरा फला करणी माता पुलिस थाना बिछीवाडा जिला डूंगरपुर,भैरूलाल पिता प्रभुलाल मीणा (28) निवासी गोरण पुलिस थाना बाघपुरा, उदयपुर, बाबुलाल पिता दिता उर्फ देवीलाल कलासुआ मीणा (28) निवासी दरा फला बिलखाई,कानुवाडा, पुलिस थाना ऋषभदेव, शंकरलाल पिता दिता उर्फ देवीलाल कलासुआ मीणा (35) निवासी दरा फला बिलखाई, कानुवाडा, पुलिस थाना ऋषभदेव, राकेश कलासुआ पिता दिता उर्फ देवीलाल कलासुआ मीणा (45) निवासी दरा फला बिलखाई, कानुवाडा, पुलिस थाना ऋषभदेव, अनिल कलासुआ पिता राकेश कलासुआ (22) निवासी दरा फला बिलखाई, कानुवाडा,पुलिस थाना ऋषभदेव, नारायण पिता बंशीलाल उर्फ बदा कलासुआ (40) निवासी दरा फला बिलखाई,कानुवाडा, हाल भाउवा महादेव फला पुलिस थाना ऋषभदेव, दिनेश पिता कैलाश कलासुआ (30) निवासी दरा फला बिलखाई, कानुवाडा, पुलिस थाना ऋषभदेव,पलाश गुलहानी पिता कुण्डलिक गुलहानी (30) निवासी 220 राजीव नगर,सुपेला भिलाई पुलिस थाना सुपेला जिला दुर्ग (छतीसगढ), आशीष मसीह पिता अनिल मसीह, किश्चन (32) निवासी बिसरामपुर बीसपारा पुलिस थाना सीमगा जिला बलोदा बाजार (छतीसगढ),अमित कुमार पिता हेमराज महार (43)निवासी राधिका नगर, भिलाई शहर,पुलिस थाना सुपेला जिला दुर्ग,(छतीसगढ), शामिल है।

वहीं उदयपुर सांसद डॉ. मन्नालाल रावत भी घटना का जायजा लेने के लिए रविवार को ऋषभदेव पहुंचे। उन्होंने कानूवाड़ा बिलखाई गांव पहुंचकर ग्रामीणों से बात की। सांसद रावत ने कहा. डरने की कोई जरूरत नहीं है।

मेघवाल व मूंदड़ा से मिले सिक्किम के राज्यपाल

उदयपुर, (कासं)। सिक्किम के राज्यपाल ओमप्रकाश माथुर रविवार को उदयपुर प्रवास में अपने राजनीतिक जीवन के पुराने साथी पूर्व केन्द्रीय मंत्री कैलाश मेघवाल व भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष मदनलाल मूंदडा के निवास पर जाकर मिले।

राज्यपाल माथुर ने रविवार को उदयपुर में जनसंघ से भाजपा तक की यात्रा में साथी सहभागी साथी रहे कैलाश मेघवाल के निवास अम्बावगढ व मदनलाल मूंदड़ा से उनके निवास गणेशनगर पर मिलकर उनकी कुशलक्षेम जानी और पुराने संस्मरण साझा किये। राज्यपाल माथुर, मेघवाल व मूंदडा तीनों आपातकाल में जेल जाने वाले लोकतंत्र सैनानी भी है। माथुर ने मूंदडा के साथ संघ व जनसंघ के समय की स्मृति की चर्चा की। मेघवाल ने माथुर के साथ चर्चा में कहा कि जालोर में तत्कालीन केन्द्रीय गृहमंत्री बूटासिंह के विरुद्ध लोकसभा चुनाव में विजय के प्रमुख रणनीतिकार माथुर ही थे। इस विजय से उन्हें उपाधि मिली। मेघवाल ने पर संघ के वरिष्ठ प्रचारक स्व. लक्ष्मणसिंह शेखावत को याद करते हुए कहा की शेखावत व माथुर ने उन्हें आगे बढने में सदैव मदद की। इस अवसर पर वन मंत्री संजय शर्मा, सांसद् चुन्नीलाल गरासिया, विधायक ताराचंद जैन, फूलसिंह मीणा, पूर्व विधायक धर्मनारायण जोशी, राजस्थान के राज्यपाल के सलाहकार प्रो. के.सी. सोडानी, भाजपा शहर जिलाध्यक्ष गजपालसिंह राठौड़ आदि मौजूद रहे।

उदयपुर में मानसून से पहले साफ नहीं होंगे सभी नाले

- उदयपुर में 20 से 25 जून के बीच मानसून आने की संभावना, नालों की सफाई का लक्ष्य 30 जून तक

उदयपुर, (कासं)। उदयपुर में इस बार मानसून के आगमन से पहले शहर के सभी नालों की सफाई पूरी होने की संभावना नहीं है। मौसम विभाग के पूर्वानुमान के अनुसार राजस्थान में मानसून 20 जून तक प्रवेश कर सकता है और अनुकूल परिस्थितियों में मानसून एक.दो दिन पहले भी पहुंच सकता है। उदयपुर में 20 से 25 जून के बीच मानसून आने की संभावना जताई गई है। वहीं नगर निगम ने शहर के सभी छोटे.बड़े नालों की सफाई का लक्ष्य 30 जून तक निर्धारित किया है।

नगर निगम उदयपुर के आंकड़ों के अनुसार उदयपुर शहर में कुल 372 छोटे.बड़े नाले हैं। मानसून पूर्व तैयारियों के तहत अब तक 193 नालों की सफाई पूरी की जा चुकी है जबकि 179 नालों की सफाई अभी शेष है। ऐसे में शहर के लगभग आधे नालों की सफाई का कार्य अभी तक बाकी है। इससे बारिश के दौरान जल निकासी व्यवस्था प्रभावित होने और जलभराव की समस्या बनने की आशंका बनी हुई है।निगम आयुक्त अभिषेक खन्ना ने एक दिन पहले ही अधिकारियों के साथ शहर के विभिन्न क्षेत्रों का दौरा कर नाला सफाई कार्यों की प्रगति का निरीक्षण किया। तब नालों की सफाई को लेकर हीककत सामने आयी। उन्होंने अधिकारियों को कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान आयुक्त खन्ना ने स्वास्थ्य अधिकारी और स्वास्थ्य निरीक्षकों कोनिर्देश दिए कि पिछले वर्षों में मानसून के दौरान नालों की सफाई में जो कमियां सामने आई थीं, उन्हें इस बार दूर किया जाए। उन्होंने कहा कि नालों की सफाई में लापरवाही के कारण कई क्षेत्रों में जलभराव की स्थिति बनती है।

संडे ऑन साइकिल रैली व योग कार्यक्रम आयोजित

बांसवाड़ा, (निसं)। फिट इंडिया मिशन के तहत जिला पुलिस की ओर से स्वास्थ्य और फिटनेस के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से संडे ऑन साईकिल रैली एवं योग कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

इस अनूठी मुहिम में पुलिस अधिकारियों, जवानों, स्थानीय युवाओं, खिलाड़ियों और आमजन ने कदम से कदम मिलाकर भाग लिया। रविवार सुबह खेल मैदान कॉलेज ग्राउंड से शुरू हुई साइकिल रैली रिजर्व पुलिस लाइन तक पहुंची। रैली के दौरान पुलिस अधिकारियों और जवानों ने आमजन के साथ साइकिल चलाकर शहरवासियों को नियमित व्यायाम और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का मजबूत संदेश दिया। साइकिल रैली के समापन के बाद रिजर्व पुलिस लाइन में विशेष योग सत्र का आयोजन किया गया। इस दौरान प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक योगासन और प्राणायाम किए।

ट्रेनों के ठहराव की मांग

कपासन, (निसं)। कपासन रेलवे स्टेशन पर उदयपुर-खजुराहो व उदयपुर-बांद्रा एक्सप्रेस ट्रेनों के ठहराव की मांग की गई है। ये मांग कपासन ग्राम सेवा सहकारी समिति के पदाधिकारियों ने सांसद सीपी जोशी को ज्ञापन सौंपा।

समिति के अध्यक्ष नंदकिशोर टेलर, उपाध्यक्ष गोपाल पुरबिया और संचालक मंडल के सदस्य आशा देवी बारेगामा व शिवलाल माली सहित अन्य ने सांसद जोशी को ये पत्र सौंपा। इसमें विशेष रूप से उदयपुर से खजुराहो और उदयपुर से बांद्रा जाने वाली यात्री ट्रेनों को कपासन में रोकने का आग्रह किया गया।

नंदकिशोर टेलर ने सांसद से उदयपुर से योग नगरी ऋषिकेश के बीच चलने वाली यात्री ट्रेन को रोजाना संचालित करने का भी अनुरोध किया। सांसद को दिए गए ज्ञापन में बताया गया कि कपासन क्षेत्र के सैकड़ों व्यवसायी गुजरात और महाराष्ट्र में व्यापार करते हैं।

सार-समाचार

के.के. गुप्ता ने मुख्यमंत्री को लिखा पत्र

जयपुर/उदयपुर। स्वच्छ भारत मिशन (शहरी) राजस्थान के प्रदेश ब्रांड एंबेसडर के. के. गुप्ता ने मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा को पत्र भेजकर प्रदेशभर में व्यापक वृक्षारोपण अभियान चलाने तथा नगर निकायों द्वारा संचालित पार्कों, उद्यानों और बाग-बगीचों की स्थिति में सुधार के लिए प्रभावी दिशा-निर्देश जारी करने का आग्रह किया है। पत्र में लिखा है कि राज्य सरकार के 'स्वच्छ, सुंदर एवं हरित राजस्थान' के विजन को साकार करने के लिए आगामी वर्षा ऋतु में बड़े पैमाने पर वृक्षारोपण अभियान चलाया जाना चाहिए। इसके लिए प्रदेश के प्रत्येक नगर निकाय को अपने क्षेत्र के प्रमुख मार्गों के दोनों ओर लगभग 12 फीट ऊंचाई के कम से कम 5 हजार वृक्ष लगाने का लक्ष्य दिया जाए। इससे पर्यावरण संरक्षण, प्रदूषण नियंत्रण, शहरी सौंदर्यीकरण तथा नागरिकों को स्वच्छ और स्वस्थ वातावरण उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण योगदान मिलेगा। गुप्ता ने पत्र में लिखा कि वृक्षारोपण केवल पौधे लगाने तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि उनकी सुरक्षा और जीवित रहने की व्यवस्था भी सुनिश्चित की जानी चाहिए। इसके लिए प्रत्येक पौधे के साथ मजबूत ट्री गार्ड लगाए जाने तथा पौधों के रखरखाव की कम से कम दो वर्ष की वारंटी अवधि निर्धारित किए जाने का सुझाव दिया गया है। डूंगरपुर नगर परिषद द्वारा पूर्व में किए गए वृक्षारोपण कार्यों में पौधों की सुरक्षा, नियमित पानी देना और रखरखाव पर विशेष ध्यान दिया गया था, जिसके सकारात्मक परिणाम सामने आए।

बंदूक से हमला करने वाला गिरफ्तार

उदयपुर, (कासं)। बावलवाड़ा थाना पुलिस ने बंदूक से फायर कर प्राणघातक हमला करने वाले को गिरफ्तार कर वारदात मे प्रयुक्त बंदूक बरामद की। प्रकरण के अनुसार 6 जून को पीडित अनिल कुमार दरंगा पुत्र खुमजी दरंगा निवासी घाटा फला समलाई पानवा बावलवाड़ा ने रिपोर्ट दी कि 4 जून का मै व मेरा भाई राजेन्द कुमार विवाह समारोह में मोंडवा नोतरा हेते गये हुये थे। वहां पर नाथूलाल पुत्र लालूराम निवासी घाटा फला समलाई पानवा ने जान से मारने कीनियत से टोपीदार बंदूक से मेरे भाई राजेन्द्र के पेट में गोलीमार दी। इस मामले में प्रकरण दर्ज होने पर जिला पुलिस अधीक्षक डॉ.अमृता दुहन के निर्देश परअतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अंजना सुखवाल, पुलिस उप अधीक्षक राजीव राहर के सुपरविजन में बावलवाड़ा थानाधिकारी गणपतसिंह मय टीम ने हमलावर नाथूलाल पुत्र लालू निवासी घाटा फला समलाई पानवा को गिरफ्तार कर इसके कब्जे से वारदात में प्रयुक्त बंदूक जब्त की।

पुलिस कर्मियों ने निकाली रैली

उदयपुर, (कासं)। जिला पुलिस अधीक्षक डॉ.अमृता दुहन के निद्रेश पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक उमेश ओझा, अजंना सुखवाल, के नेतृत्व में रविवार को विश्व साईकिल दिवस पर 'संडेज ऑन साईकिल'अभियान का शुंभारंभ फिट इडिया मूवमेंट को बढावा देने व स्वस्थ शरीर, सुरक्षित समाज और स्वस्थ पर्यावरण का संदेश के उद्देश्य से किया गया। फतहसागर झील के काले किवाड़ से प्रात: 6.30 बजे यह साईकिल रैली प्रारंभ हुई जो 7.30 बजे संजय गार्डन पहुंच समाप्त हुई। साइकिल रैली में जिला पुलिस अधीक्षक अमृता दुहन के निर्देशन में पुलिस अधिकारियों, विभाग के पुलिसकर्मी, स्वयंसेवी संस्थाओं व आमजन की भागीदारी रही। इसी क्रम में ठाामीण क्षैत्रों में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अंजना सुखवाल के नेतृत्व में रैली का आयोजन किया गया। जिसमें पुलिस कर्मचारियों सहित पुलिस मित्र, ठााम रक्षक, सीएलजी सदस्य, यूथ सीएलजी, सेवानिवृत पुलिसकर्मी व समाज व आमजन ने भाग लिया।

जेडएफए ने जीता खिताब

जयपुर। हिंदुस्तान जिंक की ज़िंक फुटबॉल एकेडमी (जेडएफए) ने राजस्थान लीग सीनियर विमेंस 'ए' डिवीज़न 2025-26 का चैंपियन बनकर इतिहास रच दिया है। ज़ावर-स्थित एकेडमी की लड़कियों ने शानदार दबदबा दिखाते हुए अपने आखिरी लीग मैच में रियल जयपुर एफसी को 8-0 से हराया और अपना पहला राज्य-स्तरीय खिताब जीता। साथ ही, उन्होंने इंडियन विमेंस लीग 2 (आईडब्लूएल-2) में ऐतिहासिक प्रमोशन भी हासिल किया।जिंक फुटबॉल में गर्ल्स एकेडमी की शुरुआत का यह पहला ही साल है। इस शानदार जीत के साथ जेडएफए ने इस सीज़न में एक बड़ी ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की है; इससे पहले पुरुषों की टीम ने भी राजस्थान लीग सीनियर मेन्स 'ए'-डिवीज़न का खिताब जीता था। खास बात यह है कि लड़कों की एकेडमी की सफलता को दोहराते हुए, लड़कियों ने टूर्नामेंट की सबसे युवा टीम के साथ यह कारनामा कर दिखाया। एकेडमी की टीम की औसत उम्र सिर्फ़ 15 साल और 8 महीने थी।राजस्थान फुटबॉल एसोसिएशन द्वारा आयोजित इस कड़े मुकाबले वाले टूर्नामेंट में राज्य की पांच शीर्ष टीमों- रियल जयपुर एफसी, मगन सिंह राजवी एफए, जयपुर सिटी एफसी, रॉयल एफसी जयपुर और ज़िंक फुटबॉल एकेडमी ने हिस्सा लिया। जिंक फुटबॉल की लड़कियों ने पूरी लीग में जलवा दिखाया।

मीट की दुकान से अवैध शराब जब्त

उदयपुर, (कासं)। जिला पुलिस अधीक्षक डॉ. अमृता दुहन के निर्देश पर चलाए जा रहे तलाशी अभियान के दौरान सुखेर थानाधिकारी भरत योगी के नेतृत्व में एएसआई हरिशचन्द्र सनाढ्य मय टीम ने मुखबीर से मिली सूचना के आधार पर शनिवार को बेदला तलाई सूखदवी नगर स्थित जय अंबे जटका मीट की दुकान पर दबीश देकर विभिन्न ब्रांडों की अवैध शराब की बोतले, पव्वे, कैन जब्त कर हिरालाल खटीक पुत्र भंवरलाल खटीक को गिरफ्तार कर प्रकरण दर्ज किया।

कार्यालय ग्राम पंचायत बारापाल
पंचायत समिति गिर्वा, उदयपुर (राज.)

क्रमांक:- 94 दिनांक:- 01.06.2026

-: ई निविदा सूचना :-

ग्राम पंचायत बारापाल अन्तर्गत करवाये जाने वाले विभिन्न कार्यो हेतु ऑनलाईन ई-प्रोक्योरमेन्ट पोर्टल के माध्यम से दिनांक 17.06.2026 को प्रात: 11.00 बजे तक ऑनलाईन निविदाएं आमंत्रित की जाती है। विस्तृत विवरण/जानकारी sppp.rajasthan.gov.in व eproc.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती है। उक्त निविदाओं का विवरण निम्नानुसार है।

क्र.सं.	निविदा सूचना क्रमांक	NIB No.	UBN No.
1.	02/2026-27	ZUD2627A0783	ZUD2627GLRC01042
2.	03/2026-27	ZUD2627A0785	ZUD2627WSOB01044

प्रशासक, ग्राम पंचायत बारापाल, पंचायत समिति गिर्वा, उदयपुर
ग्राम विकास अधिकारी, ग्राम पंचायत बारापाल, पंचायत समिति गिर्वा, उदयपुर

भागवत कथा में गूंजे राम व कृष्ण जन्मोत्सव के जयकारे

श्रीमद्भागवत कथा के दौरान श्रीकृष्ण जन्मोत्सव की सजी झांकी।

उदयपुर, (कासं)। हिरण मगरी सेक्टर-4 स्थित दातापति हनुमान मंदिर में पुरुषोत्तम मास के अवसर पर आयोजित सात दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान यज्ञ के चौथे दिन श्रद्धा, भक्ति और उत्साह का अद्भुत संगम देखने को मिला। कथा के दौरान भगवान वामन अवतार, राजा बलि की भक्ति, भगवान श्रीराम के प्राकट्यय व भगवान श्रीकृष्ण जन्मोत्सव के प्रसंगों का भावपूर्ण वर्णन किया गया। कथा स्थल पर बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने उपस्थित होकर धर्मलाभ अर्जित किया।

कथाव्यास श्री बालयोगी जगदीश कृष्ण जी महाराज ने भगवान वामन अवतार की कथा सुनाते हुए बताया कि राजा बलि अपने पराक्रम, दानशीलता और वचनबद्धता के लिए विख्यात थे। देवताओं के हित एवं धर्म की स्थापना के लिए भगवान विष्णु ने वामन रूप धारण कर राजा बलि से तीन पग भूमि का दान मांगा। दान का संकल्प पूरा होते ही भगवान ने विराट स्वरूप धारण कर दो पगों में समस्त लोकों को नाप लिया तथा तीसरे पग के लिए राजा बलि ने अपना शीश अर्पित कर दिया। राजा बलि के समर्पण और भक्ति से प्रसन्न होकर भगवान ने उन्हें पाताल लोक का राज्य प्रदान किया। महाराज बताया कि राजा बलि ने भगवान से वरदान स्वरूप अपने द्वार पर सदैव उपस्थित रहने का आग्रह किया, जिसे स्वीकार कर भगवान उनके द्वारपाल बनकर पाताल लोक में रहने लगे। जब भगवान वैकुण्ठ नहीं लौटे तो माता लक्ष्मी राजा बलि के पास पहुंचीं। उन्होंने राजा बलि को अपना भाई बनाकर भगवान को अपने साथ ले जाने का वरदान मांगा। राजा बलि ने सहर्ष वरदान प्रदान किया और भगवान पुन: वैकुण्ठधाम लौटे।

सफलता का कोई शॉर्टकट नहीं होता : डॉ. कैलाश सोडानी

- युवा केवल रोजगार खोजने वाले नहीं,रोजगार सृजित करने वाले बनें : प्रो. प्रताप सिंह

राजस्थान कृषि महाविद्यालय में वार्षिकोत्सव ''हरितिमा-2026'' में विद्यार्थियों को प्रशस्ति-पत्र एव स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया गया।

उदयपुर, (कासं)। महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, उदयपुर के संघटक राजस्थान कृषि महाविद्यालय में वार्षिकोत्सव'' हरितिमा-2026''का भव्य आयोजन महाविद्यालय परिसर में उत्साह व उल्लास के साथ सम्पन्न हुआ।

कार्यक्रम का आयोजन विद्यार्थियों की शैक्षिणक, खेलकूद, सांस्कृतिक, एनसीसी,एनएसएस एवं सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों में उत्कृष्ट उपलब्धियों को सम्मानित करने के उद्देश्य से किया गया।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. कैलाश सोडानी, सलाहकार (उच्च शिक्षा), राज्यपाल, राजस्थान एवं पूर्व कुलगुरु, एम.डी.एस. विश्वविद्यालय, अजमेर थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. प्रताप सिंहने की तथा महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. मनोज कुमार महला, सहायक अधिष्ठाता (छात्र कल्याण) डॉ. एस.एस. लखावतउपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारम्भ दीप प्रज्ज्वलन,राष्ट्रगान एवं विश्वविद्यालय कुलगीत के सामूहिक गायन के साथ हुआ। डॉ. मनोज कुमार महला ने महाविद्यालय केविद्यार्थियों द्वारा शैक्षिणक, खेलकूद एवं अन्य गतिविधियोंकी उपलब्धियों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि 'हरितिमा' विद्यार्थियों की प्रतिभा,उपलब्धियों एवं उनके सर्वांगीण व्यक्तित्व विकास का उत्सव है। उन्होंने बताया कि महाविद्यालय विद्यार्थियों को शिक्षा के साथ-साथ खेल,सांस्कृतिक एवं सामाजिक गतिविधियों में भी उत्कृष्ट अवसर प्रदान कर रहा है।

डॉ. कैलाश सोडानी ने महाविद्यालय के गौरवशाली इतिहास की सराहना करते हुए विद्यार्थियों को अनुशासन, परिश्रम, नैतिक मूल्यों एवं अध्ययनशीलता को जीवन का आधार बनाने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि21वीं सदी ज्ञान आधारित सदी है, जिसमें सफलता का कोई शॉर्टकट नहीं है। विद्यार्थियों को पुस्तकालयों एवं प्रयोगशालाओं में अधिक समय व्यतीत कर अध्ययन की आदत विकसित करनी चाहिए। उन्होंने कृषि स्नातकों को रोजगार खोजने के बजाय कृषि उद्यिमता,स्टार्टअप एवं एग्री-बिजनेस के माध्यम से रोजगार सृजनकर्ता बनने के लिए प्रेरित किया। कुलगुरु प्रो. प्रताप सिंह ने कहा कि कृषि क्षेत्र में अपार संभावनाएँ हैं तथा विद्यार्थियों को केवल सरकारी नौकरी तक सीमित न रहकर कौशल आधारित उद्यिमता एवं नवाचार की दिशा में आगे बढ़ना चाहिए।

कार्यालय ग्राम पंचायत देवास प.स.
झाड़ोल (फ.) उदयपुर (राज.)

ग्रापदे/नरेगा/2026-27/17 दिनांक-06.06.2026

-: ई-निविदा सूचना 2025-2026 :-

ग्राम पंचायत देवास में नरेगा व अन्य योजना मद से करवाये जा रहे निर्माण कार्य के उपापन की खुली ई-निविदा दिनांक 15.6.2026 को सायं 06.00 बजे तक आमंत्रित की जाती है। विस्तृत विवरण/जानकारी sppp.rajasthn.gov.in पर देखी जा सकती है।

क्रमांक	कार्य का नाम	UBN No.
1.	मा.गां. नरेगा व अन्य योजना के निर्माण कार्य हेतु सामग्री निविदा	ZUD2627GLOB 01003

प्रशासक, ग्राम पंचायत देवास, प.स.झाड़ोल(फ.)जिला-उदयपुर
ग्राम विकास अधिकारी, ग्राम पंचायत विसमा, प.स.झाड़ोल(फ.)जिला-उदयपुर

पर्यावरणीय मानकों की पालना को लेकर हुई कार्रवाई से 1498 फैक्ट्रियों का संचालन प्रभावित

पाली की 600, बालोतरा की 574, बिठूजा की 214, जसोल की 110 तथा जोधपुर क्षेत्र की 300 फैक्ट्रियां प्रभावित हुई

- बालोतरा-पाली व जोधपुर के औद्योगिक क्षेत्रों में गहराया संकट, एक लाख से अधिक मजदूरों के रोजगार पर खतरा मंडराया
- सुप्रीम कोर्ट द्वारा प्रदूषण फैलाने वाले उद्योगों के खिलाफ कड़ा रुख अपनाने के बाद प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने अवैध रूप से रासायनिक पानी छोड़ने वाली इकाइयों पर सख्त कार्रवाई शुरू की
- प्रशासन और प्रदूषण नियंत्रण विभाग का कहना है कि पर्यावरण सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है और किसी भी कीमत पर प्रदूषण फैलाने की अनुमति नहीं दी जाएगी

बालोतरा, (निसं)। सुप्रीम कोर्ट की सख्ती और प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की कार्रवाई के बाद पश्चिमी राजस्थान के प्रमुख टेक्सटाइल हब बालोतरा, पाली, बिठूजा, जसोल और जोधपुर के औद्योगिक क्षेत्रों में बड़ा संकट खड़ा हो गया है। पर्यावरणीय मानकों की पालना को लेकर हुई कार्रवाई के चलते तीन जिलों में 1498 फैक्ट्रियों का संचालन प्रभावित हुआ है, जिससे उद्योग जगत के साथ-साथ लाखों लोगों की आजीविका पर भी संकट के बादल मंडराने लगे हैं।

जानकारी के अनुसार पाली की 600, बालोतरा की 574, बिठूजा की 214, जसोल की 110 तथा जोधपुर क्षेत्र की करीब 300 फैक्ट्रियां प्रभावित हुई हैं। सुप्रीम कोर्ट द्वारा प्रदूषण फैलाने वाले उद्योगों के खिलाफ कड़ा रुख अपनाने के बाद प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने अवैध रूप से रासायनिक पानी छोड़ने वाली इकाइयों पर सख्त कार्रवाई शुरू कर दी है। बताया जा रहा है कि उद्योग संचालकों में कार्रवाई का भय बढ़ने से कई इकाइयों ने उत्पादन बंद कर दिया है, जबकि कई अन्य इकाइयां सीमित क्षमता के साथ काम कर रही हैं। प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने स्पष्ट कर दिया है कि भविष्य में यदि किसी भी नाले, नदी या खुले क्षेत्र में रासायनिक पानी छोड़ा गया तो संबंधित इकाई के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाएगी। औद्योगिक क्षेत्र में आई इस मंदी का सीधा असर स्थानीय अर्थव्यवस्था पर दिखाई देने लगा है। उद्योग संगठनों के अनुसार फैक्ट्रियों के बंद होने से प्रतिदिन 35 से 40 करोड़ रुपये का कारोबार प्रभावित हो रहा है। वहीं प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से जुड़े एक लाख से अधिक मजदूरों, कर्मचारियों, ट्रांसपोर्टरों, व्यापारियों और श्रमिक परिवारों के सामने रोजगार और आजीविका का संकट खड़ा हो गया है।

विशेषज्ञों का मानना है कि यदि स्थिति लंबे समय तक बनी रहती है तो बड़ी संख्या में मजदूरों का पलायन शुरू हो सकता है। इसके साथ ही कच्चे माल के व्यापारी, ट्रांसपोर्ट व्यवसाय, होटल, किराना, चाय-नाश्ता और अन्य छोटे कारोबार भी प्रभावित होंगे। स्थानीय बाजारों में नकदी का प्रवाह कम होने से व्यापारिक गतिविधियों पर भी व्यापक असर पड़ सकता है। उद्योगपतियों का कहना है कि वे पर्यावरण संरक्षण और प्रदूषण नियंत्रण के नियमों की पालना के पक्षधर हैं, लेकिन उद्योगों के लंबे समय तक बंद रहने से हजारों परिवारों के सामने आर्थिक संकट खड़ा हो जाएगा।

दूसरी ओर प्रशासन और प्रदूषण नियंत्रण विभाग का कहना है कि पर्यावरण सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है और किसी भी कीमत पर प्रदूषण फैलाने की अनुमति नहीं दी जाएगी। ऐसे में बालोतरा, पाली और आसपास के औद्योगिक क्षेत्रों में अब सबसे बड़ी चुनौती पर्यावरण संरक्षण और लाखों लोगों के रोजगार के बीच संतुलन स्थापित करने की बन गई है।

अज्ञात वाहन ने कार को टक्कर मारी, पांच जने घायल

निवाई, (निसं)। राष्ट्रीय राजमार्ग पर स्थित चैनपुरा मोड़ के समीप पेट्रोल पंप के सामने टोंक से जयपुर की ओर जा रही कार के एक अज्ञात वाहन ने पीछे से मारी टक्कर दी, जिससे वैन में सवार तीन महिलाओं सहित पांच जने गंभीर रूप से घायल हो गए।

सूचना पर थानाधिकारी घासीराम मीणा मय जाप्ते के साथ घटना स्थल पर पहुंचे और हाईवे एंबुलेंस की मदद से घायलों को उप जिला अस्पताल निवाई में भर्ती करवाया। जहां चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार करके सभी घायलों को जयपुर रैफर कर दिया। थानाधिकारी घासीराम मीणा ने बताया कि रतनी देवी धोबी, शीला, सोना, सुरेश धोबी व मणी वर्मा निवासी जवाहर नगर जयपुर अपने पैतृक गांव पेंच की बावड़ी डिडवाडी जिला टोंक से जयपुर जा रहे थे, रास्ते में हादसा हो गया।

नदी में दो बहनें डूबीं, एक की मौत

डूंगरपुर, (निसं)। जिले के कोतवाली थाना क्षेत्र के मांडवा नवाघरा गांव में बकरियों को पानी पिलाने गई दो बहनें नदी में डूब गईं। इस घटना में 10 वर्षीय बड़ी बहन ज्योति की मौत हो गई, जबकि 9 वर्षीय छोटी बहन दीपिका गंभीर रूप से घायल है और उसका अस्पताल में इलाज चल रहा है।

कोतवाली थाने के एएसआई हरिसिंह के अनुसार मांडवा नवाघरा निवासी जीवा रोत ने इस संबंध में रिपोर्ट दर्ज कराई है। रिपोर्ट में बताया गया कि उनकी बेटियां ज्योति और दीपिका बकरियों को लेकर गांव के पास नदी पर गई थीं। नदी के किनारे बकरियों को पानी पिलाते समय दोनों बच्चियों का पैर फिसल गया और वे गहरे पानी में चली गई।

'राजस्थान के एक पुराने जिन्न को बोतल से बाहर निकालने की कोशिश कर रहे हैं गहलोत'

'जब-जब कांग्रेस आलाकमान सचिन पायलट को कोई नया दायित्व देने का विचार करता है, उसी समय उनका रास्ता रोकने के लिए गहलोत साहब इस बोतल से जिन्न को बाहर ले आते हैं'

- शेखावत ने कहा कि भारत का युवा कभी कठपुतली न था, न है और न कभी बनेगा

जोधपुर, (कासं)। केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने पश्चिम बंगाल चुनाव परिणामों और राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के हॉर्स ट्रेडिंग वाले बयानों पर कहा कि बंगाल में जनता ने भाजपा को दो-तिहाई से ज्यादा प्रचंड बहुमत के साथ सरकार बनाने का आशीर्वाद दिया है, ऐसे में वहां भारतीय जनता पार्टी को हॉर्स ट्रेडिंग करने की भला क्या जरूरत पड़ेगी? रविवार को शेखावत सर्किट हाउस में मीडिया से रू-ब-रू हुए।

केंद्रीय मंत्री शेखावत ने अशोक गहलोत पर निशाना साधते हुए कहा कि वे बंगाल का बहाना बनाकर राजस्थान के एक पुराने जिन्न को बोतल से बाहर निकालने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने पिछले 10 साल के इतिहास का जिक्र करते हुए कहा कि जब-जब कांग्रेस आलाकमान सचिन पायलट को कोई नया दायित्व या पद देने का विचार करता है, ठीक उसी समय उनका रास्ता रोकने के लिए गहलोत साहब इस बोतल से जिन्न को बाहर ले आते हैं।

पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के उस दावे पर, जिसमें उन्होंने कहा था कि विधायकों को 10-10 करोड़ रुपए दिए गए और वो वापस भी नहीं हुए, शेखावत ने कानूनी तर्क देते हुए घेरा। उन्होंने पूछा कि अगर विधायकों ने पैसे लिए थे तो क्या वह भ्रष्टाचार की श्रेणी में नहीं आता? मुख्यमंत्री रहते हुए अगर गहलोत साहब को इसकी जानकारी थी तो उन्होंने कार्रवाई क्यों नहीं की? भारत की न्याय संहिता और एंटी करप्शन एक्ट स्पष्ट कहता है कि अगर किसी जिम्मेदार व्यक्ति को भ्रष्टाचार की जानकारी मिले और वह कार्रवाई न करे तो वह भी कानूनन बराबरी का दोषी है। गहलोत साहब को अब जनता के सामने अपना स्टैंड साफ करना चाहिए कि उन्होंने कार्रवाई क्यों नहीं की।

जोधपुर में स्वतंत्रता सेनानी फतेहराज कल्ला की प्रतिमा खंडित होने की घटना पर उन्होंने संवेदनशीलता बरतने की अपील की। शेखावत ने कहा कि जब कोई ढांचा या बिल्डिंग जर्जर होकर किसी दुर्घटना का शिकार हो जाती है तो उस पर राजनीति करना या ओछी राजनीतिक टिप्पणी करना बिल्कुल अनुकूल नहीं है। श्रद्धेय कल्ला पूरे शहर के लिए पूजनीय थे। हमारा पूरा ध्यान और प्रयास इस बात पर होना चाहिए कि उनकी भव्य मूर्ति वहां शीघ्र अति शीघ्र वापस सम्मानपूर्वक स्थापित हो और भविष्य में ऐसी परिस्थिति दोबारा न बने।

युवाओं से संबंधित सवाल पर शेखावत ने कहा कि भारत युवाओं का देश है। विपक्ष और अन्य राजनीतिक दलों को कड़ा संदेश दिया। उन्होंने कहा कि भारत का युवा कभी कठपुतली न था, न है और न कभी बनेगा।

घरेलू गैस सिलेंडर के दामों में बढ़ोतरी पर स्थिति स्पष्ट करते हुए केंद्रीय मंत्री ने कहा कि यह किसी सरकार की इच्छा से नहीं, बल्कि एक बहुत बड़ी वैश्विक चुनौती और अंतरराष्ट्रीय संकट के कारण हुआ है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी के अंडमान निकोबार दौरे और वहां संस्कृति व पर्यावरण को नुकसान पहुंचाने वाले बयान पर केंद्रीय मंत्री ने कहा कि राहुल गांधी को पहले संस्कृति का स सीखना चाहिए, उसके बाद ही उन्हें ऐसी राष्ट्रीय और सांस्कृतिक चीजों पर कोई टिप्पणी करनी चाहिए। वहीं शेखावत ने सर्किट हाउस में जनसुनवाई भी की।

मामूली विवाद में दो पक्ष भिड़े

भरतपुर, (निस)। उद्योग नगर थाना क्षेत्र के गांव महंगाया में दो पक्षों में खूनी संघर्ष होने से दोनों पक्षों के करीब एक दर्जन लोग घायल हो गये। घायलों को जिला आरबीएम अस्पताल में भर्ती कराया गया। मामूली कहासुनी के बाद दोनों पक्षों में जमकर लाठी भाटा जंग हुई। फिलहाल घायलों का जिला आरबीएम अस्पताल में उपचार जारी है।

जानकारी के अनुसार भरतपुर के उद्योग नगर थाना क्षेत्र के गांव महंगाया में दो युवकों के बीच मामूली कहासुनी के बाद दो पक्ष आमने सामने हो गए। जिसके बाद पथराव और लाठी-भाटा जंग में करीब एक दर्जन लोग घायल हो गए, जिन्हें इलाज के लिए जिला आरबीएम अस्पताल में भर्ती कराया गया है। महंगाया गांव में दो युवकों में किसी बात को लेकर कहासुनी हो गई। जिसके बाद उन युवकों में हाथापाई हुई और देखते ही देखते वीरेंद्र और प्रेम सिंह के परिवारों ने एक दूसरे पर जमकर लाठियां भांजी और पथराव भी किया। इस खूनी संघर्ष में दोनों पक्षों की ओर से करीब एक दर्जन लोग घायल हो गए। जिस पर उन्हें इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां एक पक्ष के करन, प्रतिज्ञा, राहुल और वीरेंद्र वही दूसरे पक्ष के पिंटू, महेश, राज, बिट्टू, शकुंतला को सर्जिकल और ऑर्थो वार्ड में भर्ती कराया गया।

अलवर के सरिस्का में टूरिस्ट को कीड़ों से भरे कॉर्न का नाश्ता दिया

- आधा नाश्ता करने पर टूरिस्ट को पता चला कि वह कीड़ों को खा रहा है
- टूरिस्ट ने फूड इंस्पेक्टर और ऑनलाइन पोर्टल 181 पर शिकायत दी

अलवर, (निसं)। अलवर के सरिस्का में एक टूरिस्ट को कीड़ों से भरे कॉर्न का नाश्ता करा दिया, आधा नाश्ता करने पर पता चला कि वह कीड़ों को खा रहा है।

जानकारी के अनुसार अलवर घूमने आए टूरिस्ट को 'द बीहड़ सरिस्का रिसोर्ट में रविवार सुबह कीड़ों वाला नाश्ता दे दिया गया। टूरिस्ट ने मोबाइल पर बात करते हुए आधा नाश्ता कर लिया। कुछ देर बाद उसके होंठ पर हलचल हुई। उसने कटोरी में देखा तो दूध के ऊपर 5 से ज्यादा कीड़े नजर आए। कीड़े कॉर्न के रंग के थे। इस कारण टूरिस्ट को पता नहीं चला। टूरिस्ट ने फूड इंस्पेक्टर और ऑनलाइन पोर्टल 181 पर फोन कर शिकायत दी। इसके साथ ही कॉर्न फ्लेक्स में नजर आ रहे कीड़ों का वीडियो भी भेजा। इस घटना के बाद होटल की खाद्य गुणवत्ता और साफ-सफाई पर सवाल उठने लगे हैं।

सरिस्का घूमने आए टूरिस्ट सागर यादव, सोनू चौधरी, भगवान यादव, ईश शर्मा और नीरज यादव 'द बीहड़ सरिस्का' रिसोर्ट में रुके थे। रविवार सुबह करीब 8:30 बजे टूरिस्ट सागर यादव को कीड़ों वाला नाश्ता दे दिया गया था। टूरिस्ट सागर यादव ने बताया कि नाश्ते में कीड़े नजर आने पर होटल स्टाफ को इसके बारे में बताया तो उन्होंने कहा कि छोटी बात है। इसे बड़ा इश्यू मत बनाओ। इसके बाद उन्होंने तुरंत नाश्ता हटा दिया। होटल मालिक वीरेंद्र राठौड़ ने गलती मानते हुए काम करने वाले शेफ को हटाने की बात कही।

होटल मालिक ने कहा कि कॉर्न फ्लेक्स पैकिंग का आइटम था, जिसमें कीड़े आ गए। हमारे खाने में कोई शिकायत नहीं मिली। कॉर्न फ्लेक्स बनाने वाली कंपनी की गलती है। होटल के स्टाफ की थोड़ी लापरवाही कही जा सकती है।

टूरिस्ट सागर यादव ने बताया कि मैंने इसके बारे में फूड इंस्पेक्टर केशव गोयल को शिकायत की है। इसके अलावा ऑनलाइन पॉर्टल 181 पर शिकायत की है, ताकि आगे इस तरह की लापरवाही नहीं बरती जाए। इस होटल में जिस तरह की व्यवस्था का दावा किया गया, वैसी नहीं मिली।

राज्य बीज निदेशक का भांजा 85 लाख रुपए के साथ गिरफ्तार

नकली बीज प्रकरण में भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो ने कार्रवाई की

- नकली बीजों की कार्रवाई को दबाने के आरोप में राज्य बीज निगम के निदेशक सहित छह लोग रडार पर
- एसीबी ने निदेशक के निवास और बस की तलाशी के दौरान अब तक कुल 2 करोड़ 44 लाख रुपए की नकद राशि बरामद की

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। नकली बीज प्रकरण में भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने रविवार को बड़ी कार्रवाई करते हुए राजस्थान राज्य बीज निगम के निदेशक जुगल किशोर विश्नोई सहित छह लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू की है। इस मामले में एसीबी ने निदेशक के निवास और बस की तलाशी के दौरान अब तक कुल 2 करोड़ 44 लाख रुपए की नकद राशि बरामद की है। जुगल किशोर विश्नोई के भांजे स्वतंत्र विश्नोई को 85 लाख रुपए के साथ गिरफ्तार किया गया है।

एसीबी डीजी गोविंद गुप्ता के अनुसार राज्य सरकार द्वारा किसानों को गुणवत्तापूर्ण एवं प्रमाणित बीज उपलब्ध कराने के उद्देश्य से नकली एवं खराब बीजों के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में हाल ही में गजराज ब्रांड के मूंगफली बीजों से जुड़े प्रकरण में कार्रवाई की गई थी। कंपनी के गोदाम को सील कर बीजों की बिक्री पर रोक लगाई गई थी तथा नमूनों को जांच के लिए प्रयोगशाला भेजा गया था।

प्रारंभिक जांच में सामने आया कि इस कार्रवाई को प्रभावित करने, प्रकरण को दबाने तथा गोदाम में रखे बीजों को वापस गुजरात ले जाने की अनुमति दिलाने के बदले कथित रूप से बड़ी रिश्वत राशि का लेन-देन हुआ। एसीबी के अनुसार इस संबंध में करीब 1 करोड़ 20 लाख रुपए जुगल किशोर विश्नोई और करीब 60 लाख रुपए गणपत नामक व्यक्ति को दिए जाने की जानकारी सामने आई है। सूचना मिलने पर एसीबी ने कार्रवाई करते हुए लूणकरणसर क्षेत्र में एक बस को रुकवाकर तलाशी ली। बस में जुगल किशोर विश्नोई के भांजे स्वतंत्र विश्नोई के कब्जे से करीब 85 लाख रुपए बरामद किए गए। इसके बाद उसे गिरफ्तार कर लिया गया।

एसीबी ने इस मामले में राजस्थान राज्य बीज निगम के निदेशक जुगल किशोर विश्नोई, गजराज ब्रांड से जुड़े किरण कापड़िया, गणपत विश्नोई, सुनील सेतिया और सतपाल को डिटेन कर पूछताछ शुरू की है। जांच एजेंसी के अनुसार इन लोगों पर कार्रवाई को प्रभावित करने, बीजों की बिक्री दोबारा शुरू करवाने, प्रयोगशाला में नमूने पास करवाने तथा अन्य अनुचित लाभ लेने के प्रयासों के आरोप हैं। उल्लेखनीय है कि 27 मई 2026 को किरण कापड़िया के मूंगफली बीज गोदाम पर छापा मारकर नमूने लिए गए थे और गजराज ब्रांड के बीजों के विक्रय पर रोक लगाई गई थी। इसके बाद से ही मामले की जांच चल रही थी।

नारनौल में हुये हादसे में झुंझुनूं की दो महिलाओं की मौत, दो घायल

इनोवा गाड़ी ने सड़क किनारे खड़े लोगों को टक्कर मार दी थी

खेतड़ी, (निसं)। नारनौल क्षेत्र के अकबरपुर फ्लाईओवर के पास शनिवार को हुए सड़क हादसे में झुंझुनूं जिले के एक परिवार की दो महिलाओं की मौत हो गई, जबकि तीन अन्य लोग घायल हो गए। पुलिस ने पीड़ित पक्ष की शिकायत पर अज्ञात इनोवा चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस को दी शिकायत में गांव शिमला तहसील खेतड़ी निवासी नरेश कुमार ने बताया कि वह अपनी मां कमला, चाचा दुलीचंद, चाची भतेरी और चचेरे भाई नवनीत के साथ महेंद्रगढ़ जिले के नांगल कालिया गांव में रिश्तेदार ममता का हालचाल जानने जा रहे थे। नरेश अपनी बाइक पर मां कमला और नवनीत को लेकर चल रहा था, जबकि दुलीचंद अपनी मोटरसाइकिल पर पत्नी भतेरी के साथ सवार था। जब वे अकबरपुर फ्लाईओवर के पास टोल टैक्स के नजदीक पहुंचे तो दुलीचंद की मोटरसाइकिल पंचर हो गई। इसके बाद दोनों बाइक को सड़क किनारे खड़ा कर सभी लोग नीचे उतर गए। इसी दौरान नारनौल की ओर से तेज रफ्तार और लापरवाही से आ रही एक इनोवा कार के ड्राइवर ने पहले बाइक को टक्कर मारी और फिर सड़क किनारे खड़े पांचों लोगों को अपनी चपेट में ले लिया। हादसे में कमला, भतेरी, दुलीचंद और नवनीत गंभीर रूप से घायल हो गए, जबकि नरेश को मामूली चोटें आईं। प्रत्यक्षदर्शियों की मदद से घायलों को एंबुलेंस द्वारा नांगल चौधरी और बाद में नारनौल के सरकारी अस्पताल पहुंचाया गया। गंभीर हालत के कारण कुछ घायलों को जयपुर रेफर किया गया। नारनौल के सरकारी अस्पताल में चिकित्सकों ने कमला देवी को मृत घोषित कर दिया। वहीं जयपुर में उपचार के दौरान भतेरी ने भी दम तोड़ दिया। अन्य घायलों का उपचार जारी है। शिकायतकर्ता के अनुसार दुर्घटना करने वाली इनोवा गाड़ी थी। हादसे के बाद चालक कुछ देर रुका, लेकिन मौके पर भीड़ जुटने पर वाहन लेकर नांगल चौधरी की ओर फरार हो गया। पुलिस ने अस्पताल से मेडिकल रिपोर्ट और अन्य दस्तावेज प्राप्त कर लिए हैं। मामले में संबंधित वाहन चालक के खिलाफ लापरवाही से वाहन चलाने, दुर्घटना करने और मौत का कारण बनने सहित विभिन्न धाराओं के तहत केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

डूंगरपुर में बाइक पुलिया से टकराई, युवक की मौत

लापरवाही और तेज गति से बाइक चला रहा था युवक

- बिछीवाड़ा के गांव शेरावाड़ा के पास हादसा हुआ

डूंगरपुर, (निसं)। जिले के बिछीवाड़ा थाना क्षेत्र में नेशनल हाईवे-48 पर एक सड़क हादसे में एक युवक की मौत हो गई। शेरावाड़ा गांव के पास एक तेज रफ्तार बाइक बेकाबू होकर पुलिया से टकरा गई थी। घायल युवक ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया।

पुलिस के अनुसार, भगौरा फला जेलाणा निवासी सोमा भगोरा ने इस संबंध में रिपोर्ट दर्ज कराई है। उन्होंने बताया कि उनका बेटा विनेश (25) और भतीजा सोहन भगौरा अपनी बाइक पर खेरवाड़ा जा रहे थे। बाइक सोहन चला रहा था, जबकि विनेश पीछे बैठा था। एएसआई कैलाश चंद्र कलासुआ ने बताया कि सोहन लापरवाही और तेज गति से बाइक चला रहा था। नेशनल हाईवे 48 पर अहमदाबाद से उदयपुर जाने वाले मार्ग पर शेरावाड़ा गांव के पास मोड़ पर बाइक बेकाबू होकर पुलिया से टकरा गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि पीछे बैठा विनेश उछलकर नीचे गिर गया, जिससे उसे सिर और शरीर पर गंभीर चोटें आईं। हादसे के तुरंत बाद मौके पर पहुंचे हाईवे मोबाइल वाहन की मदद से घायल विनेश को शिशोद के सरकारी अस्पताल ले जाया गया। वहां प्राथमिक इलाज के बाद उसकी गंभीर हालत को देखते हुए डॉक्टरों ने उसे जिला अस्पताल डूंगरपुर रेफर कर दिया। जिला अस्पताल में इलाज के दौरान विनेश की मौत हो गई। बिछीवाड़ा पुलिस ने जिला अस्पताल की मोर्चरी में पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

बीकानेर के पीबीएम अस्पताल में 10 करोड़ की दवा खरीद में घोटाले का खुलासा

मामले को भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने विस्तृत जांच के योग्य माना है

बीकानेर, (निसं)। संभाग के सबसे बड़े पीबीएम अस्पताल में मरीजों के लिए की गई 10 करोड़ रुपये की दवा खरीद में बड़े घोटाले का खुलासा हुआ है। चहेती और पहले से ब्लैकलिस्टेड (डिबार) कंपनियों को पिछले दरवाजे से एंट्री देने के लिए टेंडर की शर्तों में गुपचुप तरीके से बदलाव किया गया। मामले को भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने विस्तृत जांच के योग्य माना है।

इस प्रकरण में विस्तृत और गहन जांच करने के लिए एसीबी की आईजी एस. परिमला ने कार्मिक विभाग के शासन सचिव को पत्र लिखकर भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धारा 17ए के तहत जांच शुरू करने का पूर्वानुमोदन मांगा है। पत्र में स्पष्ट चेतावनी दी गई है कि यदि अनुमति नहीं मिली, तो इस गंभीर मामले को मुख्य सतर्कता आयुक्त को रेफर कर दिया जाएगा। जयपुर मुख्यालय के एएसपी ओम प्रकाश को इस पूरे प्रकरण का जांच अधिकारी नियुक्त किया गया है।

डॉ. सुरेंद्र कुमार वर्मा तत्कालीन अधीक्षक एवं वर्तमान प्रिंसिपल, एसपी मेडिकल कॉलेज, डॉ. बीसी घीया वर्तमान अधीक्षक, पीबीएम अस्पताल, क्रय समिति सदस्य डॉ. शिवशंकर झंवर, डॉ. विनोद मेघवाल और डॉ. संजय लोढ़ा, विशेष सदस्य डॉ. रित्विक अग्रवाल, अभिषेक गोयल तत्कालीन वरिष्ठ लेखाधिकारी इन सभी पर पद का दुरुपयोग कर अपनी चहेती फर्मों को उपकृत करने और भारी कमीशन के खेल के चक्कर में नई बिड से अनिवार्य शर्तें हटाकर 9 डिबार कंपनियों को फायदा पहुंचाने का आरोप है। चिकित्सा शिक्षा विभाग की कार्यप्रणाली पर भी बड़े सवाल खड़े हो रहे हैं। शासन उप सचिव शिव शंकर अग्रवाल ने इस पूरे घोटाले की फैक्चुअल रिपोर्ट मेडिकल कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. सुरेंद्र कुमार वर्मा से ही मांग ली है, जबकि डॉ. वर्मा खुद इस मामले में जांच के घेरे में हैं। इससे पहले जनवरी में संभागीय आयुक्त ने भी इस मामले की रिपोर्ट मांगी थी, लेकिन तब भी टेंडर जारी करने वाली उसी उपापन कमेटी से ही जांच कराकर गोलमोल रिपोर्ट भेज दी गई और मामले को दबाने का प्रयास किया गया। कैंसर और जनरल मेडिसिन की दवाओं की खरीद के लिए 5-5 करोड़ रुपये के दो अलग-अलग (कुल 10 करोड़ रुपये) रेट कॉन्ट्रैक्ट जारी किए गए थे। पीबीएम के पुराने नियमों के अनुसार हर बिडर को अपने लेटरहेड पर यह अनिवार्य शपथ पत्र देना होता था कि उसकी दवा निर्माता कंपनी पिछले 3 साल में किसी भी सरकारी संस्थान द्वारा ब्लैकलिस्ट या डिबार नहीं की गई है। इस बार टेंडर डॉक्यूमेंट्स के तकनीकी तुलनात्मक विवरण (पॉइंट नंबर 10) से इस ब्लैकलिस्टेड शपथ पत्र की अनिवार्य शर्त को बेहद शातिर तरीके से हटा दिया गया। नतीजा यह हुआ कि 9 डिबार कंपनियों को आसानी से टेंडर में शामिल कर लिया गया।

घर से लापता युवक का शव मिट्टी में दबा मिला, परिजन ने हत्या की आशंका जताई

- चंदवाजी के कंवरपुरा का मामला, एफएसएल टीम ने साक्ष्य जुटाए

मानपुरा माचैड़ी, (निसं)। चंदवाजी थाना क्षेत्र के कंवरपुरा गांव में रविवार सुबह हरचंदपुरा नदी क्षेत्र में एक युवक का शव करीब दो फीट मिट्टी के नीचे दबा हुआ मिला। शव मिलने की खबर आग की तरह पूरे क्षेत्र में फैल गई और देखते ही देखते मौके पर ग्रामीणों की भारी भीड़ जमा हो गई। घटना के बाद पूरे इलाके में दहशत और चर्चाओं का दौर शुरू हो गया। वहीं पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को मिट्टी से बाहर निकाला। जयपुर से पहुंची एफएसएल टीम ने मौके से साक्ष्य जुटाए।

चंदवाजी के पास कंवरपुरा गांव में नदी के पास मिट्टी में युवक का शव दबा हुआ मिला

जानकारी के अनुसार रविवार सुबह कुछ ग्रामीणों को नदी के पास मिट्टी में दबा शव दिखाई दिया और पास ही खून भी बिखरा हुआ था। हत्यारों ने युवक की हत्या करने के बाद जल्दीबाजी में शव के ऊपर ठीक से मिट्टी डालना भूल गए। सूचना पर चंदवाजी थाना पुलिस मौके पर पहुंची। मृतक की पहचान हरचंदपुरा (कंवरपुरा) निवासी राकेश जाट (28) पुत्र सुगलराम जाट के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि राकेश शनिवार शाम से अचानक लापता था। परिजनों ने पहले अपने स्तर पर उसकी तलाश शुरू की, लेकिन जब काफी देर तक उसका कोई सुराग नहीं मिला तो चिंता बढ़ गई। इसी बीच रविवार को गांव के समीप नदी क्षेत्र में मिट्टी में दबा शव मिलने की सूचना ने पूरे परिवार को झकझोर कर रख दिया। सूचना मिलते ही चंदवाजी थाना प्रभारी हीरालाल सैनी पुलिस जाप्ते के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने घटनास्थल को घेराबंदी कर आसपास के क्षेत्र की जांच शुरू की। मौके से साक्ष्य जुटाए गए और शव को बाहर निकालने की कार्रवाई की गई। प्रारंभिक जांच में मामला संदिग्ध नजर आने के कारण पुलिस हर एंगल से जांच कर रही है।

परिजनों ने युवक की हत्या कर शव को मिट्टी में दबाने की आशंका जताई है। उनका कहना है कि युवक के अचानक लापता होने और फिर इस तरह मिट्टी में दबा शव मिलने से मामला सामान्य नहीं लग रहा। परिवार ने मामले की निष्पक्ष और गहन जांच की मांग करते हुए दोषियों को जल्द पकड़ने की मांग उठाई है। घटना के बाद गांव में शोक और आक्रोश दोनों का माहौल देखने को मिला। बड़ी संख्या में ग्रामीण घटनास्थल और अस्पताल परिसर में जमा रहे। फिलहाल पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के कारणों को लेकर स्थिति और स्पष्ट हो पाएगी। वहीं पुलिस आसपास के लोगों से पूछताछ, युवक की गतिविधियों और उसके संपर्कों की जानकारी जुटाने में लगी हुई है। पुलिस ने अपराधियों को पकड़ने के लिए टीम का गठन किया है।

मालवीय नगर में तोड़फोड़ की कार्रवाई से पहले पुलिस ने निकाला फ्लैग मार्च, बैरिकेड्स लगाकर रोके रास्ते

इंटरनेट-मैसेज और सोशल मीडिया एप्स बंद रहेंगे, बिना अनुमति रैली-जुलूस निकालने पर भी पाबंदी

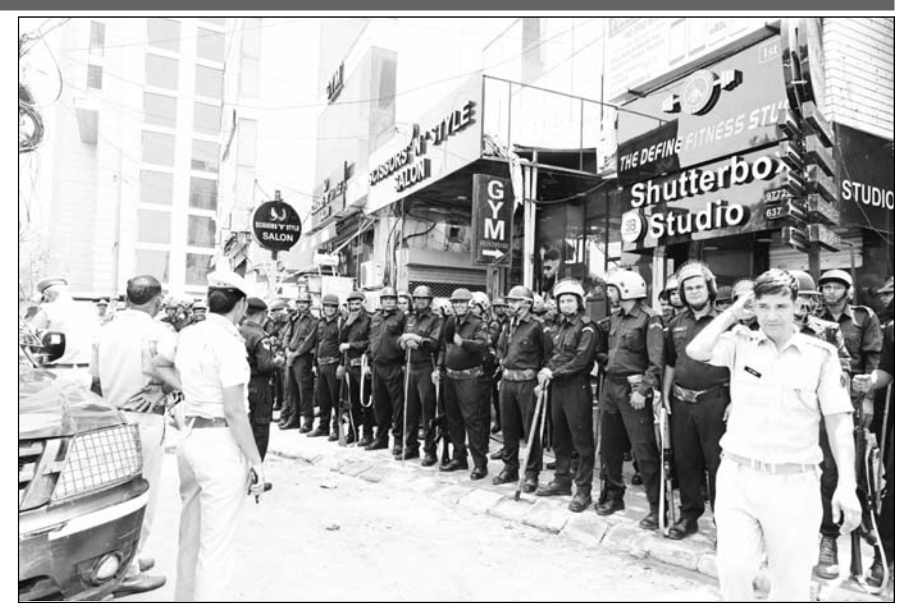

मालवीय नगर क्षेत्र में रविवार को पुलिस और आरएसी कंपनियों के जवानों ने फ्लैग मार्च निकाला। इसके साथ ही नंदपुरी क्षेत्र में बैरिकेड्स लगाकर रास्ते बंद कर दिए है। फोटो-राष्ट्रदूत

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। मालवीय नगर के नंदपुरी इलाके में सड़क सीमा में आ रहे पांच धार्मिक स्थलों पर जेडीए की कार्रवाई से पहले पुलिस-प्रशासन ने राजधानी में पुख्ता इंतजाम किए है। रविवार को पुलिस और आरएसी कंपनियों के जवानों ने प्रभावित क्षेत्र में फ्लैग मार्च निकाला। मालवीय नगर क्षेत्र में बैरिकेड्स लगाकर रास्ते बंद कर दिए है।

- **जेडीए की कार्रवाई के दौरान सांप्रदायिक सौहार्द बिगाड़ने वालों पर नजर रखेगी पुलिस, चप्पे-चप्पे पर होगा पहरा**

कार्रवाई के दौरान कानून-व्यवस्था न बिगड़े, इसके लिए शहर में 3000 से ज्यादा पुलिसकर्मी अलग-अलग स्थानों पर तैनात रहेंगे। संभागीय आयुक्त वी. सरवण कुमार ने इंटरनेट-मैसेज और सोशल मीडिया एप्स बंद रखने के आदेश दिए है। पुलिस कमिश्नरेट ने धारा 163 लागू करते हुए बिना अनुमति रैली-जुलूस निकालने पर भी पाबंदी लगाई है। जेडीए कार्रवाई के दौरान सांप्रदायिक सौहार्द बिगाड़ने वालों पर पुलिस नजर रखेगी, शहर में चप्पे-चप्पे पर कड़ा पहरा होगा।

कार्यपालक मजिस्ट्रेट एवं अतिरिक्त पुलिस आयुक्त (कानून एवं व्यवस्था) डॉ. राजीव पचार ने इस संबंध में आदेश जारी किया है। आदेश के मुताबिक, बिना पूर्व अनुमति किसी भी प्रकार की रैली, जुलूस, धरना-प्रदर्शन अथवा सभा आयोजित नहीं की जा सकेगी।

सार्वजनिक स्थानों पर धारदार या घातक हथियार, लाठी, डंडा, बरछी, गंडासा तथा आग्नेयास्त्र लेकर चलने पर भी रोक है। हालांकि यह प्रतिबंध ड्यूटी पर तैनात पुलिस, प्रशासनिक अधिकारियों और सुरक्षाबलों पर लागू नहीं होगा। पुलिस प्रशासन ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स फेसबुक, एक्स (ट्विटर), इंस्टाग्राम, व्हाट्सएप सहित अन्य डिजिटल माध्यमों पर भड़काऊ, भ्रामक अथवा सांप्रदायिक सौहार्द प्रभावित करने वाली सामग्री के प्रसारण पर भी प्रतिबंध लगाया है।

ऐसे मामलों में दोषियों के खिलाफ कठोर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। आदेश में सिख समुदाय को धार्मिक परंपरा के तहत कृपाण रखने तथा वृद्धजनों एवं दिव्यांगों को सहारे के लिए लाठी उपयोग करने की छूट दी गई है। पूर्व निर्धारित विवाह समारोह, बारात, धार्मिक आयोजन, मेले तथा अंतिम संस्कार जैसी गतिविधियों को प्रतिबंध से मुक्त रखा गया है। अतिरिक्त पुलिस आयुक्त डॉ. राजीव पचार ने चेतावनी दी है कि आदेश की अवहेलना करने वाले व्यक्ति अथवा संगठन के खिलाफ भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता एवं अन्य प्रासंगिक कानूनी प्रावधानों के तहत कार्रवाई की जाएगी।

आदेश की प्रतियां पुलिस और प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारियों को भेज दी गई है तथा पुलिस नियंत्रण कक्ष को विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश दिए गए है।

वहीं जयपुर संभागीय आयुक्त के आदेश के मुताबिक जयपुर के गलता गेट, माणक चौक, सुभाष चौक, आदर्श नगर, ब्रह्मपुरी, नाहरगढ़, कोतवाली, जलूपुरा, संजय सर्किल, शास्त्रीनगर, भट्टा बस्ती, विद्याधर नगर, जयसिंहपुरा खोर, बनीपार्क, कानोता, तूंगा, आंधी, जमवारामगढ़, सामोद, रायसर, गोविंदगढ़, चंदवाजी, शाहपुरा, अचरोल, विराटनगर, पावटा, प्रागपुरा, मनोहरपुर, भाबरू, कालाडेरा, चौमूं, हरमाड़ा, झोटवाड़ा, करधनी, वैशाली नगर, सोडाला, श्याम नगर, गांधी नगर, बजाज नगर, मालवीय नगर, जवाहर सर्किल, सांगानेर, प्रतापनगर, मुहाना, शिवदासपुरा, बगरू, दूदू, फागी तथा फुलेरा सहित जयपुर उत्तर व जयपुर पूर्व जिले के सभी क्षेत्रों में 7 जून की रात्रि 12 बजे से 8 जून रात 12 बजे तक 2जी, 3जी, 4जी एवं 5जी मोबाइल इंटरनेट सेवाएं, बल्क एसएमएस, एमएमएस, व्हाट्सएप, फेसबुक, एक्स (ट्विटर) सहित अन्य सोशल मीडिया सेवाएं निलंबित रहेंगी। हालांकि वॉयस कॉल सेवाएं पूर्ववत संचालित रहेंगी।

धार्मिक उन्माद फैलाने की कोशिश की तो कार्रवाई होगी : पुलिस कमिश्नर

जयपुर। जयपुर विकास प्राधिकरण (जेडीए) द्वारा सड़क सीमा (राइट ऑफ वे) में आने वाले धार्मिक स्थलों को हटाने की कार्रवाई के दौरान सोशल मीडिया अथवा अन्य डिजिटल माध्यमों पर धार्मिक उन्माद फैलाने या कानून-व्यवस्था प्रभावित करने का प्रयास करने वालों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाएगी।पुलिस कमिश्नर सचिन मित्तल ने बताया कि कार्रवाई के दौरान कुछ असामाजिक तत्व अथवा शरारती प्रवृत्ति के लोग सामाजिक सौहार्द बिगाड़ने तथा धार्मिक भावनाएं भड़काने के उद्देश्य से सोशल मीडिया पर वीडियो, पोस्ट या भ्रामक सामग्री प्रसारित करने का प्रयास कर सकते हैं। ऐसे मामलों में पुलिस विशेष सतर्कता बरत रही है। उन्होंने स्पष्ट किया कि किसी भी व्यक्ति द्वारा जानबूझकर भड़काऊ वीडियो बनाने, तथ्यहीन या भ्रामक सामग्री प्रसारित करने तथा धार्मिक भावनाएं भड़काने का प्रयास किए जाने पर उसके विरुद्ध विधिसम्मत एवं सख्त कार्रवाई की जाएगी। पुलिस कमिश्नर ने बताया कि जयपुर पुलिस की साइबर शाखा एवं कानून-व्यवस्था से जुड़ी इकाइयों को सोशल मीडिया और अन्य डिजिटल प्लेटफॉर्म पर लगातार निगरानी रखने के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही किसी भी प्रकार की अफवाह, भ्रामक सूचना या कानून-व्यवस्था प्रभावित करने वाली गतिविधि सामने आने पर तत्काल कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा गया है। पुलिस ने आमजन से भी अपील की है कि वे किसी भी अपुष्ट या भ्रामक जानकारी को साझा करने से बचें तथा सामाजिक सौहार्द बनाए रखने में सहयोग करें।

विधानसभा की जनलेखा समिति लेह लद्दाख, जम्मू कश्मीर, पंजाब और हरियाणा के दौरे पर

जयपुर (कासं)। राजस्थान विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली 8 से 16 जून तक जन लेखा समिति-2026-27 के साथ राज्य से बाहर लद्दाख, जम्मू कश्मीर, पंजाब एवं हरियाणा के दौरे पर रवाना होंगे। इस दौरान जनलेखा समिति इन स्थानों का तत्स्थानीय अध्ययन और विधान सभा की सिस्टर कमेटी से मुलाकात करेगी।

- **नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली के सभापतित्व में 8-16 जून तक होगा जनलेखा समिति का दौरा**

जनलेखा समिति के सभापति और नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने बताया कि समिति 8 जून को जयपुर से लेह (लद्दाख) के लिए प्रस्थान करेगी। यात्रा कार्यक्रम के दौरान उनके साथ समिति के सदस्य सुरेश धाकड़, अर्जुन लाल जीनगर, अनीता बघेल, चंद्रभान सिंह चौहान एवं विश्वनाथ मेघवाल भी मौजूद रहेंगे।

समिति 8 से 10 जून तक लेह (लद्दाख) में तत्स्थानीय अध्ययन करेगी और सिस्टर कमेटी से मुलाकात वहां किए जा रहे नवाचारों के सम्बन्ध में चर्चा करेगी, इसके साथ ही लद्दाख के गवर्नर विनय कुमार सक्सेना से मुलाकात भी करेगी। इसके पश्चात समिति 11 जून को श्रीनगर पहुंचेगी, जहां वह 11 एवं 12 जून को जम्मू कश्मीर विधानसभा की सिस्टर कमेटी के साथ चर्चा कर समिति द्वारा किए जाने वाले विभागीय परीक्षणों और प्रक्रिया को प्रभावी बनाने के सम्बन्ध में किए जाने वाले कार्यों के सम्बन्ध में विचार-विमर्श करेगी और साथ ही वहां का तत्स्थानीय अध्ययन भी करेगी।

13 जून को समिति श्रीनगर से कटरा के लिए प्रस्थान करेगी, जहां माता वैष्णो देवी मंदिर के दर्शन के पश्चात दिनांक 14 जून को ट्रेन द्वारा अमृतसर पहुंचेगी। अमृतसर में गुरुद्वारा साहब के दर्शन के पश्चात 15 जून को अंबाला कैंट एवं चंडीगढ़ पहुंचेगी, जहां वह पंजाब व हरियाणा विधान सभा की सिस्टर कमेटी के साथ चर्चा करेगी और पंजाब के राज्यपाल से मुलाकात और करेगी और दिनांक 16 जून को चंडीगढ़ से रवाना होकर जयपुर पहुंचेगी।

पूर्व सांसद गोपाल सिंह ईडवा ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से की मुलाकात

राजसमंद के पूर्व सांसद एवं वरिष्ठ भाजपा नेता गोपाल सिंह ईडवा ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से नई दिल्ली स्थित निवास पर भेंट की।

जयपुर। राजसमंद के पूर्व सांसद एवं वरिष्ठ भाजपा नेता गोपाल सिंह ईडवा ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से नई दिल्ली स्थित निवास पर भेंट की।

लगभग आधे घंटे तक चली इस मुलाकात में राजस्थान की वर्तमान राजनीतिक परिस्थितियों, संगठनात्मक गतिविधियों, विकास परियोजनाओं तथा विभिन्न जनसरोकारों से जुड़े विषयों पर विस्तृत चर्चा हुई। पूर्व सांसद ईडवा ने पश्चिम बंगाल में भाजपा के शानदार प्रदर्शन पर केंद्रीय गृह मंत्री को बधाई देते हुए कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाने, नक्सलवाद के विरुद्ध प्रभावी कार्यवाही सहित राष्ट्रीय सुरक्षा एवं राष्ट्रहित से जुड़े विभिन्न विषयों पर केंद्र सरकार द्वारा किए गए कार्यों के लिए आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर राजस्थान में संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं, संगठन की गतिविधियों तथा राज्य के समग्र विकास से जुड़े विविध पहलुओं पर भी विचार-विमर्श हुआ।

एएनटीएफ ने एमडी ड्रग्स और डोडा-चूरा की खेप पकड़ी

पाली और बीकानेर में बड़ी कार्रवाई की विभाग ने, दो आरोपी गिरफ्तार

जयपुर। राजस्थान पुलिस की एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स (एएनटीएफ) ने नशे के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत पाली और बीकानेर जिलों में दो बड़ी कार्रवाई करते हुए अवैध मादक पदार्थ बरामद किए हैं। दोनों मामलों में दो आरोपियों को गिरफ्तार कर मादक पदार्थों की सप्लाई चेन और तस्करी नेटवर्क की जांच शुरू कर दी गई है।

महानिरीक्षक पुलिस एएनटीएफ विकास कुमार ने बताया कि पुलिस महानिदेशक राजीव कुमार शर्मा के मार्गदर्शन में प्रदेशभर में नशे के कारोबार के खिलाफ लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में एएनटीएफ टीमों ने दोनों जिलों में महत्वपूर्ण सफलता हासिल की।एएनटीएफ को सूचना मिली थी कि पाली जिले के माण्डीगढ़ गांव में नरेश और सुभाष प्रजापत अपने घर से अवैध मादक पदार्थों की सप्लाई कर रहे हैं। सूचना के आधार पर एएनटीएफ ने सादड़ी थाना पुलिस के सहयोग से नरेश प्रजापत के मकान पर दबिश दी। तलाशी के दौरान एक बंद कमरे से छह प्लास्टिक थैलियों में छिपाकर रखी गई 100.86 ग्राम एमडी ड्रग्स तथा 09.11 ग्राम मिलावटी पाउडर बरामद किया गया। पुलिस ने मादक पदार्थ जब्त कर नरेश प्रजापत (32) को गिरफ्तार कर लिया।

वहीं दूसरी कार्रवाई बीकानेर के जयपुर-जोधपुर बाईपास टोल प्लाजा के पास स्थित जगदम्बा होटल पर की गई। होटल संचालक परमाराम जाट (45) निवासी सुरनाणा, थाना लूणकरणसर के अवैध गतिविधियों में शामिल होने की सूचना पर एएनटीएफ ने जेएनवीसी थाना पुलिस के साथ संयुक्त कार्रवाई की।छापेमारी के दौरान होटल के बाहर बने छपरे में बैठा परमाराम पुलिस को देखकर प्लास्टिक का कट्टा लेकर भागने लगा, लेकिन प्रशिक्षित खोजी डॉग की मदद से उसे पकड़ लिया गया। जांच में कट्टे से 1.750 किलोग्राम अवैध डोडा-चूरा तथा मादक पदार्थों की बिक्री से अर्जित 11 हजार रुपए नकद बरामद किए गए। पुलिस ने आरोपी को मौके से गिरफ्तार कर लिया। एएनटीएफ के अनुसार दोनों मामलों में बरामद मादक पदार्थों के स्त्रोत, सप्लाई चेन और तस्करी नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की पहचान के लिए गहन अनुसंधान किया जा रहा है। महानिरीक्षक विकास कुमार ने कार्रवाई में शामिल एएनटीएफ, सादड़ी थाना और जेएनवीसी थाना पुलिस की टीमों की सराहना करते हुए बताया कि उत्कृष्ट कार्य करने वाले अधिकारियों और कर्मचारियों को विशेष कार्यक्रम में सम्मानित किया जाएगा।

लैंडस्केप पार्क में पौधे-परिण्डे लगाए

जयपुर। मानसरोवर स्थित लैंडस्केप पार्क में नीड़ संस्था, हुनर फाउंडेशन, आव्हान जन कल्याण सेवा समिति तथा बोलिया केयर फाउंडेशन, जयपुर के संयुक्त तत्वावधान में सघन फलदार वृक्षारोपण और पक्षियों के लिए परिण्डे लगाए गए। इस अवसर पर हुनर फाउंडेशन की ओर से बच्चों की पक्षी चित्र कला प्रतियोगिता भी आयोजित की गई। समारोह में वरिष्ठ पत्रकार एवं समाज सेवी लक्ष्मण बोलिया तथा वरिष्ठ साहित्यकार फारूक आफरीदी तथा नीड संस्था के अजित तिवारी ने पाँच गार्ड, पर्यावरण संरक्षक व मॉर्निंग वाकर्स को उपहार भेंट किए।

इनामी भूमाफिया गिरफ्तार

जयपुर। जयपुर शहर में भूमाफियाओं के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत कार्रवाई करते हुए जामडोली थाना क्षेत्र की विवादित महेश विहार कॉलोनी में अवैध कब्जे करने वाले इनामी आरोपी विष्णु शर्मा को गिरफ्तार किया है। आरोपी के खिलाफ प्लॉटों और मकानों पर जबरन कब्जा करने के संबंध में करीब आधा दर्जन मामले दर्ज हैं। पुलिस उपायुक्त रंजिता शर्मा के अनुसार महेश विहार कॉलोनी में विष्णु शर्मा अपने सहयोगियों अजीत सिंह घासी गुर्जर एवं अन्य लोगों के साथ मिलकर संगठित रूप से अवैध कब्जों की गतिविधियों में शामिल था। आरोप है कि गिरोह भूखंड मालिकों के पक्के निर्माणों को तोड़कर जमीन पर कब्जा कर लेता था और रातों-रात बाउंड्रीवॉल तथा कमरे बनवा देता था।

वागड़ अंचल के लिए मील का पत्थर होगी ''अपर हाई लेवल कैनाल'' परियोजना

338 गांवों की 42 हजार हेक्टेयर भूमि को लिफ्ट सिंचाई प्रणाली से मिलेगा जल

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व एवं जल संसाधन मंत्री सुरेश सिंह रावत के मार्गदर्शन में राज्य सरकार द्वारा 'अपर हाई लेवल कैनाल परियोजना' को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए युद्धस्तर पर कार्य करवाए जा रहे हैं। वागड़ अंचल के किसानों के लिए नई उम्मीद बनकर उभर रही इस परियोजना से जनजाति बहुल क्षेत्र में कृषि व्यवस्था एवं ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई दिशा मिलेगी। लगभग 2500 करोड़ रुपए लागत की परियोजना से बांसवाड़ा जिले की 3 विधानसभा क्षेत्रों (बांसवाड़ा, बागीदौरा एवं कुशलगढ़) की 6 तहसीलों बांसवाडा, बागीदौरा, कुशलगढ़, सज्जनगढ़, आनंदपुरी एवं गांगड़तलाई के 338 गांवों की लगभग 42 हजार हेक्टेयर कृषि भूमि को लिफ्ट सिंचाई प्रणाली से जल उपलब्ध होगा। परियोजना से लगभग 3.5 लाख आबादी प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से लाभान्वित होगी। परियोजना में आधुनिक इंजीनियरिंग टेक्नोलॉजी से नहर नेटवर्क एवं विभिन्न संरचनाओं का निर्माण किया जा रहा है।

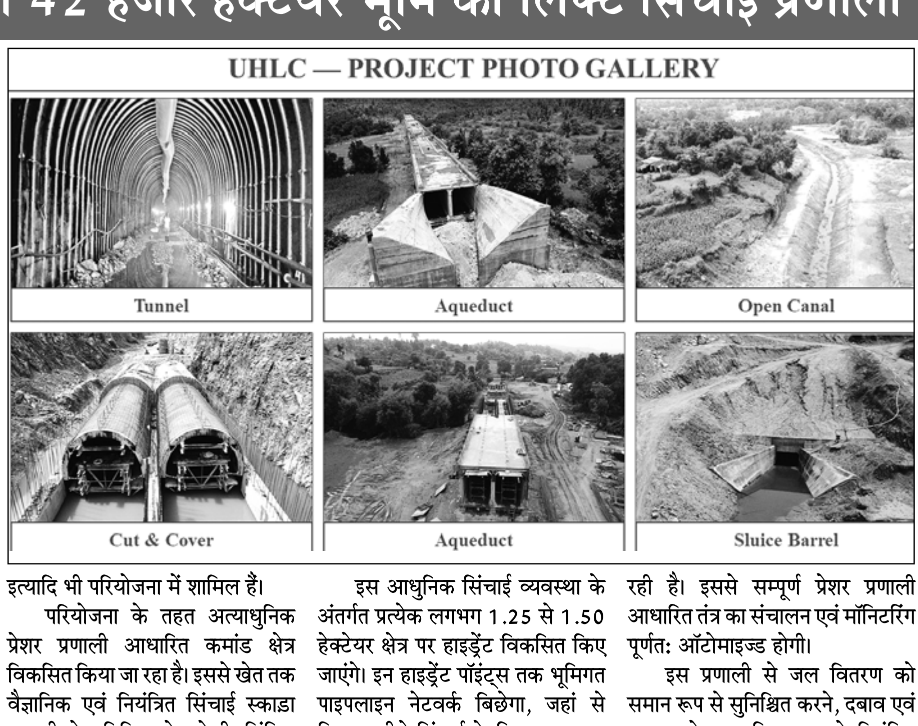

- **102 कि.मी. नहर लंबाई की इस परियोजना पर करीब 2500 करोड़ रुपए खर्च करेगी सरकार**
- **जनजाति बहुल क्षेत्रों में सामाजिक एवं आर्थिक विकास को मिलेगी गति, किसानों की आय में होगी वृद्धि**

परियोजना की कुल मुख्य नहर लंबाई 102 किलोमीटर है। इसमें 22.50 किलोमीटर लंबाई में सुरंगे/कट एंड कवर संरचनाएं, एक्वाडक्ट तथा नदी को पार करते हुए साइफन निर्मित किए जा रहे हैं। इसके साथ ही लगभग 230 अन्य नहरी महत्वपूर्ण संरचनाए यथा सुपरपासेज, ड्रेनेज साइफन, रोड ब्रिज, एस्केप कम क्रॉस रेगुलेटर, हेड रेगुलेटर इत्यादि भी परियोजना में शामिल हैं।

परियोजना के तहत अत्याधुनिक प्रेशर प्रणाली आधारित कमांड क्षेत्र विकसित किया जा रहा है। इससे खेत तक वैज्ञानिक एवं नियंत्रित सिंचाई स्काडा प्रणाली से सुनिश्चित हो सकेगी। सिंचित क्षेत्र में प्रत्येक 200 हेक्टेयर के 'चक स्तर' पर लगभग 200 डिग्गियों का निर्माण प्रस्तावित है। मुख्य नहर प्रणाली से इन डिग्गियों तक पानी एमएस व डीआई पाइपलाइन पहुंचाया जाएगा। इसके बाद डिग्गियों से लगभग 5 हजार कि.मी. लंबाई का भूमिगत एचडीपीई पाइपलाइन नेटवर्क विकसित किया जाएगा, जिससे प्रेसराइज्ड इरिगेशन प्रणाली से खेतों तक पानी पहुंचेगा।

इस आधुनिक सिंचाई व्यवस्था के अंतर्गत प्रत्येक लगभग 1.25 से 1.50 हेक्टेयर क्षेत्र पर हाइड्रेंट विकसित किए जाएंगे। इन हाइड्रेंट पॉइंट्स तक भूमिगत पाइपलाइन नेटवर्क बिछेगा, जहां से किसान सीधे सिंचाई के लिए जल प्राप्त कर सकेंगे। इस प्रणाली से खेत स्तर तक समान जल वितरण, न्यूनतम जल हानि तथा अधिक दक्ष सिंचाई सुनिश्चित होगी। आधुनिक माइक्रो एवं प्रेसराइज्ड इरिगेशन प्रणाली के जरिए कम पानी में अधिक क्षेत्र की सिंचाई संभव हो सकेगी। किसानों को निरंतर बेहतर सिंचाई सुविधा उपलब्ध होगी। परियोजना में अत्याधुनिक स्काडा (पर्यवेक्षक नियंत्रण और डेटा अधिग्रहण) प्रणाली भी विकसित की जा रही है। इससे सम्पूर्ण प्रेशर प्रणाली आधारित तंत्र का संचालन एवं मॉनिटरिंग पूर्णतः ऑटोमाइज्ड होगी।

इस प्रणाली से जल वितरण को समान रूप से सुनिश्चित करने, दबाव एवं प्रवाह को स्वचालित रूप से नियंत्रित करने तथा रियल टाइम डेटा मॉनिटरिंग एवं संचालन नियंत्रण की सुविधा उपलब्ध होगी। इस प्रणाली से पम्पिंग स्टेशन, रिलीफ वाल्व, हाइड्रेंट एवं विभिन्न शाखाओं में जल प्रवाह की सतत निगरानी संभव होगी।

वर्तमान में नहर की 42 किलोमीटर में काम किया जा रहा है। इनटेक स्ट्रक्चर एवं स्लूइस बैरल का कार्य लगभग पूर्ण हो चुका है। टनल कार्य, एक्वाडक्ट, साइफन, कट एंड कवर के साथ नहर से डिग्गी तक भूमिगत पाइपलाइन नेटवर्क निर्माण कार्य भी विभिन्न स्थानों पर निरंतर जारी है। परियोजना की नियमित रूप से मॉनिटरिंग की जा रही है। समयबद्ध और पारदर्शिता से कार्यों को पूर्ण करने के लिए निर्माण एजेंसियों को विभागीय निर्देश दिए गए हैं। इस परियोजना के लिए 78 गांवों की लगभग 270 हेक्टेयर निजी भूमि का नियमानुसार अधिग्रहण किया जा रहा है। अब तक 67 गांवों की 211 हेक्टेयर भूमि के लिए लगभग 47 करोड़ रुपए राशि के अवार्ड पारित हो चुके हैं। लगभग 15 करोड़ रुपए मुआवजा राशि वितरित की गई है। शेष अधिग्रहण एवं वन भूमि हस्तांतरण की प्रक्रियाएं भी तेजी से हो रही हैं।

संगठनात्मक विचारों के आदान-प्रदान से पार्टी को मिलेगी मजबूती : अजेय कुमार

'मेरी सरकार-सबसे अच्छी सरकार इस भावना के साथ जाए आमजन के बीच'

भाजपा के प्रदेश संगठन महामंत्री अजेय कुमार ने रविवा रको प्रदेश मीडिया, आईटी, सोशल मीडिया और प्रवक्ता-पैनेलिस्टों के साथ संगठनात्मक बैठक की।

जयपुर। भाजपा प्रदेश मुख्यालय में भाजपा प्रदेश मीडिया विभाग, प्रवक्ता-पैनेलिस्ट, आईटी एवं सोशल मीडिया विभाग की संगठनात्मक बैठक आयोजित की गई। बैठक में प्रदेश महामंत्री (संगठन) अजेय कुमार ने मीडिया, प्रवक्ता, आईटी एवं सोशल मीडिया विभाग के पदाधिकारियों के साथ विस्तृत संगठनात्मक चर्चा की। उन्होंने सभी प्रवक्ताओं एवं पदाधिकारियों से परिचयात्मक संवाद करते हुए संगठन को और अधिक सशक्त बनाने के विषय पर विचार-विमर्श किया। अजेय कुमार ने कहा कि संगठनात्मक विचारों के सतत आदान-प्रदान से संगठन को मजबूती मिलती है। पार्टी के प्रवक्ताओं एवं मीडिया से जुड़े कार्यकर्ताओं की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है कि वे भाजपा की नीतियों, विचारधारा तथा संगठन के कार्यों को प्रभावी ढंग से जन-जन तक पहुंचाएं। उन्होंने कहा कि पार्टी कार्यकर्ताओं का एक ही ध्येय होना चाहिए कि मेरी सरकार, सबसे अच्छी सरकार, इस भावना को ध्यान में रखते हुए चौपाल, सोशल मीडिया पर प्रचार-प्रसार करें। उन्होंने कहा कि संगठन हित की बातें सार्वजनिक रूप से करें तथा संगठन का निर्णय सर्वोपरि है ऐसी भावना के साथ कार्य करें। भाजपा प्रदेश महामंत्री संगठन अजेय कुमार ने कहा कि भाजपा का प्रत्येक कार्यकर्ता पार्टी के संविधान एवं संगठनात्मक मर्यादाओं के अनुरूप कार्य करता है। संगठन हित से जुड़े विषयों को प्राथमिकता देते हुए केंद्र एवं राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं और उपलब्धियों को जनता तक पहुंचाना हम सभी की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में 12 वर्षों में देश में हुए विकास कार्यों, गरीब कल्याण, महिला सशक्तिकरण, किसान हितैषी योजनाओं की जानकारी आमजन तक पहुंचाई जानी चाहिए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के देशहित में लिए गए कठोर निर्णय और कुटनीतिक रणनीति के कारण आज भारत की वैश्विक स्तर पर प्रतिष्ठा बढ़ी है। उन्होंने मीडिया, सोशल मीडिया एवं आईटी विभाग के पदाधिकारियों से संवाद, तथ्यात्मक प्रस्तुति और प्रभावी प्रचार-प्रसार संगठन के माध्यम से सरकार की उपलब्धियों को आमजन तक पहुंचाने का आव्हान किया।

निवाई में आये तेज अंधड़ ने तबाही मचाई, सैंकड़ों पेड़ व विद्युत पोल गिरे

दो दिन से ग्रामीण इलाकों में बिजली गुल है और लोग अंधेरे में रहने को मजबूर हैं

निवाई, (निसं)। उपखण्ड मुख्यालय सहित क्षेत्र के अनेक गांवों में शनिवार की देर शाम आए भीषण अंधड़ से सैंकड़ों पेड़ व विद्युत पोल धराशाही हो गए, जिससे पिछले दो दिन से ग्रामीण इलाकों में बिजली पूरी तरह गुल है और लोग अंधेरे में रहने को मजबूर हैं। बिजली संकट के कारण ग्रामीणों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। तेज अंधड़ का सबसे ज्यादा असर ग्राम पंचायत सुनारा के दर्जनों गांवों में देखने को मिला, जहां पेड़ों व बिजली के खंभों के टूटने के साथ-साथ लोगों के घरों के चद्दर और छप्पर तक उड़ गए।

निवाई में आये तेज अंधड़ से नेट हाउस गिर गया।

नुकसान का जायजा लेने पहुंचे गिरदावर धोलूराम मीणा, पटवारी दिप्ती शर्मा, भाजपा मंडल अध्यक्ष केदार दोहण व सरपंच प्रतिनिधि गणेश शर्मा ने बताया कि इस प्राकृतिक आपदा में ग्रामीणों का भारी नुकसान हुआ है। अंधड़ के दौरान ग्रामीण भगवान जाट के कुएं पर लगी सौर ऊर्जा की आधा दर्जन प्लेटें उड़ गईं। वहीं कजोड़ जाट, केदार जाट, कन्हैयालाल गुगड, रतनलाल जाट, गोपाल बैरवा, भंवरलाल बैरवा, हनुमान जमादार व हरिनारायण मीणा के घरों पर लगे टीनशेड हवा में उड़ गए। अंधड़ के कारण कई जगहों पर दीवारें ढहने से भी बड़ा नुकसान हुआ है। कजोड़ जाट के ट्रैक्टर पर दीवार गिरने से ट्रैक्टर क्षतिग्रस्त हो गया। गोपाल बैरवा के मकान की दीवार ढहने से मलबे में दबकर 4 बकरियों की दर्दनाक मौत हो गई। इसके अलावा भगवान जाट, कजोड़ जाट, रामकिशोर जाट व गोपाललाल बैरवा के मकानों की दीवारें भी ढह गईं। क्षेत्र के किसान जगदीश खोखर के खेतों में लगा करीब 10 लाख रुपए की लागत का नेट हाउस भी धराशाही हो गया। अंधड़ की चपेट में आने से क्षेत्र में सैंकड़ों भारी पेड़ जड़ से उखड़ गए, दो विद्युत डीपी एवं करीब दो दर्जन से अधिक विद्युत पोल पूरी तरह जमींदोज हो गए। विद्युत बुनियादी ढांचा पूरी तरह तबाह होने के कारण पिछले दो दिनों से गांवों में बिजली की सप्लाई पूरी तरह ठप पड़ी है, जिससे जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। इसी प्रकार गांव रजवास में तेज आंधी से मकान के कमरों व जानवरों की छाया के लिए लगाए गए टीन शेड़ उडक़र दूर जा गिरे। ग्रामीण मूलचंद जाट, रामप्रसाद जाट, दिनेश जाट ने कमरों व जानवरों की छाया के लिए टीन लगाएं थे। शनिवार को आए तेज अंधड़ से कमरों के किवाड़ उखड़कर जानवरों के पास ही जा गिरे, जिससे एक भैंस के चौट लग गई। इसी प्रकार कमरों पर लगे हुए चद्दर भी उड़ गए। गांव सुरिया से राहोली जाने वाली सड़क पर बीचो-बीच अंधड़ से बबूल का पेड़ गिर गया, जिससे वाहन चालकों को परेशानियों का सामना करना पड़ा।

वनस्थली क्षेत्र से तूफान से विद्युत तंत्र चरमराया

- तेज अंधड़ का सबसे ज्यादा असर ग्राम पंचायत सुनारा के दर्जनों गांवों में देखने को मिला

निवाई, (निसं)। शनिवार की देर शाम आए भीषण आंधी-तूफान ने क्षेत्र में भारी तबाही मचाई है। विद्युत विभाग के सहायक अभियन्ता ए-सेकण्ड के क्षेत्राधिकार में आने वाले क्षेत्र में तीव्र आंधी-तूफान से विद्युत वितरण तंत्र को व्यापक क्षति पहुंची है। इस प्राकृतिक आपदा के परिणामस्वरूप विद्युत लाइनें टूट गईं, पोल धराशाही हो गए और ट्रांसफार्मरों सहित अन्य विद्युत परिसंपत्तियों को भारी नुकसान पहुंचा है, जिससे पूरे क्षेत्र की बिजली गुल हो गई। इस आपदा से मुख्य रूप से वनस्थली, बिडोली, सूरिया, पलेई, मोतीपुरा, लुहारा, सुनारी, खणदेवत, चिकाना व सीदड़ा सहित कई गांव सबसे ज्यादा प्रभावित हुए हैं। कई स्थानों पर पोल व लाइनें पूरी धराशाही हो गईं, जिससे विभाग को करीब 1.20 करोड़ की वित्तीय हानि हुई है। घटना को देखते हुए सहायक अभियन्ता धनराज टाटावट सहित अधिकारियों एवं कर्मचारियों की टीम ने तत्काल प्रभावित क्षेत्रों का दौरा कर स्थिति का जायजा लिया। इसके तुरंत बाद क्षेत्र में बिजली व्यवस्था को पटरी पर लाने के लिए युद्धस्तर पर मरम्मत कार्य शुरू कर दिया गया। वर्तमान में प्रभावित गांवों में विद्युत तंत्र के पुनर्स्थापन एवं बिजली की पूर्ण बहाली के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं।

सहायक अभियन्ता धनराज टाटावट ने बताया कि उपभोक्ताओं को जल्द से जल्द बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए विभाग ने अपने सभी आवश्यक संसाधनों को काम पर लगा दिया है।

पांचना बांध से नहरों में पानी छोड़ने की मांग को लेकर आंदोलन जारी

हजारों किसानों ने नहरों में शीघ्र पानी छोड़े जाने की मांग दोहराई और आंदोलन को अनिश्चितकाल तक जारी रखने का संकल्प लिया

- ‘पांचना बांध से नहरों में पानी छोड़े जाने का मुद्दा किसानों की आजीविका, फसल और भविष्य से जुड़ा है जब तक किसानों को उनके हिस्से का पानी नहीं मिल जाता, तब तक आंदोलन जारी रहेगा’

गंगापुर सिटी, (निसं)। वजीरपुर उपखंड के ग्राम खंडीप में पांचना बांध से कमांड क्षेत्र की नहरों में पानी छोड़ने की मांग को लेकर किसान महापंचायत रविवार को तीसरे दिन भी जारी रही। हजारों किसानों ने नहरों में शीघ्र पानी छोड़ जाने की मांग दोहराई और आंदोलन को अनिश्चितकाल तक जारी रखने का संकल्प लिया। इस महापंचायत में क्षेत्र के हजारों किसान, जनप्रतिनिधि, महिलाएं और युवा बड़ी संख्या में मौजूद रहे। सुरक्षा व्यवस्था के लिए पुलिस प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद रहा। महापंचायत स्थल पर बड़ी संख्या में पुलिसकर्मी और आला अधिकारी तैनात थे।

महापंचायत में गंगापुर सिटी विधायक रामकेश मीणा, टोडाभीम विधायक घनश्याम महर, करौली के पूर्व विधायक लाखन सिंह मीणा और पांचना कमांड क्षेत्र विकास संघर्ष समिति के अध्यक्ष बटुआ पटेल सहित कई पदाधिकारी एवं विभिन्न गांवों के पंच-पटेल मौजूद रहे। वक्ताओं ने जोर देकर कहा कि पांचना बांध का पानी कमांड क्षेत्र के किसानों का अधिकार है और सरकार को इस पर शीघ्र सकारात्मक निर्णय लेना चाहिए। आंदोलन को व्यवस्थित रूप से संचालित करने के लिए पांचना कमांड क्षेत्र विकास संघर्ष समिति ने विभिन्न गांवों को क्रमवार जिम्मेदारियां सौंपी हैं। समिति के अनुसार 7 जून सुबह 10 बजे तक धरना स्थल की व्यवस्था की जिम्मेदारी ग्राम किशोरपुर को दी गई थी।

किशोरपुर के ग्रामीण और किसान जुलूस के रूप में आंदोलन स्थल पहुंचे और अपनी जिम्मेदारी निभाई। रविवार सुबह 10 बजे से अगले 24 घंटों के लिए ग्राम खेड़ली-बगलाई के किसानों और ग्रामीणों ने आंदोलन स्थल की व्यवस्था की जिम्मेदारी संभाली। विधायक रामकेश मीणा ने कहा कि पांचना बांध से नहरों में पानी छोड़े जाने का मुद्दा किसानों की आजीविका, फसल और भविष्य से जुड़ा है। उन्होंने स्पष्ट किया कि जब तक किसानों को उनके हिस्से का पानी नहीं मिल जाता, तब तक किसान महापंचायत और आंदोलन जारी रहेगा। उन्होंने किसानों से एकजुट रहने का आह्वान करते हुए कहा कि यह संघर्ष किसी राजनीतिक उद्देश्य के लिए नहीं, बल्कि किसानों के अधिकारों की लड़ाई है। महापंचायत में उपस्थित किसानों ने भी अपनी मांग पूरी होने तक आंदोलन को मजबूती से जारी रखने का संकल्प दोहराया। महापंचायत के दौरान लोक कलाकार झंडू शेखपुरा, धबले लालारामपुरा, राजू रिछोटी एवं अन्य कलाकारों ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देकर किसानों का उत्साहवर्धन किया। वहीं धरना स्थल पर पेयजल, भोजन, छाया और अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं का संचालन ग्राम खंडीप के पंच-पटेलों और युवा कार्यकर्ताओं द्वारा किया जा रहा है।

दिल्ली-मुम्बई एक्सप्रेस-वे पर ट्रक से टकराई कार, एक की मौत, तीन घायल

- उज्जैन से महाकाल के दर्शन कर अम्बाला लौटते समय सीमलिया थाना इलाके में हुआ हादसा, दुर्घटना के बाद कार पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई

कोटा, (निसं)। सीमलिया थाना इलाके में दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे पर कराड़िया इंटरचेंज के नजदीक कार रोड साईड खड़े ट्रक से टकरा गई। हादसे में एक जने की मौत हो गई वहीं तीन जने घायल हो गये। हादसा उस समय हुआ जब कार में सवार चार जने उज्जैन महाकाल के दर्शन करके वापस अम्बाला लौट रहे थे। हादसे में कार में सवार चार जनों में से एक की मौत हो गई। सिमलिया इलाके के कराडिया के समीप हादसे की सूचना पाकर पुलिस मौके पर पहुंची और सभी घायलों को अस्पताल ले जाया गया, हादसे में घायल तीन लोगों को प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई, पुलिस ने मृतक के शव का पोस्टमार्टम कराकर शव सौंप दिया।

सीमलिया थाना अधिकारी नंद सिंह ने बताया कि हरियाणा के अंबाला निवासी चार लोग उज्जैन महाकाल के दर्शन के लिए गए थे उज्जैन से हरियाणा वापस लौटते समय दिल्ली-मुम्बई एक्सप्रेस-वे कराड़िया के समीप कार 8 लेन पर साईड में खड़े हुए ट्रक में पीछे से घुस गई। थानाधिकारी ने बताया कि दुर्घटना के बाद कार पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई और कार में आगे की तरफ बैठे व्यक्ति फंस गए थे। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और लोगों की मदद से कार में फंसे लोगों को बाहर निकाल कर एंबुलेंस से अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टर ने जांच के बाद एक जने को मृत घोषित कर दिया।

थानाधिकारी ने बताया कि हादसे में हरियाणा अंबाला के नारायगढ़ निवासी शिविश वशिष्ठ (48) की मौत हो गई एवं हादसे में रोहित, सानिध्य और पुनीत घायल हो गये, जिन्हें उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई। ट्रक को डिटेन कर चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच की जा रही है।

एमएसपी पर गेहूं खरीद की समय सीमा बढ़ी

जयपुर। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ को किसान मोर्चा हनुमानगढ़ के पूर्व जिलाध्यक्ष सुशील गोदारा द्वारा लिखे गए पत्र पर राज्य सरकार ने त्वरित संज्ञान लेते हुए न्यूनतम समर्थन मूल्य पर गेहूं खरीद की समय सीमा बढ़ाने का निर्णय लिया है।

प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि भजनलाल सरकार के इस निर्णय से श्रीगंगानगर-हनुमानगढ़ सहित प्रदेश के किसानों को बड़ी राहत मिलेगी। राठौड़ ने बताया कि किसान नेता सुशील गोदारा ने विगत दिनों पत्र लिखकर अवगत कराया था कि श्रीगंगानगर-हनुमानगढ़ क्षेत्र में बड़ी संख्या में किसानों का गेहूं अभी भी खरीद केंद्रों पर नहीं बिक पाया है। गोदारा ने गेहूं खरीद की समय सीमा बढ़ाने तथा पर्याप्त बारदाने की उपलब्धता सुनिश्चित करने की मांग की थी। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि प्रदेश की डबल इंजन सरकार किसानों के हितों में जनकल्याण के लिए सदैव तत्पर है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के समक्ष किसानों की इस समस्या को रखने पर उन्होंने एमएसपी पर गेहूं खरीद की समय सीमा बढ़ाते हुए 12 जून करने का फैसला किया। इतना ही नहीं, मुख्यमंत्री शर्मा ने गेहूं खरीद का लक्ष्य 28.5 लाख मीट्रिक टन कर दिया। राठौड़ ने कहा कि भाजपा सदैव किसान हितों के प्रति प्रतिबद्ध रही है। सरकार के इस फैसले से प्रदेश के हजारों किसानों को अपनी उपज समर्थन मूल्य पर बेचने का अवसर मिलेगा।

भीलवाड़ा में शादी कार्यक्रम में हुई युवक की हत्या का खुलासा

- पुलिस ने दो मुख्य आरोपियों को गिरफ्तार कर एक बाल अपचारी को निरुद्ध किया

भीलवाड़ा, (निसं)। बागोर थाना पुलिस ने लक्ष्मणगढ़ कॉलोनी में हुए निर्मम हत्याकांड का खुलासा कर दिया है। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए मुख्य आरोपी किशन कंजर और उसकी पत्नी सनूड़ी कंजर को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि इस जघन्य अपराध में संलिप्त एक विधि के विरुद्ध संघर्षरत बाल अपचारी को भी निरुद्ध किया है। पारिवारिक रंजिश और शादी के संगीत कार्यक्रम के दौरान नाचने की बात को लेकर हुए मामूली विवाद के बाद इस खूनी वारदात को अंजाम दिया गया था।

बागोर थाने में मृतक विनोद कंजर के भाई कैलाश कंजर, निवासी लक्ष्मणगढ़ कॉलोनी द्वारा दर्ज कराई गई रिपोर्ट के अनुसार, मृतक विनोद कंजर की पुत्री अंजलि का विवाह आगामी 8 जून को होना तय हुआ था। घर में शादी की तैयारियां बड़े ही धूमधाम से चल रही थीं। 3 जून की रात्रि करीब नौ बजे घर के बाहर चौक में डीजे बज रहा था और परिवार के लोग जश्न मना रहे थे। इसी दौरान विनोद कंजर मकान के बाहर चौक में बैठे हुए थे। तभी पुरानी रंजिश को लेकर आरोपी कमलेश कंजर, किशन कंजर और सनूड़ी कंजर एकराय होकर हथियार और कुल्हाड़ी लेकर वहां पहुंचे। आरोपियों ने आते ही विनोद कंजर पर जानलेवा हमला बोल दिया। आरोपी किशन कंजर ने विनोद के सिर पर कुल्हाड़ी से वार किए, जिससे विनोद कंजर लहूलुहान होकर वहीं गिर पड़े और उनकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद शादी वाले घर की खुशियां चीख-पुकार और मातम में बदल गईं। प्रार्थी की रिपोर्ट पर बागोर थाना पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की थी।

पुलिस अनुसंधान में सामने आया कि मुख्य अभियुक्त किशन कंजर, मृतक विनोद कंजर का सगा भतीजा है। दोनों परिवारों के बीच पिछले कुछ समय से किसी बात को लेकर गहरी रंजिश चल रही थी। 3 जून की रात जब अंजलि के विवाह का महिला संगीत कार्यक्रम चल रहा था, तब अभियुक्तों द्वारा विनोद कंजर के घर के बाहर नाचने की बात को लेकर जानबूझकर विवाद खड़ा किया गया। बात बढ़ने पर आरोपियों ने योजनाबद्ध तरीके से लाठी, डंडों और कुल्हाड़ी से हमला कर विनोद की बेरहमी से हत्या कर दी।

मुखबिरी तंत्र की मदद से पुलिस टीम ने फरार चल रहे आरोपियों को घेराबंदी कर धर दबोचा। पुलिस ने आरोपी किशन कंजर पुत्र राकेश कंजर, निवासी लक्ष्मणगढ़ कॉलोनी, बागोर, भीलवाड़ा, मुख्य हमलावर और सनूड़ी कंजर पत्नी किशन कंजर, निवासी लक्ष्मणगढ़ कॉलोनी, बागोर, भीलवाड़ा सह-आरोपी इसके अतिरिक्त वारदात में शामिल एक बाल अपचारी को भी पुलिस संरक्षण में लेकर निरुद्ध किया गया है। पुलिस गिरफ्त में आए दोनों आरोपियों से सघन पूछताछ कर रही है।

हिंडौन सिटी में एक किसान को अपनी ही जमीन का नहीं मिल रहा कब्जा

नौ साल लंबी कानूनी लड़ाई जीतने और तहसीलदार के फैसले के बाद भी कब्जा नहीं मिला

हिंडौन सिटी, (निसं)। टोडाभीम तहसील क्षेत्र के राजस्व गांव नांगल सुल्तानपुर में एक पीड़ित किसान को नौ साल लंबी कानूनी लड़ाई जीतने और तहसीलदार के स्पष्ट फैसले के बाद भी अपनी ही जमीन पर कब्जा नहीं मिल पा रहा है। प्रशासन की लापरवाही से पीड़ित किसान आज भी न्याय के लिए दर-दर की ठोकरें खाने को मजबूर है।

मामला वर्ष 2016 का है, जब फौजीपुरा निवासी बालू उर्फ बाबू जाटव ने नांगल सुल्तानपुर निवासी रामस्वरूप, शंकर, राधे, राजेश, राजवीर और मुकेश मीणा के खिलाफ तहसीलदार अदालत में दावा किया था। पीड़ित ने आरोप लगाया था कि विपक्षियों ने उसकी खातेदारी की पांच बीघा भूमि पर अवैध कब्जा कर रखा है। 9 साल तक चले लंबे अदालती सफर के बाद, पिछले साल 29 सितंबर 2025 को तहसीलदार ने परिवादी बालू जाटव के पक्ष में निर्णय सुनाया और दूसरे पक्ष को बेदखल कर उसे कब्जा दिलाने के आदेश जारी किए थे। तहसीलदार के इस निर्णय को करीब 9 महीने बीत चुके हैं, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। इस दौरान तहसीलदार दिनेश मीणा ने 8 अक्टूबर, 7 नवंबर, 18 नवंबर और 1 दिसंबर 2025 को जिला कलेक्टर और एसपी को पत्र लिखकर कब्जा दिलाने के लिए पुलिस जाप्ता भी मांगा। एक बार प्रशासन का दस्ता मौके पर गया भी, लेकिन दूसरे पक्ष के कड़े विरोध के चलते उन्हें बिना कार्रवाई के बैरंग लौटना पड़ा था। इसके बाद पीड़ित किसान ने 10 दिसंबर 2025 और हाल ही में 22 मई 2026 को जिला कलेक्टर के सामने गुहार लगाई। कलेक्टर ने मामले की गंभीरता को देखते हुए तहसीलदार को 7 दिन के भीतर निर्णय की पालना कराने (कब्जा दिलाने) के सख्त निर्देश दिए थे। इसके बावजूद अब तक पीड़ित किसान को न्याय नहीं मिल सका है। इस सम्बंध में अमन चौधरी एसडीएम ने कहा कि टोडाभीम भूमि पर बेदखली संबंधी यह मामला मेरे संज्ञान में नहीं है। कार्यालय समय में पूरे मामले की जांच कर न्यायोचित कार्यवाही की जाएगी।

अकबरपुर महिला एसएचओ पर पिता व पुत्र के साथ मारपीट का आरोप

- डेढ सौ से ज्यादा ग्रामीण एसएचओ की शिकायत करने एसपी निवास पहुंचे और अवैध वसूली की भी शिकायत की
- एसपी ने गांव के लोगों की बात सुनकर थाना अधिकारी सीमा सिनसिनवार के बर्ताव की जांच सिटी सीओ को दी

अलवर, (निसं)। रविवार को दो गांवों के करीब 150 से अधिक लोग एसपी आवास पहुंचे, यहां अकबरपुर थाना अधिकारी सीमा सिनसिनवार के खिलाफ गांव में एक पिता-पुत्र के साथ मारपीट करने के आरोप लगाए। साथ ही अवैध वसूली की भी शिकायत की। एसपी ने गांव के लोगों की बात सुनकर थानाधिकारी सीमा सिनसिनवार के बर्ताव की जांच सिटी सीओ को दी है। इसके साथ गांव वालों के साथ आए हिस्ट्रीशीटर और रेप के आरोपियों की जांच भी होगी।

ग्रामीणों ने एसपी को शिकायत दी कि शनिवार शाम को एसएचओ सीमा सिनसिनवार ने एक व्यक्ति के साथ बेरहमी से मारपीट की। पुलिस ने व्यक्ति के नाबालिग बेटे से भी मारपीट की। ग्रामीणों ने बताया कि इस दौरान एक अन्य युवक प्याज से भरा ट्रैक्टर लेकर जा रहा था। पुलिस ने रास्ते में ट्रैक्टर को रुकवाया। मारपीट की और बिना किसी ठोस वजह के ट्रैक्टर को थाने ले जाकर जब्त कर लिया।

महिला एसएचओ सीमा का कहना है कि एक व्यक्ति पॉक्सो का दोषी है। पुलिस को पता नहीं था कि बाइक चला रहा नाबालिग कौन है। उसे रोका तो उसका पिता आ गया। उसने पुलिस से गलत बर्ताव किया। इसके बाद पुलिस ने पकड़ना चाहा तो फरार हो गया। थानाधिकारी सिनसिनवार ने दावा किया कि एसपी से शिकायत करने पहुंचे लोगों में एक व्यक्ति इलाके का नामी हिस्ट्रीशीटर है। इसके अलावा, प्रदर्शन दो-तीन लोगों के बच्चों के खिलाफ पहले से ही म्यूल अकाउंट (अपराधिक रिकॉर्ड/खातों) में मामले दर्ज हैं।

इस मामले में अलवर एसपी सुधीर चौधरी ने कहा कि गांव वालों की शिकायत पर महिला एसएचओ के गलत बर्ताव करने की जांच सिटी सीओ को दी है। अपराधी किस्म के लोग आए हैं तो उसकी जांच कराई जाएगा। बाकी अपराध करने वालों को पकड़ना पुलिस का काम है।

‘स्वच्छता का काम अकेले सरकार का नहीं, बल्कि जनसहभागिता से ही संभव है’

- ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर ने कनवास क्षेत्र के कई गांवों का दौरा कर सफाई व्यवस्था का जायजा लिया
- ‘गांवों को स्वच्छ रखने की सीधी जिम्मेदारी ग्राम सचिव की होगी जिन गांवों में गंदगी और अव्यवस्था पाई गई, वहां के सचिव के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी’

कोटा, (निसं)। ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर रविवार को कनवास क्षेत्र के दौरे पर रहे। इस दौरान उन्होंने क्षेत्र के मामोर, लोढ़ाहेड़ा, धूलेट, दांता और बांस्याहेड़ी सहित कई गांवों का दौरा कर निरीक्षण किया। मंत्री नागर ने गांवों में सफाई व्यवस्था का जायजा लिया, ग्रामीण रास्तों की स्थिति देखी और ग्रामीणों के बीच बैठकर उनकी जन समस्याएं सुनीं। उन्होंने मौके पर ही मौजूद अधिकारियों को समस्याओं के त्वरित निस्तारण के कड़े निर्देश दिए। ग्रामीणों को स्वच्छता के प्रति जागरूक करते हुए ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर ने कहा कि आप सभी केवल 8 दिन अपने गांव की सफाई के लिए समर्पित कर दें। इसके बाद महीने में सिर्फ एक दिन हम सभी मिलकर एक बड़ा सफाई अभियान चलाएंगे। ऐसा करने से हमारे गांव पूरी तरह साफ हो जाएंगे और कचरे का नामोनिशान मिट जाएगा। यह काम अकेले सरकार का नहीं, बल्कि जनसहभागिता से ही संभव है।

ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर ने कनवास क्षेत्र के लोढ़ाहेड़ा में जनसुनवाई की।

ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर ने देश के प्रधानमंत्री का उदाहरण देते हुए कहा कि जब देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी स्वच्छता अभियान को सफल बनाने के लिए स्वयं हाथों में झाडू थाम सकते हैं, तो हमें अपने ही गांव को साफ करने में कोई शर्म या झिझक नहीं होनी चाहिए। स्वच्छता हम सबकी पहली जिम्मेदारी है। निरीक्षण के दौरान नालियों में फंसी पॉलिथीन को देखकर मंत्री नागर ने गहरी चिंता व्यक्त की। उन्होंने ग्रामीणों को समझाते हुए कहा कि नालियों में पड़ी पॉलिथीन को अक्सर बेसहारा गायें खा लेती हैं, जिससे उनकी अकाल मृत्यु तक हो जाती है। यह एक गंभीर पाप है, जिससे हमें बचना होगा। गांवों को कचरा मुक्त बनाने के लिए उन्होंने एक बड़ी घोषणा करते हुए कहा कि क्षेत्र के हर घर में दो-दो डस्टबिन (कूड़ेदान) दिए जाएंगे। ग्रामीणों को इसमें गीला और सूखा कचरा अलग-अलग डालना होगा। जब कचरा संग्रहण गाड़ी गांव में आए, तो दोनों तरह का कचरा अलग-अलग ही गाड़ी में डालना सुनिश्चित करें ताकि उसका सही निस्तारण हो सकें। ऊर्जा मंत्री ने प्रशासनिक अधिकारियों को सख्त लहजे में चेतावनी देते हुए कहा कि स्वच्छता अभियान को लेकर किसी भी स्तर पर ढिलाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि मैं स्वयं, प्रधान और ब्लॉक विकास अधिकारी जल्द ही दोबारा इन गांवों का औचक निरीक्षण करने आएंगे। उस समय गांवों में धरातल पर सफाई नजर आनी चाहिए।

मंत्री नागर ने कहा कि गांवों को स्वच्छ रखने की सीधी जिम्मेदारी ग्राम सचिव की होगी। जो ग्राम सचिव अपने क्षेत्र में बेहतरीन काम करेंगे और गांवों को आदर्श स्वच्छ गांव बनाएंगे, उन्हें सार्वजनिक रूप से पुरस्कृत किया जाएगा। इसके विपरीत, जिन गांवों में गंदगी और अव्यवस्था पाई गई, वहां के जिम्मेदार सचिव के खिलाफ तुरंत सख्त अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। दौरे के दौरान मंत्री नागर ने विभिन्न गांवों में चौपाल लगाकर जनसुनवाई की। ग्रामीणों ने बिजली, पानी, सड़क और मौसमी बीमारियों से जुड़ी अपनी समस्याएं मंत्री के सामने रखीं। मंत्री नागर ने मौके पर उपस्थित संबंधित विभागों के अधिकारियों को कड़े निर्देश दिए कि ग्रामीण रास्तों को सुधारा जाए और आमजन की समस्याओं का समय सीमा के भीतर समाधान कर उन्हें राहत पहुंचाई जाए।

इस अवसर पर स्थानीय जनप्रतिनिधि, प्रधान जयवीर सिंह अमृतकुआं, उप प्रधान ओम नागर अडूसा, क्रय विक्रय सहकारी समिति के अध्यक्ष ओम मेहता, बीडीओ सहित विभिन्न विभागों के आला अधिकारी और बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

जोधपुर मंडल ने 1.61 करोड़ का जुर्माना वसूला

जोधपुर, (कासं)। उत्तर-पश्चिम रेलवे के जोधपुर मंडल ने मई 2026 में टिकट जांच अभियान के दौरान रिकॉर्ड राजस्व अर्जित करते हुए नया कीर्तिमान स्थापित किया है। मंडल ने बिना टिकट यात्रा, अनियमित टिकट, गंदगी फैलाने और धूम्रपान के मामलों में कुल 1 करोड़ 60 लाख 88 हजार 106 रुपए की वसूली की, जो अब तक का सर्वाधिक जुर्माना राजस्व है। इससे पहले अप्रैल माह में लगभग 1.40 करोड़ रुपए की वसूली हुई थी।

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक हितेश यादव ने बताया कि मई माह में टिकट जांच दस्तों ने बिना टिकट यात्रा करते पाए गए लगभग 13 हजार यात्रियों से 80 लाख 60 हजार रुपए तथा अनियमित टिकट पर यात्रा कर रहे लगभग 13 हजार यात्रियों से 77 लाख 41 हजार रुपए का जुर्माना वसूला। इसके अतिरिक्त ट्रेनों और रेलवे परिसरों में स्वच्छता एवं सुरक्षा नियमों के उल्लंघन पर भी कार्रवाई की गई। गंदगी फैलाने के 2225 मामलों में 2 लाख 43 हजार 850 रुपए तथा धूम्रपान के 102 मामलों में 20 हजार 700 रुपए का जुर्माना वसूला गया। साथ ही यात्रियों को रेलवे परिसर में स्वच्छता बनाए रखने और धूम्रपान निषेध नियमों के प्रति जागरूक भी किया गया।

सेना के जवान का निधन, सैन्य सम्मान के साथ अंतिम विदाई दी

- पैतृक गांव भादूण की ढाणी, समराऊ में सैन्य सम्मान से अंतिम संस्कार किया

जोधपुर, (कासं)। जोधपुर के सेना के जवान जयप्रकाश का इलाज के दौरान निधन हो गया। रविवार को उनका पार्थिव शरीर ओसियां के भादूण की ढाणी, समराऊ लाया गया। वहां सैन्य सम्मान के साथ उन्हें अंतिम विदाई दी गई।

जानकारी के अनुसार जवान जयप्रकाश 10 दिन की छुट्टी पर आए थे और दोबारा ड्यूटी जॉइन करने जा रहे थे। इस बीच तबीयत बिगड़ गई थी। उनका इलाज बेस अस्पताल, दिल्ली कैंट के आईसीयू में चल रहा था। इलाज के दौरान उन्हें अचानक उन्हें कार्डियक अरेस्ट आया, डॉक्टरों ने उन्हें बचाने की कोशिश की लेकिन, बचा नहीं पाए। जयप्रकाश 230 मेड रेजिमेंट में गनर पद पर तैनात थे। रविवार को दोपहर करीब 12:30 बजे उनका पार्थिव देह गांव में पहुंचा। जहां सैन्य सम्मान के साथ अंतिम विदाई दी गई। सूत्रों के अनुसार, जयप्रकाश 21 मई से 31 मई 2026 तक 10 दिनों की छुट्टियों के लिए आए थे। 1 जून 2026 को उन्हें यूनिट में रिपोर्ट करना था, लेकिन वे रिपोर्ट नहीं कर पाए। 1 जून को जब सीनियर जेसीओ सूबेदार रूपेश कुमार झा ने जयप्रकाश से कॉन्टैक्ट किया तो उन्होंने बताया कि वे दिल्ली में है और उनकी कनेक्टिंग फ्लाइट छूट गई है। वे 2 जून को शाम 5:30 बजे की फ्लाइट से आएंगे। इसके बाद 2 जून को दोबारा अधिकारियों ने जयप्रकाश से बात की, तो उन्होंने बताया कि वे शाम की फ्लाइट से रवाना हो जाएंगे। लेकिन, 3 जून को उन्होंने कॉल उठाना बंद कर दिया। इस बीच 3 जून की रात को करीब 9:40 बजे दिल्ली के आसिफ अली हॉस्पिटल के मेडिकल ऑफिसर ने सूचना दी, कि जयप्रकाश को यूपी के सिविल लाइंस, उटारी में एडमिट करवाया गया है। 4 जून की रात 12-15 बजे जयप्रकाश को लोकनायक जयप्रकाश अस्पताल में रेफर किया गया। इसके बाद 4 जून को उन्हें दिल्ली कैंट स्थित बेस अस्पताल के आईसीयू में एडमिट किया गया। जब उन्हें यहां लाया गया तो वे अचेत अवस्था में थे। लेकिन, 5 जून को उन्हें होश आ गया था और वे बातचीत कर रहे थे। इसी बीच 6 जून रात करीब 1 बजे उन्हें कार्डियक अरेस्ट आया। इस दौरान डॉक्टर्स ने उन्हें सीपीआर देकर बचाने की कोशिश की। रात करीब 2:15 बजे बेस अस्पताल, दिल्ली कैंट के डॉक्टर्स ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। इसके बाद रविवार को उनकी पार्थिव देह दिल्ली से जोधपुर पहुंची। जहां उनके पैतृक गांव भादूण की ढाणी, समराऊ में सैन्य सम्मान के साथ उन्हें अंतिम विदाई दी गई।

टीम के हेड कोच गौतम गंभीर ओपनिंग बल्लेबाज संजू सैमसन और अभिषेक शर्मा को एक-एक मैच में आराम दें, ताकि सूर्यवंशी को प्लेइंग इलेवन में जगह मिल सके।
- सुनील गावस्कर

पूर्व भारतीय खिलाड़ी, वैभव सूर्यवंशी को ओपनिंग में मौका देने को लेकर।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी ▶ संजय मांजरेकर

संजय मांजरेकर का मानना है कि भारतीय टीम के युवा बल्लेबाज शुभमन गिल के पास लंबे समय के लिए टी-20 टीम की कप्तानी संभालने के अधिक मजबूत क्रिकेटीय बेस थे। हालांकि, उनके अनुसार टीम संयोजन की परिस्थितियों ने गिल के रास्ते में बाधा खड़ी कर दी और यही वजह रही कि चयनकर्ताओं ने श्रेयस अय्यर को कप्तानी की जिम्मेदारी देने का फैसला किया है। मांजरेकर ने कहा कि जब किसी खिलाड़ी को कप्तान या उपकप्तान बनाया जाता है तो यह भी सुनिश्चित होना चाहिए कि उसकी टीम में जगह पूरी तरह तय हो।

क्या आप जानते हैं ?... टीम इंडिया आईसीसी टी-20 अंतरराष्ट्रीय टीम रैंकिंग में 275 रेटिंग अंकों के साथ पहले स्थान पर मौजूद है।

तमीम इकबाल बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड के नए अध्यक्ष

नई दिल्ली, 7 जून। बांग्लादेश के पूर्व कप्तान तमीम इकबाल को बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड का नया अध्यक्ष चुना गया है। रविवार को ढाका में हुए चुनाव में वे निर्विरोध निर्वाचित हुए और अब चार साल तक इस पद पर रहेंगे। 37 साल के तमीम अप्रैल से अंतरिम अध्यक्ष के रूप में काम कर रहे थे, जब बांग्लादेश सरकार ने बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड के निदेशक मंडल को भंग कर दिया था। वे बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड के 21वें अध्यक्ष बने हैं। तमीम ने पिछले साल जनवरी में इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास लिया था। उन्होंने बांग्लादेश के लिए अपना आखिरी मैच सितंबर 2023 में खेला। उन्होंने फरवरी 2007 में जिम्बाब्वे के खिलाफ वनडे मैच से अपने इंटरनेशनल करियर का आगाज किया।

इंग्लैंड ने लॉर्ड्स में न्यूजीलैंड को 115 रन से हराया

नई दिल्ली, 7 जून। इंग्लैंड ने लॉर्ड्स में खेले गए पहले टेस्ट में न्यूजीलैंड को 115 रन से हरा दिया। इसी की साथ टीम ने तीन मैचों की सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली। दूसरा टेस्ट 17 जून से द ओवल में खेला जाएगा। रविवार को न्यूजीलैंड 138 रन पर सिमट गई। इंग्लैंड ने 254 रन का टारगेट दिया था। मुकाबले के चौथे दिन गस एटकिंसन ने दूसरी पारी में 5 विकेट लिए। उन्होंने पहली पारी में 2 विकेट लिए थे। ओली रॉबिन्सन को मैच में 7 विकेट लेने के लिए प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया।

एटकिंसन को 5 विकेट

मैच के आखिरी दिन गस एटकिंसन ने 30 रन देकर 5 विकेट झटके और न्यूजीलैंड की पारी समेट दी। रॉबिन्सन ने 2, जोश टंग ने 2 और कप्तान बेन स्टोक्स ने 1 विकेट लिया। मुकाबला सिर्फ 167 ओवर में खत्म हो गया। 254 रन का पीछा करने उतरी न्यूजीलैंड की शुरुआत खराब रही। कप्तान टॉम लैथम खाता खोले बिना आउट हो गए, जबकि केन विलियमसन 18 रन ही बना सके। रॉबिन्सन और जोश टंग ने लगातार विकेट लेकर न्यूजीलैंड को बैकफुट पर धकेल दिया। डेवोन कॉन्वे ने 91 गेंदों में 41 रन और ग्लेन फिलिप्स ने नाबाद 44 रन बनाए, लेकिन दूसरे छोर से उन्हें कोई साथ नहीं मिला।

अंडर-19 प्रतियोगिता हेतु खिलाड़ियों का लिया गया योयो फिटनेस टेस्ट

दौसा, 7 जून। जिला क्रिकेट संघ सचिव बृज किशोर उपाध्याय ने बताया कि राजस्थान क्रिकेट संघ द्वारा आयोजित अंडर-19 प्रतियोगिता के लिए अभ्यास सत्र चालू है उसके अंतर्गत सभी खिलाड़ियों की आपस में टीम बनाकर अभ्यास मैच करवाए जा रहे हैं अभ्यास मैच के बाद खिलाड़ियों में वनडे फॉर्मेट के हिसाब से यो यो फिटनेस कैंप लगाया गया है यह कैम्प तीन दिन तक चलेगा टेस्ट पास नहीं करने वाले खिलाड़ियों को डिस्कवालीफाई कर दिया जाएगा। इस बार खिलाड़ियों को अपनी परफॉरमेंस सुधारने और टीम में आने के लिए कठोर टेस्ट देना पड़ रहा है जिससे दौसा की टीम की परफॉरमेंस सुधर सके।

शास्त्री स्पोर्ट्स क्लब द्वारा स्विमिंग चैम्पियनशिप का भव्य आयोजन

जयपुर, 7 जून। शास्त्री स्पोर्ट्स क्लब के तत्वावधान में आज जयपुर के ब्रह्मपुरी स्थित राजस्थान शिक्षा महाविद्यालय (सम्राट जी का बाग) के तरणताल में एक भव्य ''स्विमिंग चैंपियनशिप'' का सफल आयोजन किया गया। इस खेल आयोजन में जयपुर जिला तैराकी संघ के उपाध्यक्ष श्री विनयपाल सिंह जादौन ने कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की और युवा खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया।

कार्यक्रम की मुख्य झलकियाँ:

प्रतिभागिता: इस चैंपियनशिप में लगभग 60 बालक-बालिकाओं ने पूरे उत्साह के साथ हिस्सा लिया। रोमांचक स्पर्धाएँ: प्रतियोगिता के दौरान फ्री-स्टाइल, बैकस्ट्रोक, ब्रेस्टस्ट्रोक और बटरफ्लाई जैसी विभिन्न तैराकी श्रेणियों में प्रतिभागियों के बीच बेहद रोमांचक मुकाबले देखने को मिले।

भारत-अफगानिस्तान टेस्ट में दूसरे दिन का खेल समाप्त, पहली पारी में अफगानिस्तान ने 113 रन पर खोए 5 विकेट

न्यू चंडीगढ़, 7 जून। भारत और अफगानिस्तान के बीच न्यू चंडीगढ़ में खेले जा रहे एकमात्र टेस्ट मैच के दूसरे दिन का खेल समाप्त हो गया है। भारतीय टीम ने दूसरे दिन अपनी पहली पारी आठ विकेट पर 564 रन बनाकर घोषित की। इसके जवाब में अफगानिस्तान ने अपनी पहली पारी में दिन का खेल समाप्त होने तक पांच विकेट खोकर 113 रन बना लिए हैं। रहमत शाह 81 गेंदों में 43 रन बनाकर नाबाद हैं। पहली पारी के आधार पर अफगानिस्तान टीम अभी भी 451 रन पीछे है। भारतीय टीम के लिए स्पिनर मानव सुथार ने पदार्पण मुकाबले में तीन विकेट लिए, जबकि तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा को दो सफलता मिली। अफगानिस्तान की पहली पारी में शुरुआत अच्छी नहीं रही। सलामी बल्लेबाज अब्दुल मलिक सिर्फ 16 रन बनाकर आउट हो गए। इसके बाद सेदिकुल्लाह अटल 17 रन और रहमानुल्लाह गुरबाज 12 रन बनकर पवेलियन लौटे। टीम के कप्तान हशमतुल्लाह शाहिदी ने कुछ देर मैदान पर टिककर समय बिताया, लेकिन वह भी बड़ी पारी नहीं खेल पाए और 48 गेंदों में 20 रन की पारी खेलकर आउट हुए। दिन का खेल समाप्त होने से ठीक पहले अफगानिस्तान को पांचवां झटका लगा। अफसर जजई 3 रन बनाकर आउट हुए। इससे पहले भारतीय टीम ने अपनी पहली पारी आठ विकेट पर 564

रन बनाकर घोषित कर दी। पहली पारी में कप्तान शुभमन गिल (126) और सलामी बल्लेबाज केएल राहुल (100) ने शानदार शतक जड़े। साई सुदर्शन (81), ऋषभ पंत (81) और वाशिंगटन सुंदर (52) ने अर्धशतकीय पारियां खेली। भारतीय टीम ने दूसरे दिन पहली पारी में तीन विकेट पर 368 रन से आगे खेलना शुरु किया। कप्तान शुभमन गिल और ऋषभ पंत ने पारी को आगे बढ़ाया और पहली पारी में टीम के स्कोर को 400 रन के पार ले गए। हालांकि कुछ देर बाद कप्तान गिल 177 गेंदों पर 15 चौकों और एक छक्के की मदद से 126 रन बनाकर आउट हो गए। भारतीय टीम का ध्रुव जुरेल के रूप में पांचवां विकेट गिरा। जुरेल 20 गेंदों पर चार चौकों की मदद से 19 रन बनाकर आउट हुए। सुबह के सत्र में भारतीय टीम को ऋषभ पंत के रूप में एक और झटका लगा। पंत शानदार बल्लेबाजी कर रहे थे और शतक के करीब थे, लेकिन बड़ा शॉट मारने के दौरान कैच आउट हो गए। पंत ने 121 गेंदों पर छह चौकों और तीन छक्कों की मदद से 81 रन बनाए। दूसरे दिन लंच ब्रेक तक भारतीय टीम पहली पारी में छह विकेट खोकर 475 रन बनाए। इसके बाद दूसरे सत्र में टीम ने 500 रनों का आंकड़ा भी पार कर लिया। भारत का सातवां विकेट 510 के कुल स्कोर पर गिरा। मानव सुथार अपने पदार्पण मैच की पहली पारी में 41 गेंदों पर दो चौकों और दो छक्कों की मदद से 28 रन बनाकर आउट हुए। मोहम्मद सिराज 12 गेंदों पर 22 रन बनाकर पवेलियन लौटे। इसके बाद भारतीय टीम ने 564 रन पर पारी घोषित कर दी। वाशिंगटन सुंदर 68 गेंदों पर 52 रन और कुलदीप यादव 26 गेंदों पर 9 रन बनाकर नाबाद लौटे। पहले दिन सलामी बल्लेबाज केएल राहुल ने 165 गेंदों पर 11 चौकों की मदद से 100 रन, साई सुदर्शन 104 गेंदों पर 81 रन और यशस्वी जायसवाल ने 32 गेंदों में 24 रन बनाए थे। अफगानिस्तान के लिए तेज गेंदबाद मोहम्मद सलीम सैफी सबसे सफल रहे और छह विकेट अपने नाम किए, जबकि जियाउर रहमान शरीफी और हशमातुल्लाह शाहिदी को एक-एक विकेट मिला।

पहले मैच में चमके मानव सुथार, बोले- मेरी कोशिश सही जगह पर गेंदबाजी करने की थी

न्यू चंडीगढ़, 7 जून। अफगानिस्तान के खिलाफ एकमात्र टेस्ट मैच की पहली पारी में दूसरे दिन 3 विकेट लेने वाले भारतीय स्पिनर मानव सुथार ने कहा कि उनकी कोशिश सही जगह पर गेंदबाजी करने और लगातार सही लेंथ पर गेंद डालने की थी।

भारतीय टीम के लिए टेस्ट में पदार्पण करने वाले 23 वर्षीय मानव सुथार ने पहले ही ओवर में विकेट हासिल किया। युवा खिलाड़ी ने अपने अंतरराष्ट्रीय करियर के पहले ओवर की चौथी गेंद पर अफगानिस्तान के सलामी बल्लेबाज अब्दुल मलिक (16) को पवेलियन भेजा। इसके बाद रहमानुल्लाह गुरबाज (12) और अफसर जजई (3) का विकेट हासिल किया। सुथार ने दूसरे दिन 15.5 ओवर के स्पेल में सात ओवर मेडन फेंके और 21 रन देकर 3 विकेट हासिल किए।

दिन का खेल समाप्त होने के बाद मानव सुथार ने कहा कि स्पेल के दौरान मेरा ध्यान सही जगह पर गेंदबाजी करने और अपनी ताकत का इस्तेमाल करने पर था। विकेट से मदद मिल रही थी इसलिए मेरी कोशिश सही जगहों पर गेंदबाजी करने और लगातार सही लेंथ पर गेंद डालने की थी। युवा स्पिनर ने कहा कि मेरा फोकस गेंद को ज्यादा से ज्यादा टर्न कराना था क्योंकि पिच से मदद मिल रही थी। साथ ही अच्छी जगहों पर गेंदबाजी करना और लगातार सही लेंथ पर गेंद डालना चाहता था क्योंकि वहीं से मदद मिल रही थी। मेरा पूरा ध्यान इसी पर था।

पदार्पण को लेकर सुथार ने कहा कि मुझे सुबह ही पता चला, जब हम ग्राउंड पर पहुंचे। भारत के लिए खेलना हर किसी का सपना होता है। मुझे अपनी कैप मिलने पर बहुत खुशी है। कप्तान शुभमन गिल को लेकर युवा खिलाड़ी ने कहा कि हम साथ खेले हैं (इंडियन प्रीमियर लीग में) इसलिए वह मेरी ताकत और मेरी गेंदबाजी को अच्छी तरह समझते हैं। वह मुझे मैच की स्थितियों और मुझे किस लाइन और लेंथ पर गेंदबाजी करनी चाहिए, इस बारे में मार्गदर्शन करते हैं। मैच की बात करें को दूसरे दिन का खेल समाप्त हो गया है। भारतीय टीम ने दूसरे दिन अपनी पहली पारी आठ विकेट पर 564 रन बनाकर घोषित की। इसके जवाब में अफगानिस्तान ने अपनी पहली पारी में दिन का खेल समाप्त होने तक पांच विकेट खोकर 113 रन बना लिए हैं।

भारतीय महिला फुटबाल टीम ने रचा इतिहास, छठी बार खिताब अपने नाम किया

नई दिल्ली, 7 जून। भारतीय महिला फुटबॉल टीम ने कमाल कर दिया है। गोवा के मडगांव में खेले गए सैफ महिला चैंपियनशिप 2026 के रोमांचक फाइनल मैच में भारत ने मौजूदा चैंपियन बांग्लादेश को 3-1 से हरा दिया। इस ऐतिहासिक जीत के साथ ही भारतीय टीम ने रिकॉर्ड छठी बार यह खिताब अपने नाम किया है। ब्लू टाइग्रेस के नाम से मशहूर हमारी महिला टीम पूरे 7 साल बाद इस प्रतिष्ठित ट्रॉफी को वापस देश लेकर आई है।

पहले हाफ में रहा कांटे का मुकाबला

फाइनल मुकाबले की शुरुआत से ही दोनों टीमों के बीच जबरदस्त टक्कर देखने को मिली। मैच के पहले हाफ में भारत की प्यारी जाक्सा ने एक बेहतरीन गोल करके टीम को बढ़त दिला दी। हालांकि, भारतीय टीम की यह खुशी ज्यादा देर नहीं टिकी और बांग्लादेश की रितु पोर्ना चकमा ने एक गोल दागकर स्कोर 1-1 से बराबर कर दिया। हाफ-टाइम तक दोनों टीमें बराबरी पर थीं और मुकाबला बेहद रोमांचक मोड़ पर था।

दूसरे हाफ में भारत ने की मैच पर पकड़

हाफ-टाइम के बाद जब खेल दोबारा शुरू हुआ, तो भारतीय टीम पूरी तरह हावी नजर आई। दूसरे हाफ में भारत की संफिदा ने एक शानदार गोल करके टीम को एक बार फिर आगे कर दिया। इसके कुछ ही देर बाद लिंडा कॉम ने भारत की तरफ से तीसरा गोल दागकर बांग्लादेश की वापसी के सारे रास्ते बंद कर दिए और भारत की जीत पक्की कर दी। इस तीसरे गोल के बाद बांग्लादेशी टीम दबाव में आ गई और मैच खत्म होने तक वापसी नहीं कर सकी।

जापान में एशियाई खेलों के लिए छह सदस्यीय भारतीय टीम भेजेगा आईजीयू

नई दिल्ली, 7 जून। जापान के आइची-नागोया में आयोजित होने वाले 20वें एशियाई खेलों में भाग लेने के लिए भारतीय गोल्फ संघ (आईजीयू) छह सदस्यीय भारतीय गोल्फ टीम भेजेगा। पुरुष और महिला वर्ग की गोल्फ स्पर्धाएं 30 सितंबर से 3 अक्टूबर तक कसुगाई कंट्री क्लब ईस्ट कोर्स में आयोजित की जाएंगी। वर्तमान में विश्व रैंकिंग में 451वें स्थान पर मौजूद युवराज संधू भारतीय पुरुष टीम का नेतृत्व करेंगे, जिसमें वीर अहलावत (विश्व रैंकिंग 558) और सप्तक तलवार (विश्व रैंकिंग 576) भी शामिल हैं।

विश्व नंबर 135 अदिति अशोक भारतीय महिला टीम की कप्तानी करेंगी। टीम में दीक्षा डागर (विश्व रैंकिंग 221) और प्रणवी उर्स (विश्व रैंकिंग 270) भी शामिल हैं। अदिति अशोक ने 2023 हांगझोऊ एशियाई खेलों में व्यक्तिगत स्पर्धा में रजत पदक जीता था। खिलाड़ियों का चयन एशियाई खेलों के लिए आईजीयू की चयन नीति के अनुसार किया गया। भारतीय गोल्फ संघ के अध्यक्ष बृजिंदर सिंह ने जापान में भारतीय टीम के शानदार प्रदर्शन को लेकर विश्वास व्यक्त किया।

फीफा विश्व कप 2026 : आखिरी लम्हों में खत्म हुआ सस्पेंस, ईरानी टीम को मिला अमेरिका का वीजा

नई दिल्ली, 7 जून। फुटबॉल विश्व कप 2026 शुरू होने में अब कुछ ही दिन बाकी हैं, लेकिन टूर्नामेंट से पहले ईरान की राष्ट्रीय फुटबॉल टीम को लेकर एक बड़ा घटनाक्रम सामने आया है। लंबे इंतजार और अनिश्चितता के बाद आखिरकार ईरानी खिलाड़ियों को अमेरिका में प्रवेश के लिए वीजा जारी कर दिया गया है।

यह फैसला ऐसे समय में आया है जब ईरान और अमेरिका के बीच तनावपूर्ण संबंधों को लेकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर लगातार चर्चा हो रही है। मौजूद जानकारी के अनुसार ईरान की टीम का पहला मुकाबला 17 जून को अमेरिका के लॉस एंजिलिस में खेला जाना है। हालांकि मैच से महज दस दिन पहले तक खिलाड़ियों को वीजा नहीं मिला था, जिससे टीम की तैयारियों को लेकर सवाल उठने लगे थे। ईरान के मेक्सिको स्थित राजदूत अबोलफ़ज़ल पसंदीदेह ने गुरुवार देर रात बताया था कि खिलाड़ियों को अब तक वीजा जारी नहीं किया गया है। इसके बाद रातोंरात स्थिति बदली और खिलाड़ियों को अमेरिका में प्रवेश की अनुमति मिल गई।

व्हाइट हाउस के एक अधिकारी ने पुष्टि की है कि ईरानी खिलाड़ियों को वीजा प्रदान कर दिया गया है। वहीं तुर्किये में अमेरिका के राजदूत टॉम बैरक ने भी इस संबंध में सार्वजनिक रूप से जानकारी साझा की। उन्होंने कहा कि अंकारा स्थित अमेरिकी दूतावास की टीम ने ईरान की राष्ट्रीय फुटबॉल टीम के खिलाड़ियों के वीजा आवेदन प्रक्रिया को पूरा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

हालांकि खिलाड़ियों को वीजा मिलने के बावजूद कुछ चुनौतियां अभी भी बनी हुई हैं। गौरतलब है कि ईरान की टीम के तकनीकी और प्रशासनिक दल के कुछ सदस्यों को अब तक वीजा नहीं मिला है। ईरान की अर्ध-सरकारी समाचार एजेंसी फार्स ने अपनी रिपोर्ट में दावा किया है कि टीम के कुछ अधिकारियों के आवेदन अभी लंबित हैं और अमेरिकी दूतावास ने उन्हें अब तक अनुमति नहीं दी है। हालांकि इस संबंध में ईरानी फुटबॉल महासंघ की ओर से कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है। बता दें कि इस बार का फुटबॉल विश्व कप खेल के साथ-साथ राजनीतिक चर्चाओं का भी केंद्र बन गया है। ईरान और इजराइल के बीच जारी संघर्ष तथा क्षेत्रीय तनाव ने प्रतियोगिता को अतिरिक्त संवेदनशील बना दिया है।

ऑल इंडिया सब-जूनियर रैंकिंग बैडमिंटन प्रतियोगिता में अन्वी राठौड़ बनी अंडर-15 इंडिया चैम्पियन

जयपुर, 7 जून। राजस्थान की उभरती हुई बैडमिंटन खिलाड़ी अन्वी राठौड़ ने हैदराबाद में आयोजित प्रतिष्ठित ऑल इंडिया सब-जूनियर रैंकिंग बैडमिंटन टूर्नामेंट में गर्ल्स सिंगल्स अंडर-15 वर्ग का खिताब जीतकर अपने करियर की एक

महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की। राजस्थान बैडमिंटन संघ के सचिव के.के. शर्मा के अनुसार टूर्नामेंट की दूसरी वरीयता प्राप्त अन्वी राठौड़ ने फाइनल मुकाबले में शीर्ष वरीयता प्राप्त तेलंगाना की हमशिनी चदाराम को रोमांचक मुकाबले में 18-21, 21-17, 21-13 से हराकर खिताब अपने नाम किया। पहले गेम में हार झेलने के बाद अन्वी ने शानदार वापसी करते हुए अगले दोनों गेम जीत लिए। उल्लेखनीय है कि पूरे टूर्नामेंट में यह उनका एकमात्र गंवाया हुआ गेम था। पूरी प्रतियोगिता के दौरान अन्वी ने देश की सर्वश्रेष्ठ जूनियर खिलाड़ियों के खिलाफ बेहतरीन प्रदर्शन किया। उनकी आक्रामक खेल शैली, रणनीतिक समझ और दबाव में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने की क्षमता ने उन्हें लगातार सफलता दिलाई और वे पूरे टूर्नामेंट में एक प्रमुख दावेदार के रूप में उभरकर सामने आईं।

नागौर क्रिकेट संघ को निष्कासित करना गलत : नांदू

जयपुर, 7 जून। राजेन्द्र सिंह नांदू ने दावा किया कि नागौर जिला क्रिकेट संघ को जिस आधार पर निष्कासित किया गया है, वह पूरी तरह गलत है। साल 2025 तक के सभी दस्तावेजों और रिकॉर्ड की जांच आरसीए की निगरानी में पहले ही हो चुकी थी। उसकी रिपोर्ट भी उपलब्ध है। उन्होंने आरोप लगाया कि 15 मई को नियमों के विपरीत जनरल बॉडी मीटिंग आयोजित कर अल्पमत के बावजूद मेरे खिलाफ कार्रवाई की गई। एडहॉक कमेटी में नए सदस्य जुड़ने के बाद निष्कासन का निर्णय लिया गया, जो पूरी तरह अनुचित है।

राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन (आरसीए) के नागौर जिला क्रिकेट एसोसिएशन को निष्कासित किए जाने के बाद विवाद गहरा गया है। नागौर जिला क्रिकेट संघ के अध्यक्ष राजेंद्र सिंह नांदू ने आरसीए एडहॉक कमेटी पर आरोप लगाया कि कमेटी में अनुकंपा नियुक्ति वाले लोग बैठे हैं। एक सदस्य मंदबुद्धि बालक की तरह काम कर रहा है। नांदू ने दावा किया कि नागौर जिला क्रिकेट संघ के खिलाफ की गई कार्रवाई पूरी तरह नियमों के विपरीत और दुर्भावनापूर्ण है। इस

फैसले के खिलाफ अदालत में कानूनी लड़ाई लड़ूंगा। बीजेपी नेतृत्व के सामने भी पूरे मामले को उठाएंगे।

राजेंद्र सिंह नांदू ने कहा- आरसीए एडहॉक कमेटी का भेजा निष्कासन पत्र मुझे नहीं मिला है। लेकिन इससे डरने वाला नहीं हूं। मैं भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता हूं। भाजपा की विचारधारा के साथ खड़ा रहूंगा। नांदू ने आरोप लगाया कि एडहॉक कमेटी के मौजूदा सदस्य चुनाव जीतकर नहीं आए हैं। उन्हें नियुक्त किया गया है। इसी वजह से वे अपने पद की गरिमा बनाए रखने में विफल रहे हैं। राजेंद्र सिंह नांदू ने दावा किया कि धनंजय सिंह कांग्रेस नेताओं के प्रभाव में काम कर रहे हैं। पहले भी बीजेपी नेताओं के खिलाफ बयान देते रहे हैं। नागौर में ऐसे लोगों को क्रिकेट प्रशासन में जिम्मेदारियां दी जा रही हैं। जिन्होंने भाजपा नेता ज्योति मिर्धा के खिलाफ चुनाव प्रचार किया था। धनंजय की हरकतों से ऐसा लगता है कि वह पूरी तरह से अयोग्य और मंदबुद्धि है।

राजेंद्र सिंह ने कहा आरसीए चुनावों को लेकर अदालत में याचिका दायर की थी, लेकिन मौजूदा एडहॉक कमेटी चुनाव कराने की इच्छुक नहीं है। चुनाव प्रक्रिया को आगे बढ़ाने के बजाय मेरे खिलाफ निष्कासन की कार्रवाई की गई। एडहॉक कमेटी के सदस्य अपने पद का दुरुपयोग कर रहे हैं, इसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। धनंजय सिंह को लेकर नांदू ने दावा किया कि वे एक साथ दो जिला क्रिकेट संघों के अध्यक्ष नहीं रह सकते। धनंजय सिंह का नागौर जिला क्रिकेट संघ से इस्तीफा विधिवत स्वीकार नहीं हुआ, इसके बावजूद वे जोधपुर जिला क्रिकेट संघ के अध्यक्ष के रूप में कार्य कर रहे हैं। नांदू ने कहा कि यह मामला न्यायालय के समक्ष भी उठाया जा चुका है और इससे जुड़े तथ्य कोर्ट में पेश किए गए हैं।

राजेन्द्र के 8 गोल से एएसएल क्लब की धमाकेदार जीत

जयपुर, 7 जून। राजस्थान फुटबॉल संघ के तत्वावधान में रविवार को पूर्णिमा यूनिवर्सिटी, जयपुर के फुटबॉल मैदान पर दूसरी अंडर-13 राजस्थान बॉयज फुटबॉल लीग 2025-26 का शुभारंभ हुआ। इस लीग में प्रदेश की कुल 8 टीमें भाग ले रही हैं। राजस्थान फुटबॉल संघ के सचिव श्री दिलीप सिंह शेखावत ने बताया कि उद्घाटन दिवस पर चार मुकाबले खेले गए। **पहला मुकाबला :** ब्रदर्स यूनाइटेड फुटबॉल क्लब ने जयपुर बॉयज को 1-0 से पराजित किया। ब्रदर्स यूनाइटेड के लिए मोहम्मद जिशान ने 45वें मिनट में निर्णायक गोल किया। **दूसरा मुकाबला :** एएसएलक्लब ने जयपुर एलीट को 11-0 से हराकर शानदार जीत दर्ज की। एएसएलकी ओर से राजेंद्र ने 11, 12, 14, 27, 31, 55, 57 और 60वें मिनट में 8 गोल दागे। सर्व सिद्ध ने 16वें, अस्मित ने 45वें और मानव ने 58वें मिनट में गोल किए। **तीसरा मुकाबला :** रेड स्टोन फुटबॉल क्लब ने जयपुर फुटसाल क्लब को 7-0 से हराया। रेड स्टोन के लिए कृष्ण ने 8, 20, 55, 57 और 60वें मिनट में 5 गोल, अनिरुद्ध ने 5वें और जितेंद्र ने 28वें मिनट में गोल किए। **चौथा मुकाबला :** रॉयल फुटबॉल क्लब ने राजस्थान फुटबॉल स्कूल को 6-0 से पराजित किया। रॉयल एफसी के लिए आसू ने 29, 37, 38 और 42वें मिनट में 4 गोल तथा नंदीश ने 9वें और 28वें मिनट में 2 गोल किए।

यूनियन फुटबॉल क्लब जयपुर (ट्रस्ट) एवं ह्यूमन ग्लोरी फाउंडेशन द्वारा निःशुल्क चिकित्सा एवं स्वास्थ्य जांच शिविर आयोजित

जयपुर, 7 जून। देश के सबसे प्राचीन खेल संस्थानों में से एक यूनियन फुटबॉल क्लब जयपुर (ट्रस्ट) एवं ह्यूमन ग्लोरी फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में रविवार को रामनिवास बाग स्थित क्लब परिसर में एक निःशुल्क मल्टीस्पेशियलिटी चिकित्सा परामर्श, स्वास्थ्य एवं नेत्र जांच शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का शुभारंभ यूनियन फुटबॉल क्लब जयपुर (ट्रस्ट) के उपाध्यक्ष अनिल शर्मा, अध्यक्ष लोकेश कुमार सिंह साहिल, सचिव महिपाल स्वामी, ह्यूमन ग्लोरी फाउंडेशन के प्रमोद जैन एवं मनीषा जैन, प्रतिष्ठा स्कूल संस्था की अर्पिता माथुर तथा कबड्डी प्रशिक्षक राज नारायण शर्मा द्वारा किया गया। क्लब समन्वयक अभिनव स्वामी ने बताया कि यूनियन फुटबॉल क्लब सदैव खिलाड़ियों एवं आमजन के स्वास्थ्य हित में इस प्रकार के निःशुल्क शिविरों का आयोजन करता रहा है। ऐसे आयोजनों का उद्देश्य लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराना

तथा उन्हें अपने स्वास्थ्य के प्रति जागरूक बनाना है। उन्होंने बताया कि शिविर में ब्लड शुगर, ब्लड प्रेशर, ईसीजी, फिजियोथेरेपी, जनरल फिजिशियन एवं ऑर्थोपेडिक परामर्श एवं जांच सेवाएं निःशुल्क उपलब्ध कराई गईं। साथ ही एएसजी आई हॉस्पिटल की ओर से सभी आगंतुकों की निःशुल्क नेत्र जांच भी की गई। शिविर में खिलाड़ियों के साथ-साथ बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिकों ने भी भाग लिया तथा विशेषज्ञ चिकित्सकों से स्वास्थ्य संबंधी परामर्श प्राप्त किया। उपस्थित लोगों ने इस जनहितकारी पहल की सराहना करते हुए भविष्य में भी ऐसे शिविरों के नियमित आयोजन की अपेक्षा व्यक्त की।

वर्ल्ड बाइसिकल डे के अवसर पर, संडेज ऑन साइकिल कार्यक्रम का विशेष संस्करण जयपुर में उत्साहपूर्वक मनाया गया

जयपुर, 7 जून। विश्व साइकिल दिवस के उपलक्ष्य में, भारतीय खेल प्राधिकरण के प्रशिक्षण केंद्र, जयपुर ने संडेज ऑन साइकिल नामक कार्यक्रम का आयोजन जयपुर में किया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य फिटनेस, स्वस्थ जीवनशैली एवं टिकाऊ परिवहन व्यवस्था को बढ़ावा देना था।

इस कार्यक्रम में नागरिकों, साइकिल चालकों, फिटनेस प्रेमियों एवं विभिन्न संगठनों के प्रतिनिधियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। इस कार्यक्रम में राजस्थान सरकार के उद्योग एवं वाणिज्य, सूचना प्रौद्योगिकी एवं संचार, युवा मामले और खेल, कौशल, नियोजन एवं उद्यिमता विभाग तथा सैनिक कल्याण मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़, संसद सदस्य मंजू शर्मा, मुख्य

सचिव वी. श्रीनिवासएवं अपर मुख्य सचिव (खेल) प्रवीण गुप्ता उपस्थित रहे।

अतिथियों ने साइकिल चलाने की गतिविधि में सक्रिय रूप से भाग लिया, एवं नागरिकों को नियमित रूप से व्यायाम करने की सलाह दी। उन्होंने नियमित शारीरिक गतिविधियों, स्वस्थ जीवनशैली, व्यक्तिगत कल्याण एवं पर्यावरणीय स्थिरता हेतु साइकिल चलाने के महत्व पर जोर दिया।

इस कार्यक्रम में सीआईएसएफ, बीएसएफ, सीआरपीएफ, राजस्थान पुलिस अकादमी, इंडियन बैंक, नागरो, रहगिरी एवं कई अन्य संगठनों के कर्मचारियों एवं प्रतिनिधियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रतिभागियों ने साइकिल चलाने, जुम्बा करने, फिटनेस संबंधी गतिविधियों में भाग लेने आदि विभिन्न गतिविधियों में हिस्सा लिया। इससे वहाँ एक सकारात्मक एवं सामुदायिक वातावरण बना।

मुख्यमंत्री ने विधायक दल की बैठक में राज्यसभा चुनाव पर चर्चा की

प्रदेश अध्यक्ष व संगठन महामंत्री भी उपस्थित रहे, पूनिया व अल्वा सोमवार को नामांकन भरेंगे

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

जयपुर, 7 जून। राज्यसभा चुनाव की तैयारियों को लेकर रविवार को मुख्यमंत्री निवास पर भारतीय जनता पार्टी विधायक दल की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, भाजपा के नव नियुक्त संगठन महामंत्री अजेय कुमार, प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़, राज्यसभा प्रत्याशी डॉ. सतीश पूनिया एवं डॉ. अल्का गुर्जर सहित, प्रदेश सरकार के मंत्री, विधायक और पार्टी के वरिष्ठ पदाधिकारी मौजूद रहे।

बैठक में आगामी राज्यसभा चुनाव को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। पार्टी नेतृत्व ने विधायकों को चुनाव प्रक्रिया, नामांकन, मतदान व्यवस्था तथा चुनाव संबंधी विभिन्न तकनीकी पहलुओं की जानकारी दी।

साथ ही, चुनाव के दौरान संगठनात्मक अनुशासन और समन्वय बनाए रखने पर जोर दिया गया। नेताओं ने सभी विधायकों से पार्टी के अधिकृत प्रत्याशियों के समर्थन में पूरी सक्रियता और एकजुटता के साथ कार्य करने का आ ान किया।

बैठक की विशेष बात यह रही कि राजस्थान भाजपा के नए संगठन महामंत्री अजेय कुमार का पहली बार विधायक दल के समक्ष औपचारिक परिचय कराया गया। इस दौरान, अजेय कुमार ने विधायकों को संबोधित करते हुए संगठन और सरकार के बीच बेहतर तालमेल के साथ कार्य करने की आवश्यकता बताई।

राज्यसभा प्रत्याशी डॉ. सतीश पूनिया और डॉ. अल्का गुर्जर ने पार्टी नेतृत्व द्वारा उन पर जताए गए विश्वास के लिए आभार व्यक्त किया। दोनों नेताओं ने कहा कि वे पार्टी की अपेक्षाओं पर खरा उतरने का प्रयास करेंगे और

■ भाजपा विधायक दल की विशेष बात यह रही कि नए प्रदेश संगठन महामंत्री अजेय कुमार का विधायकों से औपचारिक परिचय कराया गया। अजेय कुमार ने विधायक दल को संबोधित भी किया।

राजस्थान की आवाज को प्रभावी ढ ंग से सदन में उठाएंगे।

भाजपा सूत्रों के अनुसार, सोमवार को पार्टी के दोनों राज्यसभा प्रत्याशी विधानसभा में अपना नामांकन दाखिल करेंगे। इस दौरान, मुख्यमंत्री, प्रदेश नेतृत्व, मंत्रीगण, विधायक और बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता मौजूद रहेंगे। राज्यसभा चुनाव को लेकर भाजपा पूरी तरह सक्रिय नजर आ रही है और संगठन स्तर पर तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है।

मालवीय ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

किया गया है, जो तत्काल प्रभाव से लागू हो गया है।

आदेश के अनुसार, जयपुर कमिश्नरेट क्षेत्र में सक्षम प्राधिकारी की पूर्व अनुमति के बिना किसी भी प्रकार की रैली, जुलूस, धरना, प्रदर्शन अथवा सभा आयोजित नहीं की जा सकेगी। निषेधाज्ञा के तहत, सार्वजनिक स्थानों पर धारदार या घातक हथियार, लाठी, डंडा, बरछी, गंडासा तथा आग्नेयास्त्र लेकर चलने पर भी रोक लगाई गई है। हालांकि यह प्रतिबंध ड्यूटी पर तैनात पुलिस, प्रशासनिक अधिकारियों और सुरक्षाबलों पर लागू नहीं होगा।

वहीं, दूसरी ओर संभागीय आयुक्त जयपुर वी. सरवन कुमार ने आदेश जारी कर 8 जून को जयपुर संभाग में इंटरनेट व्यवस्था बंद रखने के आदेश दिए है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स एवं इंटरनेट आधारित सेवाओं के दुरुपयोग से अफवाहों के प्रसार तथा सार्वजनिक शांति भंग होने की आशंका के चलते यह निर्णय लिया गया है।

आज ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

और आकांक्षाओं के साथ विश्वासघात हो रहा है। सरकार निवेश के माहौल को कमजोर कर रही है और अपनी विदेश नीति के जरिए राष्ट्रीय हितों से समझौता कर रही है।

दादाभाई नौरोजी, ऋषि सुनक ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

दूसरे विश्व युद्ध के बाद से माइग्रेशन यू.के. के विकास का आधार रहा है और इसने देश के आर्थिक, सांस्कृतिक और सामाजिक परिदृश्य को आकार देने में अहम योगदान दिया है। यूके में अंतरराष्ट्रीय छात्रों का सबसे बड़ा समूह भारतीय छात्रों का है। हाउस ऑफ कॉमन्स के आंकड़ों के अनुसार, 2023-24 में 1,07,000 से अधिक भारतीय छात्र यूके में अध्ययन करने आए, जो 2017-2018 की तुलना में नौ गुना अधिक है।

रणजीत राठौड़ ने कहा, "मेरे अंदर राजनीति में रुचि, छात्र नेतृत्व और सामुदायिक जुड़ाव के माध्यम से अपने आप विकसित हुई। छात्र संघ का अध्यक्ष रहने के बाद, मुझे कंज़रवेटिव पार्टी के सदस्यों ने राजनीतिक अभियानों में शामिल होने का अवसर दिया, जिनमें बोरिस जॉनसन और ऋषि सुनक के अभियान भी शामिल थे। समय के साथ मैं अधिकारिक रूप से कंज़र्वेटिव पार्टी में शामिल हो गया और बाद में मुझे काउंसलर उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ने के लिए चुना गया।"

उन्होंने आगे कहा, "एक अंतरराष्ट्रीय छात्र के रूप में यूके आने के बाद राजनीति में जगह बनाना हमेशा आसान नहीं था। कई मौके ऐसे आए, जब मुझे खुद को साबित करने और विश्वास जीतने के लिए ज्यादा मेहनत करनी पड़ी। लेकिन मुझे लगता है कि इन अनुभवों ने मुझे एक अलग दृष्टिकोण दिया और रिप्रेज़ेंटेशन, इन्क्लूज़न और समुदाय-केन्द्रित नेतृत्व के प्रति मेरी प्रतिबद्धता को मजबूत किया। मेरा उद्देश्य है, विशेष रूप से युवा और विविध समुदायों के बीच नागरिक भागीदारी को बढ़ावा देना और स्थानीय मुद्दों तथा सार्वजनिक सेवा में सकारात्मक योगदान देना।"

पिछले कुछ दशकों में हाउस ऑफ कॉमन्स में भारतीय मूल के सांसदों की संख्या में लगातार वृद्धि हुई है, जो ब्रिटेन में विशेष रूप से भारतीयों सहित जातीय अल्पसंख्यकों की बढ़ती राजनीतिक भागीदारी को दर्शाती है। वर्ष 2015 से 2018 के बीच, ब्रिटेन में 42 प्रतिशत से अधिक भारतीय प्रति सप्ताह 1000 पाउण्ड से अधिक कमाने वाले उच्च आय वर्ग में शामिल थे। अकेला भारतीय समुदाय ब्रिटेन के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में लगभग 6 प्रतिशत का योगदान देता है।

राठौड़ ने कहा कि ब्रिटेन और भारत की राजनीति अलग-अलग हैं।

2022 में बैरट लंदन के एक अनुमान के अनुसार, ब्रिटेन में भारतीयों के पास अंग्रेजों की तुलना में अधिक रियल एस्टेट संपत्ति है। इनमें लंबे समय से रहने वाले निवासी और अनिवासी भारतीय, दोनों शामिल हैं। इस सूची में अंग्रेज दूसरे और पाकिस्तानी तीसरे स्थान पर थे।

हालांकि रूपर्ट लोव जैसे कुछ राजनेता दक्षिण एशियाई लोगों, विशेषकर भारतीयों के खिलाफ नस्लवादी टिप्पणियाँ करते हैं, लेकिन वास्तविकता यह है कि द्वितीय विश्व युद्ध के बाद से ब्रिटिश भारतीयों और भारतीयों ने यूनाइटेड किंगडम के विकास में बड़ा योगदान दिया है। 1950 और 1960 के दशक में, जब हजारों सिख रोजगार के लिए ब्रिटेन गए, तब उनकी मेहनत और योगदान ने युद्ध से प्रभावित ब्रिटिश अर्थव्यवस्था के पुनर्निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। एस्टन विश्वविद्यालय के शोध में भी पाया गया है कि भारतीयों का ब्रिटेन में प्रवास देश के लिए लाभकारी रहा।

भारतीय प्रवासी समुदाय का निरंतर प्रभाव रणजीत राठौड़ जैसे लोगों के रूप में देखा जा सकता है, जिनके अनुभव ब्रिटिश समाज में भारतीयों की बदलती और प्रभावशाली भूमिका को दर्शाते हैं।

ओडिशा ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

संतोषजनक जवाब नहीं दे पाने के बाद विजिलेंस ने उन्हें गिरफ्तार कर विशेष न्यायाधीश (विजिलेंस) की अदालत में पेश किया। विजिलेंस की कई टीमों ने भुवनेश्वर, जाजपुर, कंधमाल और अन्य स्थानों पर एक साथ छापेमारी की। तलाशी के दौरान सबसे चौंकाने वाली बरामदगी 2 करोड़ 4 लाख 14 हजार 400 रुपये नकद की रही।

इसके अलावा, 45 लाख रुपये की बैंक जमा राशि, लगभग 552 ग्राम सोने के आभूषण, एक हुंडई क्रेटा कार तथा करीब 44.35 लाख रुपये मूल्य के घरेलू सामान और अन्य कीमती वस्तुएं भी बरामद की गईं।

डीके शिवकुमार ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सहित, पार्टी नेतृत्व को अवगत कराया है। जब एनडीटीवी ने उनसे पूछा कि क्या वे दिए गए विभाग से असंतुष्ट हैं, तो उन्होंने कहा कि उन्हें ऐसा महत्वपूर्ण विभाग मिलना चाहिए, जहां वे जनता के लिए बेहतर ढंग से काम कर सकें।

मंत्री सतीश जारकीहोली, जिनके पास नई सरकार में लोक निर्माण विभाग बरकरार है, ने कहा कि वे कर्नाटक प्रदेश कांग्रेस कमेटी (केपीसीसी) अध्यक्ष का पद भी चाहते थे और इसके लिए उन्होंने पार्टी हाईकमान से अनुरोध किया था। हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि वे हाईकमान के फैसले का सम्मान करेंगे।

डी.के. शिवकुमार को अपने मंत्रिमंडल में किसी भी महिला मंत्री को शामिल न करने को लेकर भी आलोचना का सामना करना पड़ रहा है। इस मुद्दे को सबसे पहले कांग्रेस की वरिष्ठ नेता मार्गरेट अल्वा ने उठाया। उन्होंने कहा कि मंत्रिमंडल के पहले चरण में किसी महिला को मंत्री न बनाए जाने से वे निराश हैं।

आलोचनाओं पर प्रतिक्रिया देते हुए शिवकुमार ने कहा कि मंत्रिमंडल में अभी कई पद खाली हैं और मंत्रिमंडल विस्तार के दौरान महिलाओं को प्रतिनिधित्व दिया जाएगा। मुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने 3 जून को 13 मंत्रियों के साथ शपथ ली थी।

तीन माह भी नहीं चल पायेगी टीवीके सरकार- स्टालिन

उन्होंने कहा, जनता में इस सरकार के प्रति भारी असंतोष है, इसलिए मैं समय से पहले बोल रहा हूँ

चेन्नई, 07 जून। तमिलनाडु की राजनीति में इस समय जबरदस्त उबाल है। द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (डीएमके) के अध्यक्ष एमके स्टालिन ने एक बड़ा और चौंकाने वाला दावा किया है। उन्होंने कहा है कि राज्य की नई टीवीके सरकार तीन महीने भी नहीं चल पाएगी। मुख्यमंत्री सी. जोसफ विजय के नेतृत्व वाली यह सरकार शुरुआत से ही चौतरफा घिरी हुई है। इस बयान के बाद राज्य में सियासी पारा सातवें आसमान पर पहुंच गया है।

■ स्टालिन ने अपनी पार्टी में आए नेताओं से कहा कि अपनी पुरानी पार्टी की बुराई नहीं करें, क्योंकि जैसा अन्ना दुराई ने कहा था, विरोधी के बगीचे के चमेली के फूल से भी खुशबू आती है।

चेन्नई में आयोजित एक राजनीतिक कार्यक्रम के दौरान पूर्व मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने वर्तमान सरकार पर तीखा हमला बोला। दरअसल, यह कार्यक्रम विदुथलाई चिरुथाईगल काची के पूर्व विधायक पनैयूर बाबू और उनके समर्थकों को द्रमुक में शामिल कराने के लिए आयोजित किया गया था।

नेताओं का पार्टी में स्वागत करते हुए स्टालिन ने कहा कि जब यह सरकार सत्ता में आई थी, तब मैंने कहा था कि मैं छह महीने तक इसकी आलोचना नहीं करूंगा। लेकिन अब परिस्थितियां तेजी से बदल रही हैं। अब ऐसा डर सताने लगा है कि मुझे अपने तय समय से पहले ही बोलना पड़ेगा। स्टालिन ने सरकार की स्थिरता पर गंभीर सवाल खड़े किए। उन्होंने कहा कि जनता के बीच इस सरकार को लेकर भारी असंतोष है। आलोचनाएं लगातार बढ़ ती जा रही हैं। अब सवाल छह, पांच या चार महीनों का नहीं रह गया है। अब सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्या यह सरकार तीन महीने भी टिक पाएगी।

अमेरिका में भारतीय ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

संपर्क में हैं और उन्हें हर संभव सहायता दे रहे हैं। अंशुल की बहन तन्वी ने मीडिया को बताया कि उनका भाई नॉर्थ फिलाडेल्फिया की एक बड़ी कंपनी (एमएनसी) में काम करता था। वह अपनी आमदनी बढ़ ाने के लिए शनिवार और रविवार को पिज्जा डिलीवरी का काम भी करता था। तन्वी ने बताया कि अंशुल को सिर में तीन गोलियां मारी गईं और उसे सड़क पर ही छोड़ दिया गया। सबसे हैरान करने वाली बात यह है कि हमलावरों ने अंशुल से कुछ भी नहीं लूटा। उसका सारा सामान सुरक्षित मिला है। अंशुल चार साल पहले पढ़ ाई के लिए अमेरिका गया था। तन्वी ने बताया कि इससे पहले भी अंशुल के साथ लूटपाट की एक घटना हुई थी। तब कुछ लोगों ने उसकी चेन, फोन और पैसे छीन लिए थे। परिवार अब भारत के विदेश मंत्रालय से गुहार लगा रहा है कि अंशुल के पार्थिव शरीर को जल्द से जल्द भारत लाया जाए। उन्हें जानकारी मिली है कि सोमवार को शव परिवार को सौंपा जा सकता है।

मानसून 11 ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अरुणाचल प्रदेश। इन सभी राज्यों में मॉनसून की बारिश रिकॉर्ड की जा रही है। मौसम विभाग ने चेतावनी दी है कि मॉनसून की वजह से अगले 7 दिनों के दौरान केरल, कर्नाटक, तमिलनाडु और उत्तरपूर्वी भारत में अलग-अलग स्थानों पर भारी से बहुत भारी वर्षा (7-20 सेमी) होने की प्रबल संभावना है। साथ ही, 8 से 10 जून के बीच कर्नाटक में अलग-अलग जगहों पर अत्यधिक भारी बारिश होने की भी संभावना है।

राष्ट्रदूत हिन्दु संयुक्त परिवार की ओर से सोमेश शर्मा द्वारा ज्वाईन्ट मीडिया, आजाद मार्ग, मैन रोड, आयड, उदयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. 57928/93 **जयपुर कार्यालयः** सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513 **कोटा कार्यालय :** पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033 **बीकानेर कार्यालय :** कुम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371 **अजमेर कार्यालयः** राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 **जालोर कार्यालय :-** जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन 226422,226423, फैक्स: 02973-226424 **हिण्डौनसिटी कार्यालय :-** जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 **चूरू कार्यालय :** एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908